राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 वर्ष- 11, अंक- 97 पृष्ट - 08, नई दिल्ली, मंगलवार ,12 अक्टूबर 2021, मूल्य रु. 1.50

अंतरिक्ष में भारत को अगुवा बनाने के लिए स्पेस लांच, पीएम मोदी ने कहा- हम किसी से कम नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम मोदी इंडियन स्पेस एसोसिएशन की शुरुआत करने वाले हैं। इसको लेकर देश को काफी उम्मीदें हैं। आईएसए से देश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आत्मनिर्भर बनाने और देश को अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इंडियन स्पेस एसोसिएशन को लांच कर दिया। उन्होंने इसका शुभारंभ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए किया। इससे देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम को एक नई ऊंचाई मिलेगी और आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना भी साकार होगा। इतना ही नहीं ये अंतरिक्ष के क्षेत्र में देश को अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित करने में मदद करेगा। अंतरिक्ष और उपग्रह से जुड़ी कंपनियां इस एसोसिएशन की सदस्य होंगी। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि आज जितनी निर्णायक सरकार भारत में है, उतनी पहले कभी नहीं रही। स्पेस सेक्टर और स्पेस टेक के लिए भारत

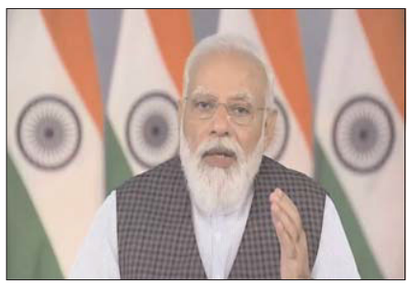

में हुए बड़ी सुधार इसकी एक कड़ी है। उन्होंने इंडियन स्पेस एसोसिएशन - इस्पा के गठन के लिए सभी को बधाई दी है।

उनके संबोधन से जुड़ी कुछ अहम बातें उन्होंने कहा कि भारत में अपार क्षमता और संभावना हैं। उन्होंने ये भी कहा कि एफिशिएंसी की ब्रांड वैल्यू को हमें और निखारना होगा। इसको निरंतर प्रमोट करना होगा। अपने दम पर जब भारत आगे बढ़ेगा तो वैश्विक स्तर पर भारत आगे बढ़ेगा। इस काम में सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है।

उन्होंने इसके चार अहम पिलर बताए। पहला प्राइवेट सेक्टर को इनोवेशन की आजादी , दूसरा सरकार कीइनोवलर के रूप में भूमिका, तीसरा भविष्य के लिए युवाओं को तैयार करना औश्र चौथा है स्पेस सेक्टर को सामान्य मानवीकी प्रगति के साधन के रूप में देखना। सरकार पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइजेज को लेकर एक स्पष्ट नीति के साथ आगे बढ़ रही है और जहां सरकार की आवश्यकता नहीं है, ऐसे ज्यादातर सेक्टर्स को प्राइवेट एंटरप्राइजेज के लिए खोल रही है।

सरकार ने जो अभी एयर इंडिया से जुड़ा फैसला लिया गया है वो हमारी प्रतिबद्धता और गंभीरता को दिखाता है।एक ऐसी रणनीतिजो भारत के टेक्नोलॉजीकल एक्सपर्टीज को आधार बनाकर भारत को इनोवेशन का वैश्विक केंद्र बनाए। और जो वैश्विक विकास में बड़ी भूमिका निभाए। साथ ही भारत के मानव संसाधन और टेलेंट की प्रतिष्ठा, विश्व स्तर पर बढ़ाए।

सरकार का लक्ष्य भारत के उद्यमियों, भारत के युवाओं के स्किल की क्षमताओं को बढ़ाकर, भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाना है।हमारा स्पेस सेक्टर, 130 करोड़ देशवासियों की प्रगति का एक बड़ा माध्यम है।

हमारे लिए स्पेस सेक्टर यानी - सामान्य मानवी के लिए बेहतर मैपिंग, इमेजिंग और कनेक्टिविटी की सुवधा है। उद्योगपतियों के लिए ये एक शिपमेंट से लेकर डिलीवरी तक बेहतर स्पीड देना है।21वीं सदी का भारत आज जिस अप्रोच के साथ आगे बढ़ रहा है, जो रिफॉर्म कर रहा है उसका आधार है, भारत के सामर्थ्य पर अटूट विश्वास। इस सामर्थ्य के आगे आने वाली हर रुकावट को दूर करना हमारी सरकार का दायित्व है और इसके लिए सरकार कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी बोले, शहरी गरीबों पर पड़ रहा जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर

नई दिल्ली। शहरी क्षेत्रों में सबको घर, परिवहन की सुविधा और अन्य जरूरी सेवाएं प्रदान करने में न्यूनतम कार्बन उत्सर्जन वाली आधुनिक प्रौद्योगिकी पर जोर देते हुए केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर शहरी गरीबों पर पड़ रहा है। पुरी सोमवार को यहां यूएन वर्ल्ड हैबिटेट डे-2021 पर आयोजित समारोह में बोल रहे थे। वैश्विक स्तर पर शहरी क्षेत्रों में बढ़ी भीड़ की वजह से शहरों में ऊर्जा की मांग में भारी इजाफा हुआ है। इससे ऊर्जा की खपत में शहरी हिस्सेदारी 78 फीसद और ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में 70 फीसद हो गई है।

केंद्रीय शहरी विकास मंत्री ने कहा कि जलवायु परिवर्तन से शहरी गरीब बस्तियों में रहने वालों पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। शहरी क्षेत्रों में रहने वाले गरीबों पर बिगड़ते मौसम की सबसे ज्यादा मार पड़ती है। वर्ष 2019 में जलवायु परिवर्तन से

सबसे ज्यादा प्रभावित होने वाले देशों में भारत सातवें स्थान पर रहा। भारतीय शहरों की आर्थिक और पर्यावरणीय आवश्यकताओं पर पुरी ने कहा कि भारत में ग्रीन हाउस गैसों का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन अन्य विकसित देशों की तुलना में काफी कम है। वर्ष 1870-2017 के दौरान भारत का कुल सीओटू (कार्बन डाई आक्साइड) उत्सर्जन काफी कम सिर्फ तीन फीसद है। इसकी तुलना में अमेरिका का 25 फीसद, यूरोपीय संघ का 22 फीसद और चीन का 13 फीसद है।

वर्ष 2030 तक भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शहरी क्षेत्रों की हिस्सेदारी 70 फीसद तक पहुंचने का अनुमान है। पुरी ने कहा कि हमें अपनी आर्थिक आकांक्षाओं और पर्यावरणीय दायित्वों को साकार करना है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) को प्राप्त करना आवश्यक है। वैश्विक लक्ष्य को पूरा करने में भारत का योगदान अहम होगा। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में शहरी स्वच्छता मिशन, स्मार्ट सिटी मिशन, अमृत, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) और शहरी परिवहन जैसे शहरी मिशनों की भूमिका अहम है, इनसे ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कमी लाने में सहायता मिलेगी। पीएमएवाई आवासों के निर्माण में जिस टेक्नोलाजी का उपयोग किया जा रहा है, उससे इन इमारतों में 20 से 30 फीसद ऊर्जा और 30 से 50 फीसद तक पानी की बचत होगी।

शहरी परिवहन प्रणाली पर अपनी बात रखते हुए पुरी ने कहा कि हमारे शहरों में मेट्रो रेल जैसी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली का विस्तार हो रहा है। वर्तमान में 18 शहरों में 721 किलोमीटर लाइनों पर मेट्रो ट्रेनें दौड़ रही हैं। देश के 27 शहरों में 1,058 किलोमीटर का नेटवर्क निर्माणाधीन है।

कोयले की कमी और बिजली कटौती की चिंताओं के बीच अमित शाह ने बुलाई बड़ी बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। देशभर में कोयला की कमी को लेकर खबरें सुर्खियों में हैं। तमाम राज्यों ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर कोयला की आपूर्ति करने को कहा है। इन सब के बीच केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह, कोयला मंत्री प्रहलाद जोशी एनटीपीसी के बड़े अधिकारी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मिलने के लिए गृह मंत्रालय पहुंचे हैं। कोयले की अपर्याप्त सप्लाई के कारण देश के कई हिस्सों में बिजली की कमी की चिंताओं के बीच शाह की यह मुलाकात हुई है। कई राज्यों ने ब्लैकआउट की चेतावनी दी है।

हालांकि केंद्र सरकार ने आश्वासन दिया है कि भारत के पास अपने बिजली संयंत्रों की मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त कोयला भंडार है।

बता दें कि तमाम तरह की अटकलों के बीच केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की और साफ शब्दों में कहा कि देश में ना बिजली की कमी थी, न है और न होगी। हालांकि, उन्होंने भी यह स्वीकार किया कि पहले बिजली उत्पादन कंपनियों के पास 17 दिनों का कोयला भंडार हुआ करता था जो घटकर 4 दिनों का रह गया।

वहीं देशभर में कोयले की आपूर्ति में कमी पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जितनी बिहार की ज़रूरत है उस हिसाब से या तो हमें एनटीपीसी से मिलता है या फिर प्राइवेट कंपनियों से लेते थे। इन कंपनियों से जितनी आपूर्ति का प्रावधान था, वह नहीं हो पा रही है। इसके चलते समस्या आई है। इस मुद्दे पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि केंद्र सरकार एक तरफ दावा करती है कि कोयले की कोई कमी नहीं है, दूसरी तरफ पॉवर प्लांट लगातार बंद होते जा रहे हैं। केंद्र सरकार जो दावा कर रही है उसमें कोई सच्चाई नहीं है। विदेश से जो कोयला आ रहा था वो भी बंद हो गया। केंद्र सरकार कर क्या रही है?

वहीं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, देशभर में कोयले की आपूर्ति में कमी परहम केंद्र के साथ मिलकर पूरी कोशिश कर रहे हैं। हम नहीं चाहते किसी भी तरह की आपात स्थिति पैदा हो। इस समय पूरे देश में स्थिति काफी नाजुक है। कई मुख्यमंत्री इस बारे में केंद्र सरकार को पत्र लिख चुके हैं।

बता दें कि कोयल इंडिया लिमिटेड इस महीने की शुरुआत में हर दिन 14 लाख टन कोयले की आपूर्ति कर रही थी जो 7 अक्टूबर से हर दिन 15 लाख टन की आपूर्ति का लक्ष्य पूरा करने में जुटी है। कोल इंडिया लिमिटेड और नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड कोयला उत्पादन बढ़ाने में जुटी हैं। इसके अलावा, सरकार कुछ और कोयला खादानों में उत्पादन बहाल करना चाह रही है। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय कीमत में रिकॉर्ड इजाफे के बावजूद विदेशों से कोयला आयात करने का निर्णय किया गया है।

आतंकी हमले में पांच जवान शहीद

गजनवी फोर्स नाम के संगठन ने ली पुंछ आतंकी हमले की जिम्मेदारी

श्रीनगर ■ एजेंसी

सोमवार देश के लिए दुखभरी खबर लेकर आया। पुंछ में आतंकियों से मुठभेड़ में पांच जांबाज सैनिक शहीद हो गए।

इससे पूर्व सुरक्षा एजेंसियों को सोमवार को मुगल रोड के पास चमरेर के जरिए आतंकियों के घुसपैठ की जानकारी मिली थी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने यहां ऑपरेशन चलाया। सोमवार सुबह से ही यहां पर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ चल रही थी। इसी दौरान छिपकर बैठे आतंकियों ने सेना के जवानों पर फायरिंग कर दी। आतंकियों के खात्मे के लिए सेना वहां बड़ा अभियान चला रही है।

मृत जाबांजों में नायब सुबेदार जसविंदर सिंह, नायक मंदीप सिंह, सिपाही गज्जन, सरज सिंह, वैसाख सिंह है।

इस कायराना हमले में शहीदं हुए जांबाज : नायब सूबेदार जसबिंदर सिंह, नायक मंदीप सिंह, सिपाही गज्जन सिंह, सिपाही सरज सिंह और सिपाही वैसाख सिंह शामिल हैं। शहीद नायक सूबेदार जसविंदर सिंह पंजाब के तलवंडी निवासी हैं।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में आतंकी वारदात की जिम्मेदारी गजनवी फोर्स नाम के एक नए संगठन ने ली है। हालांकि सेना के सूत्रों का कहना है कि गजनवी फोर्स द्वारा पुंछ हमले का दावा करना सुरक्षा एजेंसियों को भरमाने की चाल भी हो सकती है। वास्तव में हमले के पीछे लश्कर का हाथ हो सकता है। सोमवार को जम्मू-कश्मीर में पुंछ सहित तीन जगहों पर आतंकियों से सेना की मुठभेड़ हुई। एक मुठभेड़ में एक आतंकी को ढेर कर दिया गया।

एक नज़र...

आर्यन की जमानत पर फैसला 13 को

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई के तट पर एक क्रूज़ पोत से प्रतिबंधित मादक पदार्थ जब्त किए जाने के मामले में गिरफ्तार अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान की जमानत याचिका पर एक विशेष अदालत ने स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) से सोमवार को 13 अक्टूबर तक जवाब दाखिल करने को कहा। विशेष न्यायाधीश वी वी पाटिल एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रहे थे। अगली सुनवाई 13 अक्टूबर को होगी। एनसीबी ने गोवा जा रहे कॉर्डेलिया क्रूज के पोत पर छापेमारी के बाद तीन अक्टूबर को आर्यन खान को गिरफ्तार किया था।

खिलाड़ी मुस्कान का चयन भारतीय टीम में

भोपाल, (एजेंसी)। बांग्लादेश के ढ़ाका में

19 से 26 नवम्बर तक आयोजित होने वाली 22वीं एशियन आर्चरी चैम्पियनशिप में मप्र राज्य आर्चरी अकादमी की प्रतिभावान खिलाड़ी मुस्कान किरार का चयन भारतीय कम्पाउण्ड टीम में हुआ है। मध्यप्रदेश राज्य तीरंदाजी अकादमी की खिलाड़ी मुस्कान किरार के अलावा पीएसपीबी की ज्योति सुरेखा, पीबी की प्रनीत कौर और राजस्थान की प्रिया गुर्जर का भी चयन भारतीय कम्पाउंड टीम में हुआ है।

राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के पास 8.43 करोड़ से ज्यादा उपलब्ध हैं वैक्सीन की खुराक, टीकाकरण पर स्वास्थ्य मंत्री ने जताई खुशी

नई दिल्ली । देश में तेजी के साथ कोरोना का टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि 8 करोड़ 43 लाख 17 हजार 810 कोरोना वैक्सीन खुराक अभी भी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास उपलब्ध हैं। मंत्रालय ने आगे कहा कि राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अब तक कुल 96 करोड़ 75 लाख 07 हजार 995 वैक्सीन की खुराक केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की जा चुकी है। 8.43 करोड़ से अधिक वैक्सीन खुराक अभी भी उनके पास उपलब्ध हैं। इसी बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया ने खुशी जताते हुए कहा कि देश में अब तक कुल 95 करोड़ लोगों को वैक्सीन की डोज लगाई गई है। देश में 73 फीसद से अधिक लोगों को टीका लग चुका है। दूसरी डोज भी तेजी से लगाई जा रही है। आने वाले दिनों में 100 करोड़ वैक्सीन लग जाएगी। केंद्र सरकार पूरे देश में कोरोना टीकाकरण की गति को तेज करने और इसके दायरे का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध है। कोरोना टीकाकरण का नया चरण 21 जून से शुरू हुआ है। अधिक टीकों की उपलब्धता, राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के लिए वैक्सीन उपलब्धता के माध्यम से टीकाकरण अभियान को तेज किया गया है। राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में भारत सरकार राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को मुफ्त में कोरोना के टीके उपलब्ध कराकर उनका सहयोग कर रही है। कोरोना टीकाकरण अभियान के सार्वभौमिकरण के नए चरण में केंद्र सरकार देश में वैक्सीन निर्माताओं द्वारा उत्पादित किए जा रहे टीकों का 75 फीसद राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को

एनएसए अजीत डोभाल ने कहा, भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभा सकता है प्राइवेट सेक्टर

नई दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सोमवार को कहा कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र के निवेश से उच्च तकनीक वाली नौकरियां पैदा होंगी और तकनीकी विकास में मदद मिलेगी। इंडियन स्पेस एसोसिएशन के वर्चुअल लांन्च इवेंट में बोलते हुए, डोभाल ने कहा, आर्थिक विकास और तकनीकी विकास राष्ट्रीय शक्ति के सबसे महत्वपूर्ण तत्व हैं। ऐसे माहौल में राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के लिए नीति विकसित करने में सिर्फ राष्ट्रीय सरकारें अब एकमात्र हितधारक नहीं हो सकतीं।

डोभाल ने कहा, राष्ट्र निर्माण एक सहभागी प्रयास है जिसमें राष्ट्रीय हित को अधिकतम करने के लिए व्यक्तियों, संरचनाओं और प्रणालियों की सामूहिक ऊर्जा को एक साथ लाना शामिल है। उन्होंने कहा कि ये प्रयास भारत को अंतरिक्ष संपत्तियों का विनिर्माण केंद्र बना देंगे। डोभाल ने कहा कि एक मजबूत निजी क्षेत्र का उद्योग भी बढ़ती सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने में योगदान देगा। डोभाल ने कहा, भारत को व्यावसायिक रूप से उपलब्ध स्वदेशी उपग्रह संचार समाधान, भविष्य की प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास, भौगोलिक क्षेत्रों में क्षमताओं पर नजर रखने और अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा जैसे कई क्षेत्रों में क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि भारत को अपने व्यवसायिक रूप से उपलब्ध स्वदेशी उपग्रह संचार समाधान, भौगोलिक क्षेत्रों में ट्रैकिंग क्षमताओं और अंतरिक्ष संपत्तियों की सुरक्षा में वृद्धि करनी है।

उन्होंने भारतीय अंतरिक्ष संघ के लान्च समारोह में बोलते हुए कहा कि यह एक अंतरिक्ष क्षेत्र उद्योग निकाय है, जिसमें भारती एयरटेल, लार्सन एंट टुब्रो, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस और कावा स्पेस जैसी कंपानियां शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी विकास राष्ट्रीय शक्ति के सबसे अहम तत्व हैं। ऐसे वातावरण में राष्ट्रीय सरकारें अब राष्ट्रीय सुरक्षा और विकास के लिए नीतियां विकसित करने में एकमात्र हितधारक नहीं हो सकती हैं।

चीन के अड़ियल रुख से भारत से वार्ता विफल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चीन के अड़ियल रुख के कारण पूर्वी लद्दाख में पिछले करीब डेढ़ वर्षों से चले आ रहे गतिरोध को दूर करने के लिए रविवार को दोनों देशों के सैन्य कमांडरों के बीच हुई तेरहवें दौर की वार्ता में लंबित मुद्दों का समाधान नहीं हो सका।

सेना ने वक्तव्य जारी कर कहा कि बातचीतवार्ता के दौरान भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि यह गतिरोध चीन की पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति में एकतरफा बदलाव करने की कोशिशों के कारण पैदा हुआ है। भारत ने कहा कि अब यह जरूरी है कि चीन शेष क्षेत्रों में लंबित मुद्दों के हल के लिए जरूरी कदम उठाये जिससे कि वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति तथा मैत्री कायम हो सके। भारत ने जोर देकर कहा कि लंबित मुद्दों के हल से द्विपक्षीय संबंधों में प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। भारतीय पक्ष ने मुद्दों के समाधान के लिए सकारात्मक तथा रचनात्मक सुझाव दिए लेकिन चीनी पक्ष ने इस पर सहमति नहीं जताई और न ही इस दिशा में आगे बढ़ने वाला कोई प्रस्ताव पेश किया।

डेविड कार्ड, जोशुआ डी एंग्रिस्ट और गुइडो इम्बेन्स को मिलेगा अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार

स्टाकहोम, एजेंसी। अर्थशास्त्र में 2021 का नोबेल पुरस्कार डेविड कार्ड को आधा और संयुक्त रूप से जोशुआ डी. एंग्रिस्ट और गुइडो डब्ल्यू इम्बेन्स को दिया जाएगा। नार्वे की नोबेल समिति ने सोमवार को इसकी घोषणा की। तीन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों को रोजगार जैसे प्रमुख सामाजिक मुद्दों पर शोध के लिए 2021 में अर्थशास्त्र के लिए नोबेल पुरस्कार चुना गया है। लेबर मार्केट और नैचुअलर एक्सपेरिमेंट्स के क्षेत्र में सराहनीय योगदान के लिए इन तीनों को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए चुना गया। कनाडा में जन्मे डेविड कार्ड को यह पुरस्कार लेबर इकोनामिक्स में उनके योगदान के लिए दिया जाएगा। वहीं इजराइली-अमेरिकी जोशुआ डी एंग्रिस्ट और डच अमेरिकी गुइडो डब्ल्यू इम्बेन्स ने भी लेबर मार्केट और नेचुअलर एक्सपेरिमेंट्स में विश्लेषण किया। अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार को आधिकारिक तौर पर स्वेरिजेज रिक्सबैंक पुरस्कार कहा जाता है। इसकी शुरुआत 1968 में हुई थी। अर्थशास्त्र को काफी देर बार नोबेल पुरस्कारों में शामिल किया गया।

इससे पहले चिकित्सा, भौतिकी, रसायन विज्ञान, साहित्य और शांति में नोबेल जीतने वालों के नामों की घोषणा की गई है। अमेरिकी विज्ञानियों डेविड जूलियस और एर्डम पटापौटियन को इस बार चिकित्सा क्षेत्र के नोबेल के लिए चुना गया है। भौतिकी का नोबेल जापान के स्युकुरो मनाबे, जर्मनी के क्लास हेसलमैन और इटली के जियोर्जियो पैरिसी को मिलेगा।

रसायन का नोबेल पुरस्कार जर्मनी के बेंजामिन लिस्ट और स्काटलैंड के डेविड डब्ल्यूसी मैकमिलन को मिलेगा। ब्रिटेन में रह रहे तंजानिया के लेखक अब्दुलरज्जाक गुरनाह को इस साल का साहित्य का नोबेल पुरस्कार दिया जाएगा।

सीडीएस प्रमुख रावत ने दिया सशस्त्र बलों को मजबूत करने पर जोर, कहा भारतीय निजी उद्योग क्षेत्र के आगे आने की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल बिपिन रावत ने सोमवार को कहा कि भारतीय निजी उद्योग क्षेत्र को देश के सशस्त्र बलों की अभियान संबंधी क्षमताओं को बढ़ाने अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी तथा उत्पाद मुहैया कराने की दिशा में काम करना होगा। शांति और संघर्ष, सभी क्षेत्रों में अभियान चलाने की हमारी क्षमता के लिए अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्र महत्वपूर्ण बन गए हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) इसके लिए नेतृत्व करता रहेगा। साथ ही देश तथा सशस्त्र बलों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए निजी उद्योगों को सहभागिता के साथ आगे बढ़ना होगा। जनरल

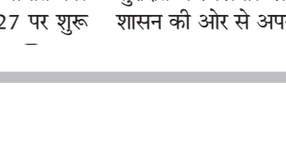

बिपिन रावत ने कहा कि सशस्त्र बल इस बात को लेकर विश्वस्थ हैं कि भारतीय उद्योग युद्ध जीतने की क्षमताओं के लिए उत्पाद और न्यू टेनोलॉजी के साथ अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियां प्रदान करेंगे। बिपिन रावत इंडियन स्पेस एसोसिएशन समारोह को संबोधित कर रहे थे। यह अंतरिक्ष क्षेत्र के उद्योग जगत का एक संगठन है जिसमें भारती एयरटेल, लार्सन एंड टूब्रो, अग्निकुल, ध्रुव स्पेस तथा कावा स्पेस जैसी कंपनियां शामिल हैं। जनरल रावत ने कहा कि भारत में निजी उद्योगों के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र के द्वार खोलना निश्चित रूप से ऐतिहासिक निर्णय है।

स्पुतनिक बनाने एस्ट्राजेनेका का फॉर्मूला चुराया

लंदन, (एजेंसी)। रूस पर ब्रिटेन में बनी ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन का ब्लूप्रिंट अपने जासूसों से चोरी करवाने और उसके सहारे सबसे पहले कोविड टीका बनाने का आरोप लगा है।

सुरक्षा एजेंसियों ने ब्रिटेन के मंत्रियों को इस बारे में जानकारी दी है और कहा है कि उनके पास ऐसे ठोस सबूत हैं जिससे यह साबित होता है कि क्रेमलिन के जासूसी एजेंटों ने कोविड वैक्सीन प्लान चुराया और फिर इसका इस्तेमाल अपनी वैक्सीन बनाने के लिए किया। ब्लूप्रिंट और संवेदनशील दस्तावेज रूस के जासूस ने खुद चुराए थे। सुरक्षा मंत्री डमियन हिंद्स ने इन आरोपों की पुष्टि करने से इनकार कर दिया। लेकिन उन्होंने यह जरूर कहा कि सायबर हमले पहले से तेज होते जा रहे हैं। सुरक्षा सूत्रों के मुताबिक, मॉस्को के जासूस ने व्यक्तिगत तौर पर ब्रिटेन जाकर वैक्सीन के सीक्रेट डिजाइन को चुराया। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि ब्लूप्रिंट फार्मा कंपनी के लैब का कोई कागज था या फिर अध्ययन के लिए तैयार की गई वैक्सीन की वायल।

कोर्ट ने मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा को तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा

लखनऊ । लखीमपुर खीरी में अहिंसा के पुजारी महात्मा गांधी की जयंती के एक दिन बाद हिंसा में चार किसान सहित आठ लोगों की मृत्यु के मुख्य आरोपित केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के बेटे आशीष मिश्रा मोनू पर शिकंजा कसता जा रहा है। शनिवार देर रात गिरफ्तारी के बाद जेल भेजे गए आशीष मिश्र मोनू की पुलिस कस्टडी रिमांड पर सोमवार को सुनवाई के बाद सीजेएम कोर्ट ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है।

लखीमपुर खीरी की हिंसा में आठ लोगों की मृत्यु के मामले में मुख्य आरोपित आशीष मिश्रा मोनू को लेकर कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष योगी आदित्यनाथ और नरेन्द्र मोदी सरकार पर हमलावर है। इस बीच में आशीष के पिता और केन्द्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी को बर्खास्त करने की भी मांग की जा रही है। लखीमपुर खीरी की हिंसा में किसानों सहित आठ लोगों की मृत्यु के मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के इस्तीफे की मांग के बीच में कोर्ट से उनके बेटे मुख्य आरोपित मंत्री पुत्री आशीष मिश्रा को राहत नहीं मिली है। बीते शनिवार रात से जेल में बंद आशीष को कोर्ट ने तीन दिनों की पुलिस रिमांड में भेजा है। लखीमपुर खीरी में तीन अकटूबर को हिंसा के मुख्य आरोपी आशीष मिश्रा उर्फ मोनू को लखीमपुर सीजेएम कोर्ट से तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उसे तीन दिनों की पुलिस रिमांड में भेज दिया है। अब अगले तीन दिनों तक एसआईटी आशीष से और अधिक पूछताछ कर सकेगी।

लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू पर पुलिस का शिकंजा काफी कस गया है। लम्बी बहस के बाद पुलिस को आशीष मिश्रा की तीन दिन की पुलिस रिमांड मिली है। अब पुलिस उससे हिंसा में आठ लोगों की मृत्यु के मामले में पूछताछ भी करेगी। लखीमपुर खीरी कांड में सीजेएम कोर्ट ने शाम को करीब 4ः15 बजे केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा टेनी के पुत्र आशीष मिश्र मोनू को तीन दिन की पुलिस रिमांड पर ले जाने की इजाजत दी है। मंत्री पुत्र आशीष मिश्रा को कोर्ट ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। आशीष मिश्रा 12 से 15 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर रहेगा। खीरी हिंसा के मुख्य आरोपित आशीष मिश्र की पुलिस रिमांड पर सुनवाई के लिए वर्चुअल सुनवाई 2ः42 पर समाप्त की। तकनीकी खराबी के कारण 2ः 27 पर शुरू हुई थी सुनवाई। एसपीओ ने 14 दिनों की रिमांड मांगी। आशीष मिश्रा मोनू के वकीलों ने कहा कि 12 घंटे तो पूछताछ कर चुके है, पुलिस अब क्या पूछताछ करना चाहती है। अभियोजन का तर्क आशीष मिश्रा मोनू में असहयोग करते हुए 12 घंटे में केवल 40 सवालों का ही जवाब दिया है। अदालत में सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया।

लखीमपुर खीरी हिंसा के मामले में केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री आशीष मिश्रा मोनू को पुलिस रिमांड पर लेने की सुनवाई वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर दिन में दो बजे शुरू हो गई। तकनीकी खामी के कारण बाधित होने के बाद भी यह सुनवाई करीब एक घंटा तक चली। सीजेएम ने दोनों पक्ष की बहस पूरी होने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया। लखीमपुर हिंसा के इस शासन की ओर से अपर निदेशक अभियोजन राजेश श्रीवास्तव लखीमपुर पहुंचे। उनकी मौजूदगी में मुख्य अभियोजन अधिकारी लखीमपुर खीरी ने पुलिस का पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों ने अवधेश सिंह, अवधेश दुबे तथा शैलेन्द्र सिंह कहा कि आशीष मिश्रा उफ मोनू से पुलिस लगातार 12 घंटे तो पूछताछ कर चुके हैं। पुलिस अब और क्या पूछताछ करना चाहती है। आशीष में बचाव पक्ष का आरोप है कि आप बताएं कि उन्होंने किस तरह जांच में सहयोग किया है। आशीष तो 12 घंटे में सिर्फ 40 सवालों का ही जवाब दे सके। कोर्ट में काफी गहमा गहमी है। आशीष मिश्रा मोनू जेल से ही वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। इस दौरान सीजेएम ने नाम पूछा, लेकिन उधर से कोई आवाज नहीं आई। कॉन्फ्रेंसिंग थोड़ी देर तकनीकी समस्या के कारण बाधित रही।

कराची: बलूच विद्रोहियों ने पाकिस्तानी पत्रकार को बम से उड़ाया, इलाके में फैली दहशत

बलूचिस्तान। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच विद्रोहियों ने सोमवार को बम से हमला कर एक 35 वर्षीय पाकिस्तानी पत्रकार की हत्या कर दी। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

किर्गिस्तान को 20 करोड़ डालर की सहायता पर सहमत भारत, अफगानिस्तान पर भी चर्चा : जयशंकर

बिश्केक। विदेश मंत्री (ईएएम) एस जयशंकर ने सोमवार को जानकारी दी कि भारत किर्गिस्तान में विकास परियोजनाओं के लिए 200 मिलियन अमरीकी डालर की सहायता पर सहमत हो गया है। जयशंकर की बिश्केक में किर्गिस्तान के विदेश मंत्री रुस्लान कजाकबायेव के साथ बैठक के बाद यह बात सामने आई है। एस जयशंकर ने ट्वीट कर इसकी जानकारी देते हुए कहा, 'किर्गिज गणराज्य के विदेश मंत्री रुस्लान कजाकबायेव के साथ सौहार्दपूर्ण और रचनात्मक वार्ता। विकास परियोजनाओं का समर्थन करने के लिए 200 मिलियन अमरीकी डालर के एलओसी पर सहमत हुए। उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक परियोजनाओं को क्रियान्वित करने पर जानकारी भी संपन्न हुई।' कजाकिस्तान CICA फोरम का वर्तमान अध्यक्ष और आरंभकर्ता हैं। जयशंकर के कजाकिस्तान के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री मुख्तार तिलेबर्दी के साथ द्विपक्षीय वार्ता करने और कजाख नेतृत्व से मुलाकात करने की भी उम्मीद है। अपनी बैठक के दौरान, जयशंकर ने भारतीय छात्रों की जल्दी यात्रा की आवश्यकता और दोनों देशों के बीच अधिक उदार वीजा व्यवस्था पर भी चर्चा की। उन्होंने कई ट्वीट्स किए, इनमें एक में कहा, 'भारतीय छात्रों की जल्द यात्रा और अधिक उदार वीजा व्यवस्था पर चर्चा की।

प्राकृतिक आपदाओं के आगे चीन हुआ पस्त, इस साल 792 लोगों की गई जान; उठाना पड़ा भारी नुकसान

बीजिंग। चीन में इस साल में अब तक प्राकृतिक आपदाओं के कारण करीब आठ सौ लोगों की या तो मृत्यु हो गई या फिर लापता हो गए हैं। ग्लोबल टाइम्स ने चीनी अधिकारियों के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस साल में अब तक प्राकृतिक आपदाओं के कारण कम से कम 792 लोग या तो अपनी जान गंवा चुके हैं या फिर वो इन आपदाओं में वो लापता हो गए। इसके अलावा चीन की आर्थिक स्थिति को भी इससे नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा, ठंड के मौसम, बर्फीले तूफान, रेत के तूफान, जंगल और घास के मैदान की आग और समुद्री आपदाओं के कारण देश में कुल नौ करोड़ 44 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा, कम से कम 17 लाख घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि तकरीबन 10,583 हेक्टेयर फसल भी प्रभावित हुई है। ग्लोबल टाइम्स ने चीनी अधिकारियों के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि प्राकृतिक आपदाओं से कुल 44.37 अरब अमरीकी डालर का प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान हुआ है। चीनी अधिकारियों ने पहली छमाही में कम से कम 156 लोगों के मारे जाने या लापता होने की सूचना दी थी। जुलाई और अगस्त में तूफान मध्य चीन के हेनान और हुबेई प्रांतों में भीषण बाढ़ का कारण बना था। मध्य चीन में बाढ़ से कम से कम 21 लोगों के मारे जाने की खबर है। ऐसी आपदाओं से निपटने में बीजिंग के कुप्रबंधन ने ध्यान आकर्षित किया है। इस बीच, उत्तरी चीन का शांक्सी प्रांत पिछले कुछ दिनों से भयंकर बाढ़ का सामना कर रहा है जिससे 15 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान में लुटेरों का आतंक:सादिकाबाद शहर में लुटेरों की फायरिंग में 9 लोगों की मौत, अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के बड़े शहर सादिकाबाद में कुछ लुटेरों ने एक पेट्रोल पंप पर हमला कर दिया। इन लुटेरों ने पंप के सामने काफी देर तक फायरिंग की। घटना में 9 लोग मारे गए। घायलों की संख्या का फिलहाल पता नहीं लग सका है। पुलिस ने भी इस बारे में अब तक कोई जानकारी नहीं दी है।

सादिकाबाद के व्यस्त बाजार में हुई फायरिंग के बाद वहां दहशत का माहौल है। शुरुआत में कुछ लोगों को लगा कि यह आतंकी हमला है, लेकिन बाद में साफ हुआ कि यह लुटेरों का हमला था।

लूट की जानकारी नहीं

कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, लुटेरे पेट्रोल पंप को लूटने आए थे और इनकी संख्या पांच से ज्यादा थी। ये लोग एक जीप से आए थे और आते ही पंप के सामने फायरिंग शुरू कर दी। कुछ लोगों ने वहां से भागने की कोशिश की, लेकिन वे फायरिंग की चपेट में आ गए। समा टीवी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, घटना शहर के सबसे व्यस्त माने जाने

वाले माही चौक में हुई। पंप से कितनी रकम लूटी गई, इसका खुलासा नहीं हो सका।

फायरिंग करते हुए भागे लुटेरे: पुलिस के मुताबिक, घटना के बाद लुटेरों का पीछा किया गया था, लेकिन वे भारी हथियारों से लैस थे और फायरिंग करते हुए भाग निकले। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंजाब प्रांत में इस तरह की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं और पुलिस इन पर काबू पाने में नाकाम साबित हुई है। रविवार की घटना में भी किसी लुटेरे को गिरफ्तार नहीं किया जा सका। पुलिस ने इस मामले में भी अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पिछले महीने रावलपिंडी में सैन्य मुख्यालय से कुछ दूरी पर फायरिंग हुई थी। इसमें दो लोग मारे गए थे। सितंबर में ही फायरिंग की एक और घटना हुई थी और उसमें 9 लोग मारे गए थे। पुलिस ने तब कहा था कि यह दो गुटों के बीच फायरिंग की घटना है। सिर्फ आम लोग ही नहीं बल्कि पुलिस भी यहां सुरक्षित नहीं है। जुलाई में पेशावर के मुख्य बाजार में एंटी टेरर डिपार्टमेंट के एक इन्सपेक्टर की हत्या कर दी गई थी।

झटका : सिंगापुर सरकार ने 11 देशों के लिए फ्लाइट सेवाएं शुरू की, भारत इस सूची से अब भी बाहर

इस्लामाबाद। दुनिया में कोरोना की दूसरी लहर कमजोर पड़ने के बाद कई देशों ने यात्रा पर लगाए प्रतिबंधों को हटा लिया है। इसी कड़ी में सिंगापुर ने 11 देशों के लिए अपने रास्ते खोल दिए हैं। 19 अक्तूबर से सिंगापुर एयरलाइंस 11 देशों के 14 शहरों में अपनी सेवाएं शुरू करने जा रही है। यानी इस देश के लोगों को अब क्वारंटाइन में नहीं रहना पड़ेगा। हालांकि, भारत को अभी इसमें शामिल नहीं किया गया है। भारत और सिंगापुर के बीच अभी फ्लाइट सेवाएं शुरू नहीं की गई है। सिंगापुर सरकार की वीटीएल योजना में 11 देशों में सात यूरोपीय देशों को शामिल किया गया है, जिसमें डेनमार्क, फ्रांस,

इटली, नीदरलैंड, स्पेन और यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी है। इसके अलावा संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा शामिल हैं। इस सूची में एक मात्र एशियाई देश ब्रुनेई को शामिल किया गया है। चीन, भारत और इंडोनेशिया को अब तक शामिल नहीं किया गया है।

यात्रा के लिए दिखानी होगी निगेटिव रिपोर्ट

इसके अलावा, दक्षिण कोरिया के टीकाकरण वाले यात्रियों को भी 15 नवंबर से देश में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी। हालांकि, इस दौरान कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करना जरूरी है। यात्रियों को यात्रा से 48 घंटे पहले एनटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट दिखाना होगी, तब जाकर उन्हें यात्रा की अनुमति मिलेगी।

अमेरिका : हवाई के तटीय क्षेत्र में 6.1 तीव्रता का भूकंप, सुनामी का कोई खतरा नहीं

आईलैंड। अमेरिका के हवाई में बिग आईलैंड के तट के निकट 6.1 तीव्रता का भूकंप आया जिससे द्वीप के निवासी घबराकर अपने-अपने घरों से बाहर निकल आए। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण विभाग न बताया कि भूकंप की तीव्रता 6.1 थी और यह नालेहु के दक्षिण में करीब 17 मील (27 किलोमीटर) की गहराई में आया। एजेंसी ने बताया कि उसी इलाके में करीब 20 मिनट बाद एक बार फिर 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। होनोलुलु में राष्ट्रीय मौसम सेवा ने बताया कि भूकंप से सुनामी का कोई खतरा नहीं है। नालेहु में भूकंप के झटके के कारण एक गैस स्टेशन में रेफ्रीजरेटर का दरवाजा खुल गया और उसके अंदर रखी चीजें नीचे जमीन पर गिर गई।

ब्राजील में सख्ती: राष्ट्रपति को भी नहीं देखने दिया फुटबॉल मैच

अधिकारियों ने कहा- पहले कोरोना टीका लगवाएं

ब्रासिलिया । ब्राजील में कोरोना नियमों का पालन नहीं करने पर राष्ट्रपति को भी छूट नहीं दी जा रही है। ताजा मामला है सैंटोस बनाम ग्रेमियो फुटबॉल टूर्नामेंट का जहां कोरोना टीका नहीं लगवाने के कारण राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो को अधिकारियों ने मैच देखने की अनुमति नहीं दी। अधिकारियों ने राष्ट्रपति से कहा कि पहले आप कोरोना टीका लगवा लें फिर आप आगे का मैच देख सकते हैं। मेट्रोपोल्स न्यूज पोर्टल की वेबसाइट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में राष्ट्रपति बोल्सोनारो कहते हुए नजर आ रहे हैं कि मैं सिर्फ सैंटोस गेम देखना चाहता था और उन्होंने मुझसे कहा कि आपको टीका लगवाना होगा। ऐसा क्यो?

कोरोना महामारी की शुरुआत के बाद से सैंटोस बनाम ग्रेमियो फुटबॉल टूर्नामेंट का यह पहला मैच था लेकिन इसे देखने के लिए क्लब ने दिशानिर्देश तय कर दिए। क्लब ने जोर देकर कहा कि यहां केवल संपूर्ण टीकाकरण करवाने वाले या नकारात्मक पीसीआर परीक्षण वाले लोगों को प्रवेश की अनुमति मिलेगी।

राष्ट्रपति ने बनाए कई बहाने

राष्ट्रपति के कई बहानों के बावजूद प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई। बोल्सोनारो ने रविवार को संवाददाताओं से कहा कि उनके पास उन लोगों की तुलना में अधिक एंटीबॉडी हैं जिन्होंने वैक्सीन के शॉट्स प्राप्त किए हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कई लोगों के मुकाबले उनकी प्रतिरोधक क्षमता भी बहुत अधिक है। उन्हें कोरोना का खतरा नहीं है।

राष्ट्रपति बोल्सोनारो ने अभी तक नहीं लिया कोरोना का टीका

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, राष्ट्रपति बोल्सोनारो फिलहाल साओ पाउलो में छुट्टियां मना रहे हैं। बोल्सोनारो ने कोरोना वायरस टीकों के प्रति संदेह व्यक्त किया है और टीका नहीं लगाया गया है। जुलाई 2020 में वह कोरोना पॉजिटिव हुए थे। कुछ हफ्ते के लिए क्वारंटीन रहने के बाद वह काम पर लौट आए।

ब्राजील में कोरोना मृतकों की संख्या छह लाख के पार: ब्राजील में कोरोना से मरने वालों की संख्या छह लाख के पार हो गई है। मौत के मामले में वह दुनिया में दूसरे नंबर पर है, जबकि संक्रमण के मामले में अमेरिका, भारत के बाद तीसरे नंबर है।

यमन: दो मंत्रियों को निशाना बनाकर कार बम से किया गया हमला

गवर्नर के प्रेस सचिव समेत छह की मौत

साना। यमन के अदन शहर में हुए बम धमाके में छह लोगों की जान चली गई। यह हमला कार बम से किया गया था। जानकारी के मुताबिक, हमले का निशाना दो वरिष्ठ मंत्रियों को बनाया गया था, लेकिन दोनों की जान बच गई। यमन के सूचना मंत्री ने बताया कि हमला कृषि मंत्री सलेम अल सोकोतराई व अदन के गवर्नर अहमद लमलास को निशाना बनाकर किया गया था।

गवर्नर के साथियों की मौत

इस हमले में मारे जाने वालों में अदन के गवर्नर अहमद लमलास के साथी भी शामिल हैं। इसमें गवर्नर के प्रेस सचिव, फोटोग्राफर, सुरक्षा विभाग के प्रमुख और एक साथी शामिल है। इस घटना में करीब सात लोग घायल भी हुए हैं, जिनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। यमन के प्रधानमंत्री मईन अब्दुल मलिक सईं ने घटना की निंदा करते हुए जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक किसी भी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। बताया जा रहा है हमला इतना खतरनाक था कि आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। खतरे को देखते हुए सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को सील कर दिया है।

अफगानिस्तान संकट: कई अफगान स्कूलों में दो माह बाद लौटीं छात्राएं, संख्या बढ़ने की उम्मीद

काबुल। अफगानिस्तान के तीन प्रांतों में छात्राओं ने दो माह के अंतराल के बाद फिर स्कूल जाना शुरू कर दिया है। शिक्षा विभाग के प्रमुख जलील सैयद खिली ने बताया, कुंदुज, बल्ख और सर-ए-पुल प्रांतों में छात्राओं के स्कूल फिर खोल दिए गए हैं। उन्होंने कहा, छात्र और छात्राओं के स्कूल अलग कर दिए गए हैं। बता दें कि तालिबान के कब्जे के बाद छात्राओं के स्कूल जाने पर पाबंदी लग गई थी।

जलील सैयद खिली ने बताया कि स्कूल आने की इजाजत मिलने से छात्राएं काफी खुश हैं। बल्ख की राजधानी मजार-ए-शरीफ में 4,600 से अधिक छात्र और 162 शिक्षक हैं। यहां एक छात्रा सुल्तान रजिया ने कहा, 'शुरुआत में स्कूल में छात्राओं की संख्या कम थी लेकिन अब संख्या बढ़ रही है।'

शुरू में लड़कों के ही स्कूल खोलने की थी अनुमति

बल्ख शिक्षा विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, प्रांत में करीब 50,000 छात्रों के साथ 600 से अधिक स्कूल सक्रिय हैं। पिछले महीने, तालिबान द्वारा नियुक्त शिक्षा मंत्रालय ने घोषणा की थी कि केवल लड़कों के स्कूल फिर से खुलेंगे और केवल पुरुष शिक्षक ही

अपनी नौकरी फिर से शुरू कर सकते हैं। मंत्रालय ने हालांकि, शिक्षिकाओं या लड़कियों के स्कूल लौटने के बारे में कुछ नहीं कहा था।

शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, वर्तमान समय में अफगानिस्तान में 14,098 स्कूल संचालित किए जा रहे हैं, जिनमें से 4,932 स्कूल में 10-12 ग्रेड के छात्र हैं, 3,781 में ग्रेड 7-9 और 5,385 में ग्रेड 1-6 के छात्र हैं।

नीति-रूपरेखा बनाने की जरूरत

आंकड़ों के अनुसार, कुल स्कूलों में से ग्रेड 10-12 में 28 प्रतिशत, 7-9 में 15.5 प्रतिशत और ग्रेड 1-6 में 13.5त्न गर्ल्स स्कूल हैं। संस्कृति और सूचना मंत्रालय के सांस्कृतिक आयोग के सदस्य सईद खोस्ती ने कहा, 'यहां कुछ तकनीकी समस्याएं हैं। ऐसी समस्याएं हैं जिन्हें मौलिक रूप से हल किया जाना चाहिए और जिनके लिए नीति और रूपरेखा बनाने की जरूरत है।

यह ढांचा इस तरह स्थापित किया जाना चाहिए कि कैसे हमारी लड़कियां अपनी पढ़ाई जारी रख सकती हैं। जब इन समस्याओं का समाधान हो जाएगा, तो सभी लड़कियां स्कूल जा सकेंगी।' वहीं छात्राओं ने कहा, हालांकि तालिबान ने बार-बार कहा है कि वह बदल गया है लेकिन उनका हालिया निर्णय निराशाजनक है जिससे लड़कियों को अपने अधिकारों के और नुकसान का डर है।

बलूच विद्रोहियों का हमला: घबराया चीन-पाकिस्तान, ग्वादर बंदरगाह की जगह कराची बना सीपीईसी का हब

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में बलूच विद्रोहियों के लगातार हमलों से घबराए चीन और पाकिस्तान ने ग्वादर बंदरगाह को चीन-पाकिस्तान आर्थिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का हब बनाने की योजना को त्याग दिया है। चीन की सीपीईसी परियोजना उसकी बेल्ट एंड रोड परियोजना का हिस्सा है।

चीन और पाकिस्तान के बीच अब कराची बंदरगाह को विकसित करने की योजना पर हाल ही में हस्ताक्षर हुए हैं। कराची शहर सिंध प्रांत की राजधानी और पाकिस्तान के आर्थिक गतिविधियों का केंद्र है। हालांकि इस प्रोजेक्ट के कारण करीब 5 लाख लोगों को कराची से दूसरी जगह पर ले जाना पड़ेगा। विशेषज्ञ सीपीईसी परियोजना के भविष्य पर भी सवाल उठा रहे हैं।

जापानी अखबार निक्केई के मुताबिक, चीन करीब साढ़े तीन अरब डॉलर इस परियोजना पर

खर्च करेगा। चीन के विदेश मंत्रालय के एक प्रवक्ता के मुताबिक, प्रोजेक्ट में कराची पोर्ट का विस्तार, मछली पकड़ने के लिए अन्य बंदरगाह का निर्माण और 640 हेक्टेयर में व्यापारिक जोन की स्थापना शामिल है। इसमें एक पुल भी बनाया जाएगा जो कराची बंदरगाह को मनोरा द्वीप समूह से जोड़ेगा।

इमरान ने बताया गेमचेंजर

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने कराची को सीपीईसी में शामिल करने को गेमचेंजर करार दिया है। इमरान ने ट्वीट किया, इससे मछली पकड़ने वालों के लिए समुद्र साफ करने में मदद मिलेगी। गरीबों के लिए 20 हजार घर बनाए जाएंगे। कराची विकसित बंदरगाह शहरों में शामिल हो जाएगा। दरअसल, चीन के लिए ग्वादर बंदरगाह बड़ा संकट बन गया था, जो बलूचिस्तान प्रांत में स्थित है। चीनी नागरिकों और उसके निवेश पर लगातार बलूच विद्रोही हमले कर रहे थे। अभी अगस्त महीने में इसी इलाके में चीनी वाहन को निशाना बनाकर हमला किया गया था। इसमें दो बच्चों की मौत हो गई थी और 3 अन्य घायल हो गए थे। ग्वादर के आसपास बलूचों का विरोध पिछले काफी लंबे समय से जारी है।

पुतिन के जासूसों ने आक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका का फार्मूला चुराकर बनाई रूस की स्पूतनिक वैक्सीन- रिपोर्ट

मास्को। कोरोना वायरस के खिलाफ दुनिया में सबसे पहले रूस ने टीका बनाया था। रूस ने सबसे पहले स्पूतनिक वी नाम से वैक्सीन बनाई थी। लेकिन अब इस वैक्सीन को बनाने वाली रूसी कंपनी गेमालेया नेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड माइक्रोबायोलॉजी पर चोरी का आरोप लगा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यूके की ऑक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका वैक्सीन का ब्लूप्रिंट रूसी जासूसों ने चुरा लिया था। फिर इसका इस्तेमाल स्पूतनिक V वैक्सीन बनाने में किया गया।

द सन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रिटेन के मंत्रियों को बताया गया है कि रूस ने आक्सफोर्ड/एस्ट्राजेनेका कोविड-19 वैक्सीन का फार्मूला चुरा लिया और इसका इस्तेमाल अपनी स्पुतनिक वैक्सीन बनाने में किया।

सूत्रों ने कथित रूप से मंत्रियों को बताया कि इस बात के पक्के सबूत हैं कि रूस के लिए काम करने वाले जासूसों ने एस्ट्राजेनेका कंपनी से यह कोविशील्ड का डिजाइन चुराया ताकि अपनी स्पुतनिक वैक्सीन को बनाया जा सके। यह दावा ऐसे समय पर आया है जब कुछ महीने पहले ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया था कि उन्होंने स्पुतनिक वी कोरोना वैक्सीन लगवाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रूस की स्पुतनिक वैक्सीन, ऑक्सफोर्ड डिजाइन की गई वैक्सीन के समान तकनीक का उपयोग करती है। ब्रिटेन के सुरक्षा दल अब सुनिश्चित है कि इसे कापी किया गया था। यह समझा जाता है कि डाटा एक विदेशी एजेंट(जासूस) द्वारा व्यक्तिगत रूप से चुराया गया था।

व्लादिमीर पुतिन का कहना है कि उन्होंने स्पूतनिक वी वैक्सीन की दोनों डोज ले ली हैं। उन्होंने अन्य रूसी नागरिकों को भी ये वैक्सीन लेने का आग्रह किया था। हालांकि, ये वैक्सीन अभी तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत नहीं है। इसके बावजूद 70 देशों ने इसके इस्तेमाल की मंजूरी दी है।

द सन ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सितंबर में मास्को में हुए दो शुरुआती क्लीनिकल ट्रायल के नतीजे ब्रिटेन के प्रतिष्ठित जर्नल द लैंसेट में प्रकाशित हुए थे। इसमें संकेत मिलता है कि रूसी वैक्सीन सुरक्षित और प्रभावी है। रूसी वैक्सीन स्पुतनिक में ठीक उसी तकनीक का प्रयोग किया गया है जो आक्सफर्ड की वैक्सीन में है। रूसी अध्ययन में केवल 76 लोग शामिल थे और इनमें से केवल आधे को ही वास्तव में कोरोना का टीका लगाया गया था।

छात्रों को करियर संबंधी मार्गदर्शन के लिए केजरीवाल ने देश के मेंटर कार्यक्रम की शुरुआत की

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को एक कार्यक्रम की शुरुआत की जिसमें दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्रों को अपने-अपने क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाले लोग करियर विकल्पों के बारे में मार्गदर्शन देंगे। देश के मेंटर कार्यक्रम में सरकारी स्कूलों के एक से लेकर दस छात्रों को एक तरह से संरक्षण में लिया जा सकेगा।

सफल पेशेवर उन्हें मार्गदर्शन देंगे। मेंटर प्रत्येक हफ्ते दस मिनट के लिए इन छात्रों को फोन पर मार्गदर्शन देंगे। इस पहल के तहत, कार्यक्रम में दिलचस्पी रखने वाले लोग शहर के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले एक से लेकर दस छात्रों को अपने संरक्षण में ले सकेंगे। केजरीवाल ने कार्यक्रम की शुरुआत के मौके पर कहा, यदि हमारे छात्रों को सही मार्गदर्शन मिल जाएगा तो वे जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ सकेंगे। हमने इस कार्यक्रम की शुरुआत इसलिए की है ताकि शिक्षकों के साथ-साथ मेंटर का अतिरिक्त मार्गदर्शन मिलने से छात्रों के लिए भविष्य की राह तय हो सके। दिल्ली सरकार ने अगस्त में घोषणा की थी कि बॉलीवुड कलाकार सोनू सूद इस कार्यक्रम के ब्रांड ऐम्बेसडर होंगे।

इस योजना के तहत सरकारी स्कूल के बच्चों का करियर बेहतर बनाने के लिए उनका मार्गदर्शन किया जाएगा। बच्चे सही सलाह की मदद से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उपयुक्त करियर चुन सकेंगे। त्यागराज स्टेडियम में योजना का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि स्कूल में ही हमारे बच्चों को बेहतर मार्गदर्शन मिले तो वो दुनिया जीत सकते हैं। आज से दिल्ली के सरकारी स्कूलों में देश के मेंटर योजना शुरू हो गई है। सभी युवाओं से मेरी अपील, एक मेंटर के तौर पर बच्चों के साथ जरूर जुड़ें, उज्जवल भविष्य की तरफ ले जाने में उनकी मदद करें।

केजरीवाल ने कहा, स्कूल खत्म होने के बाद बच्चों को यह नहीं पता होता कि वह भविष्य में क्या करे। अगर बच्चों को उस समय अच्छे मेंटोर मिलेंगे जो उन्हें बता सकें कि वह आगे क्या कर सकते हैं तो बच्चों को काफी मदद मिलेगी।

दिल्ली पुलिस में अपराधियों के लिए काल रूप धारण कर रहीं 'तेजस्विनी', अपराध में आई कमी

नई दिल्ली। महिला सुरक्षा व सशक्तीकरण को लेकर उत्तर पश्चिम जिले के विशेष अभियान 'तेजस्विनी' में शामिल महिला पुलिसकर्मी अपराधियों के लिए लेडी सिंघम साबित हो रही हैं। डीसीपी उषा रंगनानी के निर्देशन में शुरू किए गए अभियान के 10 अक्टूबर को तीन माह पूरे हो चुके हैं। इस दौरान अभियान में शामिल 46 महिला कांस्टेबल ने 137 बदमाशों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है तो 116 संगीन वारदात की गुत्थी भी सुलझाने में कामयाबी पायी हैं।

बदमाशों के लिए काल रूप धारण कर चुकीं ऐसी महिला पुलिसकर्मियों के कारण ही महिलाओं के साथ होने वाली अपराध को लेकर की जाने वाली पीसीआर काल में 31 फीसद की कमी आई है। इसका असर पुरुषों के साथ होने वाली घटनाओं पर भी पड़ा है। नतीजतन, चोरी, झपटमारी जैसी वारदात की सूचनाओं में भी 23 फीसद की तक की गिरावट देखी जा रही है। अभियान के तहत तीन माह में किए गए कामकाज की समीक्षा में ये तथ्य सामने आये हैं।

यह अभियान केवल महिला सुरक्षा पर ही केंद्रित नहीं है बल्कि इसका व्यापक फलक है। इसका मकसद महिलाओं, युवतियों, स्कूल-कालेज की छात्रओं को अपनी सुरक्षा के प्रति सजग बनाने के साथ उनमें बदमाशों से मुकाबला करने के लिए आत्मविश्वास पैदा करना भी है। अकेली व बुजुर्ग महिलाओं के घरों तक पहुंचकर उनमें पुलिस के प्रति अपनत्व का भाव पैदा करना है। उनसे बातचीत कर उनकी निजी समस्याओं का भी समाधान करना है। ऐसे में अब तक करीब ढाई सौ बुजुर्ग महिलाओं को मदद पहुंचाई गई हैं और 15 शिविरों के माध्यम से 659 छात्रओं को आत्मरक्षा के गुर सिखाये जा चुके हैं।

महिलाओं को छेड़छाड़, दुष्कर्म, यौन हमला, घरेलू हिंसा, दहेज की मांग के लिए उत्पीड़न जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए उन्हें सशक्त बनाकर कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। तेजस्विनी में शामिल महिला पुलिसकर्मी पीड़ितों के लिए डोर स्टेप पुलिसिंग प्रदान कर रही हैं। ये नियमित रूप से ईआरवी, क्यूआरटी, मोटरसाइकिल, स्कूटी आदि पर अपने अपने क्षेत्रों में गश्त करती हैं। भारत नगर इलाके में कांस्टेबल किरण ने झपटमारी कर भाग रहे बाइक सवार बदमाश का पीछा कर उसे दबोच कर अभियान की सार्थकता को सिद्ध कर चुकी हैं।

क्षेत्र में महिला पुलिसकर्मियों की उपस्थिति मात्र महिलाओं के बीच आत्मविश्वास और साहस के निर्माण में एक उत्प्रेरक के रूप में काम कर रही है और उन्हें मौजूदा माहौल और समय में अपनी सुरक्षा के बारे में अधिक जागरूक बना रही हैं। अभियान का मुख्य उद्देश्य सभी आयु वर्ग की महिलाओं और लड़कियों को संवेदनशील बनाना है। बुजुर्ग महिलाएं जब कांपते हाथों से महिला कांस्टेबल को आर्शीवाद देती हैं तो यह हमारे लिए सबसे बड़ा इनाम होता है।

दिल्ली में युवक को बंधक बनाकर बदमाशों ने लूटी कार

नई दिल्ली । इंद्रपुरी थाना क्षेत्र में चार बदमाश एक चालक के साथ जबरदस्ती कर कार में घुसे और फिर उन्हें बंधक बना लिया। कई किलोमीटर तक चालक को वे कार में बैठाकर यहां-वहां से गुजरते रहे। करीब एक घंटा बाद बदमाशों ने चालक को रानी बाग इलाके में कार से धकेल दिया और कार लूटकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार मामला इंद्रापुरी थाना क्षेत्र की लोहा मंडी का है। चालक अजय की कार में चार बदमाश आए और कार में जबरन घुस गए। बदमाश कार लेकर रिंग रोड पहुंचे और फिर कई थाना क्षेत्रों से गुजरने के बाद रानी बाग इलाके में अजय को धक्का देकर सड़क पर गिरा दिया। किसी तरह अजय ने मामले से पुलिस को अवगत कराया। वहीं, कतर से दिल्ली पहुंचे राकेश कुमार को टैक्सी चालक ने सस्ता किराया लेने के नाम पर बैठाया और फिर अपने साथियों संग बंधक बनाकर लूटपाट की।

बदमाशों ने पीड़ित के साथ मारपीट भी की। घटना आरके आश्रम इलाके में हुई। पीड़ित राकेश कुमार उर्फ नंदन मूलरूप से उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिले के तहसील उतरौला के बनिया भारी बिरदा गांव के रहने वाले हैं। वह गत चार वर्षों से कतर में खाना बनाने का काम करते हैं।

अनियंत्रित कार की चपेट में आने से कई घायल, एक की मौत, चालक फरार

नई दिल्ली। दिल्ली में अक्षरधाम और यमुना बैंक मेट्रो के पास एक अनियंत्रित तेज रफ्तार कार ने एक-एक कर कई लोगों को कुचल डाला। घटना के दौरान कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि कई लोगों की हालत गंभीर है। हादसे के बाद से कार चालक फरार है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है।

एक व्यक्ति की मौत- हादसे में मृत व्यक्ति की पहचान नेवल कुमार के रूप में हुई है। वह यमुना बैंक के पास की झुग्गियों में रहता था और घटना के वक्त शकरपुर स्कूल ब्लॉक में दवाई लेने के लिए गया हुआ था। वह रिक्शे से घर लौट रहा था, इसी दौरान कार ने टक्कर मार दी जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मालवाहक वाहन से टकराने के बाद रुकी कार- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि तेज रफ्तार कार ने सबसे पहले नवल की रिक्शा में टक्कर मारी और उसमें सवार दो लोगों को घसीटते हुए काफी दूर तक ले गई। इसी दौरान रास्ते में आने वाले एक मालवाहक वाहन को भी कार ने टक्कर मार दी। इससे वाहन वहीं पलट गया और कार रुक गई। घटना में तीन लोग बुरी तरह घायल हो गए हैं।

संक्षिप्त खबर

दिल्ली की स्टूडेंट बनी द आईईटी अवार्ड्स की नेशनल फाइनलिस्ट

नई दिल्ली। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजिनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी आईईटी ने प्रतिष्ठित आईईटी इंडिया नेशनल स्कॉलरशिप अवार्ड्स, 2021 के रीजनल राउंड के विजेताओं की घोषणा की है। इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवर्सिटी फॉर वुमेन की दीपिका कुमारी नॉर्थ रीजनल राउंड की विजेता हैं। साउथ से नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, त्रिची से दिवाकर कुमारराजा मालारविझी, ईस्ट से इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ इंजिनियरिंग साइंस एंड टेक्नोलॉजी, शिबपुर से अमृता केश,वेस्ट से एफआर. सी. रोड्रीग्यूस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से अक्षता पाटिलरीजनल राउंड्स के रनर्स-अप हैं रितिश कुमार, सेजल बुधोलिया, सुमित कुमार और अनामिका सैनी, जिनमें से प्रत्येक को 25,000 रुपये की ईनामी राशि मिलेगी। प्रतिष्ठित आईईटी इंडिया स्कॉलरशिप अवार्ड्स के इस पांचवे एडिशन की शुरूआत जून 2021 में हुई थी। इसके केवल रीजनल राउंड्स में ही 3,00,000 रुपये की मिश्रित इनामी राशि के लिये 120 चयनित अभ्यर्थियों ने प्रतिस्पर्दधा की थी। यह चार रीजनल विजेता अब अक्टूबर, 2021 के अंत में नेशनल फाइनल?स में मुकाबला करेंगे, जिसके बाद फाइनल सिलेक्शन होगा और नवंबर 2021 में नेशनल लेवल के विजेताओं की घोषणा होगी। आईईटी इंडिया के कंट्री हेड और डायरेक्टर शेखर सान्याल ने कहा की रीजनल विजेताओं और रनर अप्स को बहुत बधाई, जो 16000 आवेदकों में से निकलकर देश के टॉप 8 बने हैं। उनमें से एक नेशनल विनर भी बनेगा।

कौशल प्रशिक्षण से बदल रही है रबड़ सेक्टर की तस्वीर

नई दिल्ली। रबड़, केमिकल एंड पेट्रोकेमिकल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल द्वारा असम एडमिनिस्ट्रेशन कॉलेज में रबड़ प्लांटेशन के महत्व और इस क्षेत्र में स्किलिंग एवं री-स्किलिंग को लेकर भारतीय रबड़ बोर्ड सहित अन्य हितधारकों के साथ बैठक की गई। जिसमें रबड़ के क्षेत्र में कौशल विकास पर फोकस करने का रोडमेप तैयार किया गया। बैठक में मौजूद गणमान्य व्यक्तियों ने रबड़ उद्योग की चुनौतियों के बारे में जानकारी दी। वक्ताओं ने कहा कि रबड़ उद्योग के लिए एक विशाल कार्यबल की आवश्यकता है, लेकिन उनमें से ज्यादातर अकुशल हैं। इंडस्ट्री की क्षमता बढ़ाने के रबड़ प्लांटेशन से लेकर अन्य विधाओं में प्रशिक्षण और स्किलिंग पर फोकस करने की आवश्यकता है। आरसीपीएसडीसी के प्रबंध निदेशक विनोद टी साइमन ने कहा कि उद्योग में मौजूद कौशल की आवश्यकता एवं स्थिति को समझने के लिए 21 राज्यों में एक अध्ययन किया गया था। इसी के आधार पर आरसीपीएसडीसी ने बड़े पैमाने पर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, जिसके तहत 2015 से प्लांटेशन, टायर और गैर-टायर क्षेत्रों में करीब 1.5 लाख लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है और यह लगातार जारी है। रबड़ बोर्ड ऑफ इंडिया के वैज्ञानिक डॉ. उमेश चंद्रा ने रबड़ प्लांटेशन के महत्व पर जोर दिया और बताया कि यह पर्यावरण के अनुकूल है। उन्होंने कहा कि रबड़ प्लांटेशन का पर्यावरण पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। चंद्रा ने बताया कि रबड़ बोर्ड मुख्यमंत्री समग्र उन्नयन योजना के तहत 3.82 करोड़ की लागत से 9 उत्पादक केंद्र शुरू करेगा। बैठक में मौजूद असम सरकार के मुख्य वन संरक्षक अधिकारी हेम कांता तालुकदार ने उत्पादकों को गैर-वन भूमि में भी रबड़ प्लांट लगाने के लिए प्रोत्साहित करने पर बल दिया। असम कौशल विकास निगम के मिशन निदेशक एम.हनीफ नूरानीने रबड़ क्षेत्र में और अधिक कौशल विकास पर फोकस करने पर बल दिया, ताकि उत्पादन की गुणवत्ता बेहतर हो सके।

राजधानी दिल्ली में अब चलती-फिरती आंगनबाड़ी पहुंचेगी बच्चों तक

नई दिल्ली, प्रफुल्ल राय(शिवालिक)।

केजरीवाल सरकार की अनूठी पहल के तहत आंगनवाड़ी आपके द्वार बस लांच हुई। अब दिल्ली में चलती-फिरती आंगनबाड़ी बच्चों तक पहुंचेगी। वो बच्चे जो किसी कारणवश आंगनबाड़ियों तक नहीं पहुंच पाते है, अब दिल्ली सरकार की चलती-फिरती आंगनबाड़ी उन बच्चों तक पहुंच उन्हें पोषक आहार देने के साथ-साथ उनके शैक्षणिक व स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को भी पूरा करेगी। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस के उपलक्ष्य में सोमवार को उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 'आंगनबाड़ी ऑन व्हीलस' कार्यक्रम को लांच किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार दिल्ली के हर एक बच्चे को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। 'आंगनबाड़ी ऑन व्हीलस' इस दिशा में दिल्ली सरकार का एक अनूठा प्रयास है जिसके जरिए ये सुनिश्चित किया जाएगा कि 0-6 साल तक के हर बच्चे की आंगनबाड़ी तक पहुंच हो। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी का विज़न है कि दिल्ली के हर एक बच्चे को अच्छा पोषक आहार और अच्छी शिक्षा मिले। केजरीवाल सरकार का लक्ष्य समाज के अंतिम छोर तक रहने वाले लोगों तक अपनी योजनायों को पहुँचाना है ताकि उन योजनाओं के माध्यम से लोगों की जिन्दगी में बेहतर बदलाव आ सके। उन्होंने कहा कि किसी एक बच्चे की बेहतरी के लिए काम करना जरूरी है लेकिन हर एक बच्चे की बेहतरी के लिए काम करना बेहद जरूरी है और केजरीवाल सरकार इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है। सिसोदिया ने कहा कि आंगनबाड़ी ऑन व्हील्स कार्यक्रम के तहत दिल्ली सरकार का उद्देश्य हे उस बच्चे तक पहुंचना है जी किसी कारण आंगनबाड़ी तक नहीं पहुंच पाते है। इन बसों के माध्यम से प्रशिक्षित आंगनबाड़ी वर्कर्स द्वारा 0-6 साल तक के बच्चों को अर्ली चाइल्डहुड केयर एजुकेशन दिया जाएगा। साथ ही बच्चों को पोषक आहार भी दिया जाएगा। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री, राजेंद्र पाल गौतम ने साझा किया कि महिला और बाल सुधार के क्षेत्र में केजरीवाल सरकार प्राथमिकता के साथ काम कर रही है।

अगले साल होने हैं तीनों निगमों के चुनाव, सभी विभागों से मांगे जा रहे उपलब्धियों के विवरण

नई दिल्ली । अगले वर्ष तीनों नगर निगमों में आम चुनाव होने हैं। ऐसे में चुनाव से पूर्व आने वाले बजट की तैयारियां जोर-शोर शुरू हो गई हैं। तीनों नगर निगमों के सूचना एवं प्रचार निदेशालय ने बजट को तैयार करने के लिए सभी विभागों को पत्र लिखकर उपलब्धियों का विवरण मांगा है। इसके बाद बजट को इनको छांटकर निगमायुक्त के बजट भाषण में शामिल किया जाएगा। चूंकि अगले वर्ष मार्च-अप्रैल में चुनाव होने हैं तो इस बार निगमायुक्त का बजट नवंबर माह में ही पेश हो सकता है, जबकि हर वर्ष यह दिसंबर में होता था।

बजट पहले प्रस्तुत करने की बड़ी वजह बजट प्रक्रिया को चुनाव आचार संहिता लगने से पूर्व पूरा करना है। उम्मीद जताई जा रही है कि जनवरी के आखिरी और फरवरी माह के पहले सप्ताह के बीच आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है। निगम में बजट पारित करने की प्रक्रिया में तीन माह का समय लगता है।

हर वर्ष यह प्रक्रिया फरवरी के आखिरी सप्ताह तक पूरी होती है। चूंकि चुनाव होने हैं तो इसलिए इस प्रक्रिया को जनवरी में किसी भी तरह पूरा करना होगा। निगम की बजटीय प्रक्रिया में पहले स्थायी समिति की विशेष बैठक में निगमायुक्त बजट प्रस्तुत करते हैं। इसके बाद बजट पर चर्चा होती है।

वार्ड समिति व इसके उपरांत तदर्थ समितियां अपना बजट प्रस्तुत करेंगी। निगमायुक्त की ओर से पेश किए गए बजट को स्थायी समिति के अध्यक्ष अंतिम रूप देकर सदन में प्रस्तुत करेंगे। इस पर विपक्षी व सत्तापक्ष के सदस्य अपने विचार रखेंगे। इसके बाद नेता सदन इस बजट को अंतिम रूप देते हुए पारित कराएंगे। नेता सदन की ओर से प्रस्तुत किया गया बजट ही अंतिम होता है।

तीनों निगमों के अलावा नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अपने बजट के लिए सुझाव मांग लिए हैं। एनडीएमसी ने अपनी वेबसाइट पर इसके लिए पेज बनाकर लोगों से सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया है। नागरिक बजट में विभिन्न विषयों- जैसे सड़क, स्वच्छता, सीसीटीवी और वाइफाइ जैसे मुद्दों पर एनडीएमसी को सुझाव आनलाइन दे सकते हैं। एनडीएमसी का बजट जनवरी के पहले या दूसरे सप्ताह में चेयरमैन की ओर से प्रस्तुत किया जाता है।

उत्तरी निगम आयुक्त ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नई दिल्ली,(रविशंकर तिवारी)।

उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त संजय गोयल ने ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अनुपालन की प्रगति के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं विभाग के अधिकारी, सभी उपायुक्त और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के कार्यान्वयन की वर्तमान स्थिति और स्रोत पर कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण के लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक के दौरान आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि स्रोत पर शत-प्रतिशत पृथक्करण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम घरों,शॉपिंग प्रतिष्ठानों से केवल अलग-अलग किए गए गीले व सूखे कूड़े को एकत्र करेगी। उन्होंने अधिकारियों को आरडब्ल्यूए और मार्केट एसोसिएशन के साथ अपशिष्ट पृथक्करण के लाभों और समाज पर इसके सकारात्मक प्रभावों के बारे में नागरिकों को जागरूक करने के लिए जन जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए है। उन्होंने अधिकारियों को यह भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है कि गीले व सूखे कूड़े को अलग-अलग रंगों के हरे और नीले रंग के कूड़ेदानों में कूड़ा उठाने वाली कंपनियों द्वारा प्रसंस्करण सुविधा तक ले जाया जाए। आयुक्त संजय गोयल ने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम नियमित डिफॉल्टरों के परिसरों पर लाल स्टीकर चिपकाएगी जो अपशिष्ट पृथक्करण के मानदंडों का उल्लंघन करते हैं।

उन्होंने कहा कि स्रोत पर कूड़े को अलग करने के संबंध में अधिकारियों को आरडब्ल्यूए,मार्केट एसोसिएशन,बल्क वेस्ट जेनरेटर के साथ नियमित बैठक करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने अधिकारियों को जेजे कॉलोनियों, वाणिज्यिक संस्थानों और अन्य गैर-आवासीय परिसरों सहित स्रोत पर कचरे को अलग करने के लिए क्षेत्र विशिष्ट रणनीति तैयार करने के निर्देश दिए है।

दिल्ली के दिल में कनाट प्लेस में बनाया गया सेल्फी प्वाइंट बना आकर्षण का केंद्र, जानें खासियत

नई दिल्ली । दिल्ली का दिल कहे जाने वाले कनाट प्लेस को कैमरे में कैद करने के लिए लोकेशन ढूंढ़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इसके लिए सेंट्रल पार्क में नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) ने अलग प्रयोग किया है। प्रयोग के तौर पर यहां पर एक सेल्फी प्वाइंट बनाया गया है। इसमें तीन दिल बनाए गए हैं, जिन्हें पौधों और फूलों के माध्यम से लाल रंग दिया गया है। यह सेल्फी प्वाइंट यहां आने वाले पर्यटकों खासकर युवा और युवतियों के लिए सेल्फी के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

सेंट्रल पार्क में आने वाले लोग इन दिलों के साथ खूब सेल्फी ले रहे हैं। युवा लोग सेल्फी प्वाइंट देखकर काफी उत्साहित नजर आए। घूमने आए लोग सेल्फी प्वाइंट को अपने फोन में कैद करते नजर आए।

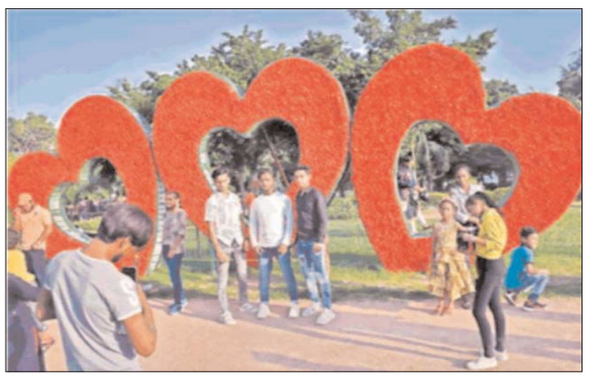

एनडीएमसी के उद्यान विभाग के निदेशक एस चिल्लैया ने कहा कि कोरोना काल में घरों में कैद हुए लोग अब घरों से बाहर घूमने निकल रहे हैं। लोग उन कठिन दिनों की याद भूलने की कोशिश में अपने पसंदीदा स्थलों का रुख कर रहे है। दिल्ली और देशभर से आने वाले लोगों के लिए कनाट प्लेस भी ऐसे ही स्थलों में शुमार है। चूंकि कनाट प्लेस को दिल्ली का दिल भी कहा जाता है इसे देखते हुए यहां पर दिल की तीन आकृति बनाई है। उन्होंने कहा कि यह सेल्फी प्वाइंट लोगों को इतना पसंद आएगा, हमें भी इसकी उम्मीद नहीं थी। अब यहां आने वाले लोगों की संख्या बढ़ गई है। पार्क में लगे गगनचुंबी तिरंगे के साथ-साथ लोग इस सेल्फी प्वाइंट पर भी फोटो खींच रहे हैं। चिल्लैया ने कहा कि पर्यटक अच्छी यादें लेकर जाए, इसके लिए ऐसे प्रयोग किए जा रहे है। ऐसे प्रयोग अन्य स्थलों पर भी किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि कनाट प्लेस के इस सेंट्रल पार्क में देश का तिरंगा शान से लहरा रहा है। यह 60 फुट चौड़ा, 90 फुट लंबा और 207 फुट ऊंचे पोल पर लगा हुआ है, जो लोगों का भारतीय होने पर गर्व महसूस करवा रहा है। अब तिरंगा और सेल्फी प्वाइंट दोनों मिलकर लोगों को लुभा रहे हैं।

लोगों की प्रतिक्रियाएं- लुभा रहे यहां बनाए गए तीन दिल, पौधों और फूलों के माध्यम से दिया गया है लाल रंग, युवा ले रहे सेल्फी का आनंद

दिल्ली नगर निगम चुनाव को लेकर अभी से सक्रिय हुए राजनीतिक दल

नई दिल्ली । कोरोना संक्रमण का हवाला देकर दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सार्वजनिक स्थलों पर छठ पूजा के आयोजन की अनुमति नहीं दी है। इसे लेकर राजधानी दिल्ली में सियासत शुरू हो गई है। सत्ता पक्ष व विपक्ष आमने सामने है। विपक्ष इसके लिए दिल्ली सरकार को निशाने पर ले रहा है। आरोप लगा रहा है कि पूर्वांचल के लोगों की आस्था पर चोट पहुंचाई जा रही है। उनके साथ भेदभाव हो रहा है। भाजपा के नेता इसे लेकर सड़क पर उतर रहे हैं। दूसरी ओर सत्ता पक्ष विपक्ष पर सस्ती राजनीति करने का आरोप लगा रहा है। दरअसल निगम चुनाव नजदीक है और पूर्वांचलियों को सभी पार्टियां अपने साथ जोड़ना चाहती हैं। इस कारण आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीति और तेज होने की संभावना जताई जा रही है। जरूरत इस मामले में संवदेनशील होने की है, जिससे कि लोग छठ पूजा भी मना सकें और संक्रमण भी न फैले।

टिकट के लिए गणेश परिक्रमा- निगम चुनाव ज्यों-ज्यों नजदीक आ रहा है, राजनीतिक दलों के ऐसे कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ रही है जो चुनाव लड़ना चाहते हैं। ऐसे कार्यकर्ताओं ने पार्टी कार्यालय का चक्कर लगाना शुरू कर दिया है। ऐसा भी अब खूब देखा जा रहा है कि पार्टी के मुखिया या अन्य प्रमुख नेता जब इलाके में पहुंचते हैं तो वे वहां भी उनके आगे-पीछे घूम रहे होते हैं। आम आदमी पार्टी में भी ऐसा माहौल दिखाई दे रहा है। जबकि पार्टी प्रमुख यह स्पष्ट कर चुके हैं कि चमचागिरी से टिकट के लिए प्रयास न करें, बल्कि अपने इलाके में समाज के लिए इतना काम कर दें कि पार्टी स्वयं उनके पास टिकट देने के लिए पहुंच जाए। मगर टिकट की चाहत कार्यकर्ताओं को शांत होकर बैठने नहीं दे रही है। बार- बार दौड़ भाग कर रहे हैं। पार्टी मुख्यालय की बाहरी दीवार इन दिनों ऐसे कार्यकर्ताओं के पोस्टरों से भरी पड़ी है।

यमुना तट की सफाई या रस्म अदायगी- पिछले दिनों भाजपा के नेता व कार्यकर्ता यमुना तट की सफाई करते नजर आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 71 वर्ष पूरे होने पर भाजपाइयों ने छह अक्टूबर को दिल्ली में यमुना किनारे 71 स्थानों पर सफाई की थी। इसकी सराहना भी हुई। पार्टी के नेताओं ने कहा था कि नियमित रूप से यह अभियान चलेगा। लेकिन, उस दिन के बाद कहीं भी नेता सफाई करते नजर नहीं आए। अभियान को आगे बढ़ाने के लिए कोई रूपरेखा तैयार कर कार्यकर्ताओं को निर्देश भी नहीं दिया गया है। इससे कुछ कार्यकर्ताओं में नाराजगी है।

उनका कहना है कि सिर्फ रस्म अदायगी के लिए यमुना की सफाई नहीं होनी चाहिए। इससे पार्टी की छवि खराब होती है, इसलिए इस कार्यक्रम को नियमित रूप से आगे बढ़ाने के लिए पूरी रणनीति तैयार की जानी चाहिए। वरिष्ठ नेताओं की जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, जिससे कि लोगों में यह संदेश जाए कि भाजपा इसे लेकर गंभीर है।

नोएडा अथॉरिटी के गेट पर किसानों ने जड़ा ताला, प्रदर्शनकारियों की पुलिस से धक्का-मुक्की

नोएडा । अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों ने सोमवार को नोएडा प्राधिकरण कार्यालय गेट पर ताला जड दिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से धक्का-मुक्की हुई। ताला खोलने को लेकर किसान और पुलिस आपस में भिड़ गए। छीना झपटी भी हुई। अफरातफरी के बीच अधिकारी और कर्मचारियों को वहां से भागना पड़ा।

बता दें कि दो सितंबर से किसान अपनी मांग को लेकर सेक्टर 5 स्थित हरौला बारात घर में धरना दे रहे हैं। कई बार प्राधिकरण कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया जा चुका है लेकिन प्राधिकरण अधिकारी और किसानों के बीच बातचीत सफल नहीं हो पा रही है। कई वार्ता विफल होने के बाद अब किसान उग्र हो चुके हैं। इसी के तहत सोमवार को प्राधिकरण कार्यालय पर ताला लगाकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में चल रहा है। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कि जब तक मांगे मानी नहीं जाएंगी तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

भाजपा ने की दिल्ली में छठ पूजा के आयोजन की घोषणा, समितियां सीएम आवास पर करेंगी प्रदर्शन

नई दिल्ली। भाजपा ने छठ पूजा के आयोजन की घोषणा कर दी है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने बताया कि मंगलवार को छठ पूजा समितियों के साथ मुख्यमंत्री आवास के बाहर भाजपा नेता प्रदर्शन भी करेंगे।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि दिल्ली में लाखों की संख्या में पूर्वांचल के लोग रहते हैं। श्रद्धा के साथ ये लोग प्रत्येक वर्ष छठ पूजा करते हैं। सरकार छठ पूजा पर रोक लगा दी है। आम आदमी पार्टी पूर्वांचल के लोगों का हमेशा अपमान करती है। मुख्यमंत्री ने पहले बयान दिया था कि बिहार और उत्तर प्रदेश के लोग पांच सौ का टिकट लेकर दिल्ली आते हैं और पांच लाख का इलाज कराने के बाद घर लौट जाते हैं। इसी तरह से लाकडाउन के समय पूर्वांचल के लोगों को झूठ बोला गया कि आनंद विहार के पास उन्हें घर भेजने के लिए बस की व्यवस्था की गई है, जिससे दिल्ली में अफरातफरी का माहौल हो गया था।

अब आम आदमी पार्टी सरकार ने छठ पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा हरहाल में छठ पूजा का आयोजन करेगी। निगम और भाजपा के कार्यकर्ता मिलकर छठ पूजा समितियों के साथ मिलकर घाट पर सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। कोरोना नियमों का पालन करते हुए धूमधाम से मनाएंगे। व्यवस्था से पल्ला झाड़ने के लिए सरकार छठ पूजा का आयोजन पर रोक लगा रही है। मुख्यमंत्री तुरंत डीडीएमए को पत्र लिखकर छठ पूजा की अनुमति दिलाए।

इस मामले में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कहा कि छठ पर प्रतिबंध से पूर्वांचल के लोग आहत हैं। छठ समितियों से बात की गई है, वो सभी सरकार के फैसले का विरोध कर रहे हैं। भाजपा पूर्वांचल के लोगों के साथ खड़ी है। पूर्वांचल के लोगों के विरोध के बावजूद दिल्ली सरकार फैसले पर पुनर्विचार करने को तैयार नहीं है। दिल्ली में सभी गतिविधियां शुरू कर दी गई है। स्विमिंग पूल खोल दिए गए हैं। कोरोना नाक, मुंह, आंख से फैलता है फिर भी स्विमिंग पूल खोल दिए गए, लेकिन छठ पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। छठ में व्रत करने वाले सिर्फ पानी में खड़े होते हैं। छठ स्वच्छता का त्योहार है। लोग घाट के किनारे सफाई करते हैं, जिससे मच्छर न पनपे। छठ के पीछे के दर्शन को जाने बिना प्रतिबंध लगा दिया गया। ऐसा करना किसी भी तरह से उचित नहीं है। जब मंदिर और अन्य चीजें खुल गई है तो एक निश्चित दिशा निर्देश के साथ इस आयोजन को भी करवाया जाना चाहिए।

संपादकीय

आखिर हिंदी को किससे खतरा

आज यह बड़ा बुनियादी सवाल है कि हिंदी को किससे खतरा है? अगर लोकप्रिय भाषा में कहें, तो पुराना मुहावरा है कि खरबूजे को चाकू से खतरा है या चाकू को खरबूजे से। वास्तव में मानव सभ्यता के हर दौर में दो चीजें हमेशा रही हैं। पहली है, व्यवस्था और दूसरी है, व्यवस्थित। भाषा और समाज, दोनों पर यह बात एक ही प्रकार से लागू होती है और जिस व्यवस्था के तहत हम अभी नागरिक हैं, ठीक उसी के समानांतर हम भाषा की व्यवस्था द्वारा अनुशासित हैं। सवाल यह है कि किसको खतरा है। नागरिक समाज से राजनीतिक व्यवस्था को या राजनीतिक व्यवस्था से नागरिक समाज को खतरा है? यानी भाषा की जो व्यवस्था है, उससे भाषा का व्यवहार करने वालों को खतरा है या जिस भाषा का हम व्यवहार करते हैं, उसे खतरा है। वैसे तो हिंदी बनी ही बहुत बाद में है और मूल रूप से इसका जो स्वभाव है, यूरोपीयन या परसियन है। यह भी माना जाता है कि जब से हमारा पश्चिम से संपर्क हुआ, तब से यहां की संस्कृति पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ा। बाद में तो हम सीधे इंग्लैंड के उपनिवेश में रहे, तो उसका भी स्वभाव हममें आया। आज हम ग्लोबल हैं, तो उसका असर लगातार देख रहे हैं। समय के साथ भाषा बदलती ही है। पाली एक समय बहुत सशक्त भाषा थी, पर आज उसका कितना असर बचा है? और अब तो हाइब्रिड का समय है। आज अखबार की भाषा ही देख लीजिए, क्या वह वही है, जो आज से बीस-तीस साल पहले थी। एक तरह से देखें, तो दरअसल हिंदी को खतरा है नहीं, हिंदी लगातार बढ़ती चली जा रही है। हिंदी को बनाने-बढ़ाने में जिनका योगदान रहा है, उन कारकों को हर कोई जानता है। फिल्म, मनोरंजन, रंगमंच का बड़ा योगदान रहा है। हिंदी को विमर्श की भाषा बनाने के लिए जो अभिजात्यवाद आना चाहिए, वह अभी नहीं है। यहां भी एक समस्या है कि हिंदी भाषा का कोई अभिजात्य हो नहीं सकता। ग्रामीण परिवेश में तो आप कह सकते हैं कि कुछ परिवार शिक्षित हुए और ग्रामीण अभिजात्य खड़ा हुआ। लेकिन अगर आप बड़े स्तर पर देखें, तो इस महानगर में भी कौन-सा अभिजात्य है, जो हिंदी बोलकर अंग्रेजी अभिजात्य से मुकाबला कर सकता है? कहीं न कहीं हिंदी अभी दो-चार स्तरों पर जूझ रही है। कई बार मैं बोलता हूं कि जो अंग्रेजी का प्रोफेसर है, वह हिंदी का पक्ष लेता है और जो हिंदी का लेखक है, वह अंग्रेजी की वकालत करता है। जीवन यापन या नौकरी के लिए या सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए कहीं न कहीं अंग्रेजी बड़ा माध्यम है। एक और खतरा है, हिंदी में जब आप आएंगे, तो अनेक विवादों में पड़ेंगे।

बाकी बाजार से हिंदी को कोई खतरा नहीं है। बाजार की वजह से ही इस भाषा का जन्म हुआ। इसकी जो बहुलता बनी, शब्द भंडार बने, इसका व्याकरण जिस तरह शिथिल हुआ और जैसे इसका दायरा बढ़ा, सबमें बाजार की भूमिका बुनियादी रही। के दामोदरन जैसे लेखकों ने यह भी पाया है कि भारत में पूरा जो आंदोलन हुआ, जिसे भक्तिकाल कहते हैं, वह बाजार के आने के साथ हुआ। बाजार आया और मोची, जुलाहे, बढ़ई इत्यादि सबको लगा कि हमें एक विकल्प मिल गया और सामंती व्यवस्था को तोड़कर उन्होंने एक तरह से फक्कड़ता और साहस का परिचय दिया। साथ ही, हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि हमारे भक्तिकाल का साहित्य ही सबसे समृद्ध है। आज भी मुझे बाजार और सरकार में से चुनना हो, तो बाजार को ही चुनूंगा, क्योंकि बाजार तक ही मेरी पहुंच है।

हमें कुछ चीजों को ध्यान में रखना चाहिए, जैसे केंद्रीय हिंदी निदेशालय है। वह कोशिश करता है कि भाषा में एकरूपता बने, लेकिन यही बात रचना पर नहीं लागू की जा सकती। क्योंकि रचना कभी किसी प्रशासनिक कार्य के लिए नहीं होती, वह तो अपने समय के यथार्थ व परिवर्तनों को प्रकट करती है। आज व्यवहार के स्तर पर देखें, तो हिंदी बोलने वालों की बहुत बड़ी संख्या है, लेकिन अगर आप उन्हें निदेशालयों, आयोगों के अनुसार बांधना चाहेंगे, तो संभव नहीं हो पाएगा। आखिर शुद्ध हिंदी वाले साहित्यकारों को वह लोकप्रियता नहीं मिल पाई है, जो गुलजार या नसीरुद्दीन शाह जैसी हिंदी बोलने वालों को मिली। कुछ तो कारण है कि यह जनता से कटी हुई सीमित वर्ग की भाषा है। यह अपने स्वभाव में ही अभिजात्य नहीं है। यहां यह जरूर कहना चाहिए कि जब तक देश की सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक स्थितियां नहीं सुधरेंगी, जब तक बहुत बड़े स्तर पर भाषा की गरीबी इसी तरह कायम रहेगी और हिंदी गरीबों, अनपढ़ों की भाषा बनी रहेगी। प्रदेश या देश जब समृद्ध होता है, तब उसकी भाषा भी सशक्त होती है। एक समय रूस में फ्रेंच बोलने वालों को अभिजात्य माना जाता था और रसियन बोलने वाले गंवार समझे जाते थे, लेकिन जब रूस में संपन्नता आई, तो रसियन भाषा को यथोचित सम्मान हासिल हुआ।

भाषा के प्रति अपने स्वभाव में उदारता भी जरूरी है। हिंदी के साथ क्षेत्रीय भाषाओं का भी अपना स्वरूप है। मैं जहां जन्मा, छत्तीसगढ़ की सीमा पर, हम सब बहुभाषी थे। पिता बघेली बोलते थे, मां भोजपुरी और गांव के बच्चे छत्तीसगढ़ी, तो तीनों भाषाएं साथ आईं। स्कूल गए, तो खड़ी बोली सीखने लगे, यह अर्जित भाषा थी। ध्यान रखना होगा, स्कूलों या शिक्षा द्वारा आप एक सीमित शिक्षित अभिजात्य तबका तो तैयार कर सकते हैं, लेकिन बड़ी संख्या में फिल्म या लोकरंजन, विज्ञापन तक आप उसे कैसे ले जाएंगे? यह तो हाइब्रिड दौर है। शोध करना है, मोबाइल चार्ज करना है, ईएमआई जमा करना है, तो अंग्रेजी से गुजरना ही होगा। खतरा भाषा को नहीं है, वह तो बहता नीर है। नदी है, उसे रोकेंगे, तो वह समाप्त होगी। तीन-तीन लाख आबादी वाले समुदायों की भाषा में लिखने वाले लेखक पूरी दुनिया के महान लेखक हो गए, लेकिन 70 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की भाषा हिंदी में हम एक टैगोर पैदा नहीं कर पाए हैं, हमें सोचना चाहिए। यहां आपस की मार-काट इतनी क्यों है? धर्मवीर भारती ने विमल मित्र से कहा था, जो कंकड़ फेंकोगे गड्ढे में, तो कीचड़ उछलकर ऊपर आएगा और अगर बड़ा सरोवर होगा, तो उसमें कंकड़ फेंकोगे, तो बहुत बड़े-बड़े वृत्त बनेंगे। तो सरोवर बड़ा होना चाहिए और भारत एक बड़ा सरोवर ही है।

प्रवीण कुमार सिंह

चीन तीन गंभीर संकटों से एक साथ जूझ रहा, डूब सकती है अर्थव्यवस्था

> चीन के इन तीनों संकट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। बीआरआइ में यदि चीन ने अपनी परियोजनाओं का सही आर्थिक मूल्यांकन कराकर घटिया परियोजनाओं को निरस्त कर दिया और केवल सुदृढ़ परियोजनाओं को ही बढ़ाया तो बीआरआइ सफल हो जाएगी, अन्यथा डूबेगी। एवरग्रैंड जैसी कंपनियां यदि अपनी घटिया संपत्तियों को बेचकर सुदृढ़ हो गईं तो चीन वित्तीय संकट से बच जाएगा। इसके विपरीत यदि चीन ने बड़ी कंपनियों के वित्तीय दुराचार पर अंकुश नहीं लगाया तो उसकी अर्थव्यवस्था डूबेगी। यदि सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ गया तो बिजली संकट से भी चीन बच जाएगा।

चीन वर्तमान में तीन गंभीर संकटों से एक साथ जूझ रहा है। पहला, बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआइ) के अंतर्गत विश्व के तमाम देशों में ढांचागत परियोजनाएं निरस्त की जा रही हैं। दूसरा, रियल एस्टेट कंपनी एवरग्रैंड पर वित्तीय संकट आ गया है। तीसरा, बिजली के उत्पादन में कमी आ रही है। इससे शहरों में पावर कट किए जा रहे हैं। इन तीनों में बीआरआइ का संकट बड़ा है। बीआरआइ को चीन ने अपनी अतिरिक्त या सरप्लस पूंजी के निवेश के लिए बनाया था। पिछले 20 वर्षों में चीन के निर्यात ऊंचे रहे हैं और घरेलू बचत दर भी ऊंची रही है। इन मदों से अर्जित रकम को उसे कहीं न कहीं निवेश करना था। इसके लिए चीन ने बीआरआइ योजना को बनाया। इसके तहत उसने विश्व के तमाम देशों को विभिन्न बुनियादी संरचना खड़ा करने के कर्ज दिए। विश्व बैंक ने 2019 में बीआरआइ का अध्ययन किया। उसने पाया कि इसके तहत बनाई जा रहीं परियोजनाओं से स्थानीय देशों को लाभ हो सकते हैं।

चीन से यूरोप के बीच बिछाई जा रही रेललाइन के कारण कजाखिस्तान और पोलैंड में विनिर्माण के बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं, लेकिन बीआरआइ में भारी भ्रष्टाचार व्याप्त है। अक्सर ज्यादा लाभ दिखाकर परियोजनाओं को स्वीकृत करा लिया जाता है। इसलिए तमाम देश इससे पीछा छुड़ाने लगे हैं। पहले मालदीव में चीन समर्थक प्रोग्रेसिव पार्टी द्वारा बीआरआइ का समर्थन किया जा रहा था, लेकिन पिछले दिनों वहां हुए चुनाव में प्रोग्रेसिव पार्टी हार गई और मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी जीती, जो कि बीआरआइ का विरोध करती है। मलेशिया के प्रधानमंत्री ने बीआरआइ को उपनिवेशवाद का नया रूप बताया है। म्यांमार ने क्यौकप्यू बंदरगाह परियोजना को निरस्त कर दिया है। श्रीलंका, बांग्लादेश, नेपाल

और पाकिस्तान ने भी परियोजनाओं का रूप बदलने का आग्रह किया है। स्पष्ट है कि बीआरआइ के लाभ होने के बावजूद इसमें कई खामियां हैं। यदि चीन इनको दूर करने में सफल होता है तो बीआरआइ आगे बढ़ेगी, अन्यथा इसके डूबने की आशंका है। भारत को भी इस दिशा में कदम उठाने चाहिए, अन्यथा हमारा माल विश्व बजार में चीन की तुलना में महंगा पड़ने लगेगा।

चीन का दूसरा संकट एवरग्रैंड कंपनी का है। इसके पीछे चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग का मौलिक विचार है। उन्होंने कहा है कि कंपनियों के लाभ की तुलना में प्रदूषण, असमानता और वित्तीय अस्थिरता को दूर करना ज्यादा जरूरी है। इसी के चलते उन्होंने एवरग्रैंड कंपनी द्वारा अधिक ऋण लेने पर अंकुश लगाया है। उन्होंने नई वित्तीय नीति बनाई है, जिसके अंतर्गत किसी भी कंपनी को तीन मदों पर आंका जाता है। पहला यह कि लिए गए ऋण के सामने उसके पास संपत्ति कितनी है? दूसरा यह कि उसके पास अल्पकालीन कर्ज की तुलना में नगद कितनी है? तीसरा यह कि उसके द्वारा कुल लिए गए ऋण की तुलना में उसकी अपनी पूंजी कितनी है? यदि कोई कंपनी किसी एक बिंदु पर भी फेल हो जाती है, तो बैंकों द्वारा उसे ऋण नहीं दिया जा सकता। एवरग्रैंड ने तमाम परियोजनाओं को पूरा किया है, लेकिन कोविड संकट के कारण उसकी ओर से बनाए गए फ्लैटों की बिक्री कम हो गई। इसलिए भी एवरग्रैंड संकट में आ गया है। इससे देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए चीन की सरकार ने सरकारी इकाइयों को आदेश दिया है कि वे एवरग्रैंड की परियोजनाओं को खरीद लें। जिस प्रकार अपने देश में संकटग्रस्त यस बैंक का अधिग्रहण सरकारी बैंक द्वारा किया गया, उसी प्रकार चीन की सरकारी कंपनियां एवरग्रैंड की संकटग्रस्त परियोजनाओं को खरीदकर उस कंपनी को डूबने से बचाने का प्रयास कर रही हैं।

देखा जाए तो चीन की सरकार ने एवरग्रैंड को सरकारी ऋण देकर बचाने का प्रयास नहीं किया है। दोनों विधाओं में मौलिक अंतर है। 2008 में अमेरिका में जब जनरल मोटर्स कंपनी संकट में आ गई थी, तो अमेरिकी सरकार ने जनरल मोटर्स को और ऋण देकर बचाया था। चीन की सरकार ने एवरग्रैंड को इस प्रकार का ऋण देकर बचाने से इन्कार कर दिया और उसे मजबूर किया कि वह अपनी कुछ संपत्तियों को बेचकर अपने ऋण को कम करे। ऐसा करने से एवरग्रैंड के बचे रहने की संभावना बढ़ जाएगी और चीन की सरकार के ऊपर अनावश्यक वित्तीय भार भी नहीं आएगा। इससे चीन की अर्थव्यवस्था भी बची रहेगी। यद्यपि वर्तमान में यह प्रक्रिया संकट के रूप में दिख रही है। जैसे समय पूर्व उपचार भी बीमारी जैसा ही लगता है।

चीन का तीसरा संकट बिजली का है। चूंकि शी चिनफिंग ने प्रदूषण, असमानता और वित्तीय अस्थिरता को दूर करने का संकल्प लिया है। लिहाजा उन्होंने प्रदूषण से मुक्ति पाने के लिए थर्मल बिजली संयंत्रों को आदेश दिया कि वे अपने प्रदूषण स्तर को कम करें। इन नियमों का पालन न करने के कारण कई बिजली संयंत्रों को बंद कर दिया गया। फलस्वरूप बिजली का उत्पादन कम हो गया। कई बिजली कंपनियों ने बड़ी आद्योगिक इकाइयों को बिजली देनी बंद कर दीं। कहीं-कहीं शहरों में पावर कट भी लागू करने पड़े हैं। देखा जाए तो चीन यह संकट अपने ऊपर स्वयं लाया है, क्योंकि वह स्वच्छ ऊर्जा के उत्पादन की ओर बढ़ना चाहता है। भारत की तुलना में चीन में सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इसलिए चीन ने यह सख्त कदम उठाया है। इसके फलस्वरूप चीन में भी सौर और पवन ऊर्जा के उत्पादन को बढ़ावा मिलने की संभावना है। ऐसा होने पर चीन शीघ्र ही इस बिजली संकट से उबर जाएगा।

चीन के इन तीनों संकट के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष हैं। बीआरआइ में यदि चीन ने अपनी परियोजनाओं का सही आर्थिक मूल्यांकन कराकर घटिया परियोजनाओं को निरस्त कर दिया और केवल सुदृढ़ परियोजनाओं को ही बढ़ाया तो बीआरआइ सफल हो जाएगी, अन्यथा डूबेगी। एवरग्रैंड जैसी कंपनियां यदि अपनी घटिया संपत्तियों को बेचकर सुदृढ़ हो गईं तो चीन वित्तीय संकट से बच जाएगा। इसके विपरीत यदि चीन ने बड़ी कंपनियों के वित्तीय दुराचार पर अंकुश नहीं लगाया तो उसकी अर्थव्यवस्था डूबेगी। यदि सौर और पवन ऊर्जा का उत्पादन बढ़ गया तो बिजली संकट से भी चीन बच जाएगा। इससे उसका पर्यावरण सुधर जाएगा, जिससे अर्थव्यवस्था को पुनः गति मिलेगी। देखना है कि चीन इन कदमों को उठाने में सफल होता है कि नहीं?

वंशवाद की निंदा तो सभी करते हैं पर कोई दल छोड़ता क्यों नहीं है

आज से लगभग पांच दशक पहले एक फिल्म आई थी- सगीना महतो! उसमें एक गाना था- भोले-भाले ललुआ खाए जा रोटी बासी. बड़ा होकर बनेगा साहेब का चपरासी! इस गीत में गरीब बच्चे की नियति यही बताई गई है, कि बड़ा होकर वह भी बाप की तरह कोई मजदूर या चपरासी बनेगा. यह एक विद्रूप था, व्यंग्य था व्यवस्था पर. एक तरह से बताया जा रहा था कि भले ही हम लोकतंत्र में जी रहे हों, लेकिन संसाधनों पर कब्ज़ा एक विशेष वर्ग ने ही कर रखा है. यह विशेष वर्ग है उन राजनीतिकों का, जिन्होंने सत्ता के ऊपर वंशवाद ऐसा थोप दिया है, जिसके चलते आम आदमी के विकास के सारे रास्ते बंद हैं. अब देखिए, इस वंशवाद की निंदा तो सब करते हैं, लेकिन कोई भी पार्टी, राजनीतिक दल, संगठन और अफसरों की जमात इससे अछूती नहीं है. सब अपने बेटों को अपनी जगह देखना चाहते हैं, फिर उसके लिए चाहे कितनी तिकड़में करनी पड़ें. आज़ादी की लड़ाई के दौरान के वे त्यागी, विरागी और तपे हुए नेता अब नहीं रहे. अब हर छुटभैया नेता अपने ही परिवार से चिराग उठाता है.

जब भी हम राजनीति में वंशवाद की चर्चा करते हैं, सबसे पहले अंगुली एक परिवार पर उठाई जाती है. ज़ाहिर है, वह इशारा नेहरू और उनकी बेटी इंदिरा गांधी की तरफ होता है. प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के कुछ ही वर्षों बाद कांग्रेस के अन्दर गुटबाजी इस क़दर पनपी कि उनकी एकमात्र पुत्री इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बन गईं. उनके बाद उनके पुत्र राजीव गांधी ने देश की बागडोर संभाली और उनकी मृत्यु को 28 साल गुजर चुके हैं, लेकिन उनका परिवार बड़ी कोशिशों के बाद भी प्रधानमंत्री की कुर्सी तक नहीं पहुँच पा रहा है, हालांकि कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षता राजीव गांधी के निधन के छह साल के भीतर ही उनकी पत्नी सोनिया गांधी को मिल गई थी, और फिर उनके बेटे राहुल गांधी के पास गई. जब 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की बुरी तरह हार हुई तो राहुल गांधी इस्तीफ़ा दे कर अलग हो गए तथा अध्यक्षी पुनः सोनिया गांधी के पास चली गई. अब कांग्रेस के अंदर नेहरू-गांधी परिवार की घटती लोकप्रियता देख कर कुछ पुराने नेताओं- ग़ुलाम नबी आज़ाद, कपिल सिब्बल, मनीष तिवारी, आनंद शर्मा आदि ने नेतृत्त्व परिवर्तन की बात कही, इसे जी-23 समूह कहा गया. लेकिन फ़िलहाल यह समूह खुद अलग-थलग पड़ा है. आजकल परिवार के चेहरे को झाड़-पोंछ कर स्थापित करने के काम में वामपंथी बुद्धिजीवी लग गए हैं. इस तरह कहा जा सकता है, कि कांग्रेस पार्टी नेहरू-गांधी परिवार की जायदाद है, तो गलत नहीं होगा. लेकिन ऐसा अकेले कांग्रेस पार्टी में ही नहीं है, बल्कि वे सभी राजनीतिक पार्टियां, जो शुचिता, बराबरी और समरसता की बात करती थीं, उनके अन्दर का हाल भी यही है.

समाजवाद, बराबरी और पिछड़ों के उत्थान को आधार बनाकर बने राजनीतिक दलों का हाल तो यह है, कि उनके यहां परिवार के ही लोगों को चुनाव में टिकट मिलता है. उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल इसके नमूने हैं, तो हरियाणा में चौधरी देवीलाल की चौथी पीढ़ी राजनीति में है. पंजाब में अकाली दल में प्रमुख पद बादल परिवार को ही मिलते हैं. इसी तरह बिहार में लालू यादव का राष्ट्रीय जनता दल है. महाराष्ट्र में शिव सेना है, कर्नाटक में जनता दल (एस) है और तमिलनाडु में डीएमके है. आंध्र, तेलंगाना, ओडिशा और बंगाल में भी क्षेत्रीय दल सत्ता में हैं. देर-सबेर उनके यहाँ भी वंशवाद को ही प्रमुखता मिलेगी. लेकिन राष्ट्रीय दल भारतीय जनता पार्टी भी अब उससे अछूती नहीं रही. उनके यहां भी बेटा-बेटी-बहू ही राजनीति में हावी हैं. हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री और राज्य भाजपा के बड़े नेता प्रेम कुमार धूमल के बेटे अनुराग ठाकुर उन्हीं के समय उभरे. उत्तराखंड में भी कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा अब भाजपा में हैं. इनके बेटे साकेत बहुगुणा भी राजनीति में सक्रिय हैं. इनकी बहन रीता बहुगुणा जोशी अब बीजेपी में हैं, जबकि कुछ वक़्त पहले वे उत्तर प्रदेश कांग्रेस की मुखिया थीं. इनके पिता हेमवती नंदन बहुगुणा उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री रहे हैं.

ये राजनीतिक लोग वंश-बेलि को आगे बढ़ाने के लिए पार्टी छोड़ने में तनिक भी कोताही नहीं करते. उत्तराखंड के मुख्यमंत्री रहे भुवनचन्द्र खंडूरी के बेटे को को जब भाजपा ने टिकट नहीं दिया, तो वे पार्टी छोड़ कर कांग्रेस में चले गए. परिवारवाद का आलम सभी जगह बराबर है. प्रमोद महाजन की बेटी पूनम महाजन, गोपीचंद मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे और शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले तो महाराष्ट्र में झंडा गाड़े हैं. मध्य प्रदेश की छिन्दवाड़ा सीट से मुख्यमंत्री कमलनाथ पिछले चार दशक से काबिज़ हैं. 2018 दिसम्बर में जब वे प्रदेश के मुख्यमंत्री बने और 2019 की लोकसभा का चुनाव लड़ नहीं सकते थे, तो अपने बेटे नकुल नाथ को वहां से लड़वा दिया. इसी तरह राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने बेटे वैभव गहलोत को जोधपुर से लोकसभा का टिकट दिलवाया हुआ था. एक तरह से हर दल में परिवारवाद हावी है. दिलचस्प तथ्य तो यह है, कि जो राजनेता परिवारवाद या वंशवाद पर हमला करते हैं, वे भी परोक्षतः एक-दूसरे के परिवार की रक्षा भी करते हैं. इसका सबसे बेहतरीन नमूना 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश में देखने को मिला था, जहां कांग्रेस ने उन सभी सीटों पर लड़ने से मना कर दिया था, जहां से मुलायम सिंह यादव अथवा उनके परिवारीजन थे. बदले में समाजवादी पार्टी ने भी अमेठी और रायबरेली से प्रत्याशी नहीं उतारे. और तो और

कश्मीर में आतंकियों के हूरों के पास पहुंचते ही खतरे में आ जाता है लोकतंत्र

अपने देश का लोकतंत्र दुनिया में सबसे नाजुक जान पड़ता है। इसीलिए जरा सी छींक आते ही खतरे में आ जाता है। कश्मीर में जैसे ही कोई आतंकी हूरों के पास पहुंचता है, लोकतंत्र खतरे में आ जाता है। सड़क पर धरना देने से रोका जाए तो लोकतंत्र खतरे में। अतिक्रमण या बिजली चोरी के खिलाफ अभियान चले तो सबसे पहले लोकतंत्र पर ही 1100 वोल्ट का खतरा मंडराता है। अब किसान आंदोलन को ही लीजिए। दस महीने बीत गए हैं, मगर आंदोलन जिंदा है। कुछ कहा जाए तो लोकतंत्र खतरे में। अपने यहां राजनीति में नैतिकता की चाहे जितनी कमी हो, किंतु लोकतंत्र की नहीं। वह इफरात में है। गनीमत है कि अभी उसकी जमाखोरी या कालाबाजारी शुरू नहीं हुई है। आक्सीजन भी इफरात में है, लेकिन कोरोना के दूसरे चरण में उसकी कालाबाजारी हो गई। पानी की भी कमी नहीं है, किंतु वह भी बिकता है। शुक्र है कि अभी लोकतंत्र के पाउच या बोतल में बिकने की नौबत नहीं आई है। हमारे लोकतंत्र के साथ बस यही दिक्कत है कि वह बार-बार खतरे में आ जाता है। इतिहास बताता है कि सबसे पहले लोकतंत्र लिच्छवी में आया था। फिर लोकतंत्र भूमिगत हो गया और उसकी जगह राजशाही ने ले ली। अंग्रेज आए, लेकिन खाली हाथ। लोकतंत्र साथ नहीं लाए। उनके जाने यानी आजादी के बाद लोकतंत्र आया, लेकिन आते ही खतरे में आ गया। तब से लेकर आज तक लोकतंत्र का खतरे में आना-जाना लगा रहता है। कुछ साल पहले नोटबंदी हुई थी, तब लोकतंत्र खतरे में आया था। कश्मीर से 370 हटा, लोकतंत्र की सेहत खराब। अयोध्या में मंदिर का शिलान्यास हुआ तो फिर लोकतंत्र कराह उठा। बकौल श्रीलाल शुक्ल, लोकतंत्र की हालत सड़क के किनारे बैठी उस कुतिया की तरह है, जिसे हर आने-जाने वाला लात मार सकता है।

अपने कभी पाकिस्तान में लोकतंत्र को खतरे में सुना है। वहां अल्पसंख्यक खतरे में होता है, मंदिर खतरे में होते हैं, लड़कियों-महिलाओं की आबरू खतरे में होती है, लेकिन लोकतंत्र कभी खतरे में नहीं होता। वहां की सेना और आइएसआइ लोकतंत्र के इतने तगड़े पैरोकार हैं कि आतंकियों को ट्रेनिंग दे सकते हैं, आत्मघाती हमले की साजिश रच सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र को खतरे में डालने की ख्वाब में भी नहीं सोच सकते। यही हाल, हाल में बेहाली को प्राप्त हुए अफगानिस्तान का भी है। वहां भी मजाल है जो लोकतंत्र खतरे में होने की हिमाकत कर सके। आखिर कोड़ा, पत्थर, खंजर और बंदूक भी तो कोई चीज हैं। वहां बिन दाढ़ी की मुंडी, हिजाब विहीन खातून, हक की बात करने वाली जुबान तो खतरे में हो सकती है, किंतु लोकतंत्र कभी नहीं। वहां तो इतना गाढ़ा लोकतंत्र है कि लाश को भी चौराहे पर लटकने की आजादी है।

अपने देश का लोकतंत्र दुनिया में सबसे पुराना है। पुराना है तो खतरा तो होगा ही। आपने एंटीक्स पर अक्सर कड़े पहरे देखे होंगे। पुरातत्व विभाग पुरानी-संरक्षित इमारतों और पेड़ों को कितने जुगाड़ से बांस-बल्ली लगाकर टिकाए रखने की कवायद करता है। तब कहीं दर्शक टिकट लेकर उन्हें देखने जाते हैं।

न्याय व्यवस्था में सुधार के लिए उसका भारतीयकरण जरूरी

> ग्रामीण न्यायालयों के न्यायाधीशों को तो पंच के ही पदनाम से आज भी संबोधित किया जाता है। मध्यस्थता की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इसमें मुकदमे के दोनों पक्षों में से कोई हारता नहीं, अपितु दोनों ही अपने को विजेता मानते हैं। दोनो संतुष्ट हो जाते हैं और अपील की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए ऊपर की अदालतों पर मुकदमों का बोझ नहीं बढ़ता। हमारे पास इस समय सैद्धांतिक तौर पर मध्यस्थता, सुलह तथा पंचनिर्णय के विकल्प मौजूद हैं, किंतु उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। मुहिम चलाकर उनका प्रचार-प्रसार करने तथा अदालतों द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमना ने फिर अदालती व्यवस्था में सुधार पर चर्चा शुरू की है। इस बार उन्होंने उसके भारतीयकरण पर बल दिया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की है कि अदालती भाषा और प्रक्रिया आम आदमी के लिए इतनी दुरुह है कि वह उसे जानने के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। इतना ही नहीं इसका अंतहीन सिलसिला चलता रहता है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि अपनी पांच हजार साल पुरानी पारदर्शी और उन्नत अदालती व्यवस्था होने के बावजूद हम अपने निर्णयों में विदेशी सिद्धांतों की मदद लेते हैं, जो आम आदमी की समझ में नहीं आते।

वैदिक काल में अदालतों को सभा कहा जाता था। वे स्थानीय स्तर पर एक गांव या आसपास के कुछ गांवों के विवादों का निपटारा अपने स्तर पर कर देती थीं। इस न्यायिक व्यवस्था पर लोगों का भरोसा इस कदर था कि बहुत कम मुकदमे ऐसे होते थे, जिन्हें राजधानी ले जाना पड़ता था, जहां दो तरह की अदालतें होती थीं। राजा की अदालत सबसे बड़ी होती थी, किंतु उसके नीचे भी एक न्यायालय होता था, जिसमें एक न्यायाधीश तथा आम नागरिकों के बीच से लिए गए कुछ लोग होते थे, जिन्हें आज की भाषा में ज्यूरी कहा जा सकता है। ज्यूरी विवेचक की भूमिका निभाते थे, जिन्हें कानून की कसौटी पर परखने के बाद न्यायाधीश निर्णय देता था। राजा की अदालत में बहुत कम मामले पहुंचते थे, क्योंकि अधिकतर लोग निचली अदालत के निर्णय से संतुष्ट हो जाते थे। राजा की सहायता के लिए परिषद होती थी, जिसमें न्यायमंत्री और निचली अदालत का प्रधान न्यायाधीश शामिल होता था। सुनवाई खुली अदालत में होती थी। उसमें राजा का उपस्थित होना जरूरी नहीं था, फिर भी उसे सदैव उपस्थित माना जाता था और सभी निर्णय उसके ही नाम से लिए जाते थे। इन न्यायालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वहां आम नागरिक की भाषा इस्तेमाल होती थी। नियम-कानून भी ऐसे होते थे, जिन्हें आम आदमी समझ सकता था। उसे समझने के लिए किसी विशेषज्ञ की जरूरत नहीं थी। पूरी प्रक्रिया मुकदमे के पक्षकारों के इर्द-गिर्द घूमती थी। इस समय सब कुछ ठीक उलटा है। इससे समूची प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। आज कानून की भाषा और अदालती प्रक्रिया ऐसी है कि उसमें वादी कहीं दूर बेचारा सा खड़ा दिखाई देता है। न्यायाधीश, अधिवक्ता और जटिल कानून न्यायिक व्यवस्था के केंद्र में आ गए हैं। कानूनों को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सुझाव भी आए, किंतु उनका क्रियान्वयन नहीं हो सका। मालिमथ कमेटी ने 2003 में अपनी रिपोर्ट में इस पर व्यापक अनुशंसा की थी। उसमें कहा गया था कि हर कानून में अनुसूची जोड़कर उसे स्थानीय भाषा में भी लिखकर शामिल किया जाए। उनका मत था कि इससे आम आदमी कानून की समझ विकसित कर सकेगा और उसका भरोसा बढ़ेगा। वैदिक अदालतों की दूसरी खासियत यह थी कि उनकी पहुंच सुदूर गांवों तक थी और अधिकतर मामलों का अंतिम निपटारा वहीं हो जाता था। अपनी सत्यनिष्ठा के लिए प्रतिबद्ध लोग वहां पंचों की भूमिका में होते थे। स्थानीय परिस्थितियों और परंपराओं से वे बखूबी वाकिफ होते थे।

आज की स्थिति यह है कि सरकार और अदालतों की तमाम कोशिशों के बावजूद लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है। इस समय चार करोड़ से ज्यादा मामले लंबित चल रहे हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि यदि एक भी नया मुकदमा दायर नहीं किया जाए तब भी मौजूदा व्यवस्था में उन्हें निपटाने में सौ वर्ष लग जाएंगे। इस समस्या से निपटने के लिए 2009 में संसद ने ग्राम न्यायालय अधिनियम के माध्यम से स्थानीय स्तर पर अदालतों की स्थापना के लिए कानून बनाया था, किंतु उसके अपेक्षित परिणाम नहीं आ पाए।

इसमें कुल आठ हजार न्यायालयों का गठन होना था,परंतु अब तक केवल 395 न्यायालयों की अधिसूचना जारी हो पाई है और उनमें से भी अधिकतर या तो निष्क्रिय हैं या आधे-अधूरे ढंग से काम कर रहे हैं। यदि उन पर पर्याप्त ध्यान दिया जाए तो नए मामलों की संख्या अपने आप कम हो जाएगी। वैदिक कालीन अदालतों की एक विशेषता यह भी थी कि न्यायाधीश की सत्यनिष्ठा असंदिग्ध होती थी।

उसका जीवन समाज के सामने खुली किताब की तरह होता था। यहां तक कि व्यक्तिगत जीवन में भी किसी तरह की विधिक या नैतिक गलती अक्षम्य थी। ज्यूरी के आचरण के लिए कठोर नियम थे। यदि ज्यूरी का कोई सदस्य अपनी राय नहीं देता था या विधि विरुद्ध कार्य करता था तो उसे उसके पद से हटा दिया जाता था। मौजूदा व्यवस्था में न्यायिक निष्पक्षता को मजबूती देने के लिए कोलेजियम सिस्टम के माध्यम से न्यायपालिका ने काफी कुछ अपने हाथ में ले लिया है। अब नियुक्ति के मामले में सरकारी दखलंदाजी की संभावना नगण्य हो गई है, परंतु इसमें पारदर्शिता आवश्यक है।

वैदिक अदालतें न्याय करते समय केवल तकनीकी या कानूनों के आधार पर ही नहीं, अपितु संदर्भानुसार मध्यस्थता और समझौते का व्यापक प्रयोग करती थीं। ग्रामीण न्यायालयों के न्यायाधीशों को तो पंच के ही पदनाम से आज भी संबोधित किया जाता है। मध्यस्थता की सबसे बड़ी खासियत यह होती है कि इसमें मुकदमे के दोनों पक्षों में से कोई हारता नहीं, अपितु दोनों ही अपने को विजेता मानते हैं। दोनो संतुष्ट हो जाते हैं और अपील की जरूरत नहीं पड़ती। इसलिए ऊपर की अदालतों पर मुकदमों का बोझ नहीं बढ़ता। हमारे पास इस समय सैद्धांतिक तौर पर मध्यस्थता, सुलह तथा पंचनिर्णय के विकल्प मौजूद हैं, किंतु उनका समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है। मुहिम चलाकर उनका प्रचार-प्रसार करने तथा अदालतों द्वारा उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

गौरवशाली भारत के स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह, टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI, No. DELHIN383334, E-mail: gauravashalibarat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

संक्षिप्त खबर

तेजप्रताप यादव ने अपना स्टैंड कर दिया क्लीयर, राबड़ी आवास के सामने से निकले पर नहीं की मां से मुलाकात

पटना । राष्ट्रीय जनता दल के हसनपुर से विधायक तेजप्रताप यादव ने सोमवार को अपना स्टैंड क्लीयर कर दिया। वे अब छात्र जनशक्ति परिषद के जरिए अपनी राजनीति को आगे बढ़ाने के मूड में हैं। सोमवार को लोकनायक जयप्रकाश नारायण की जयंती के मौके पर लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने गांधी मैदान में जेपी की मूर्ति पर माल्यार्पण कर एलपी मूवमेंट की शुरुआत की। इस मुहिम की शुरुआत से पहले उन्होंने अपनी मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी से मुलाकात नहीं की। यह कयास लगाया जा रहा है था कि तेजप्रताप यादव इस मार्च से पहले मां राबड़ी देवी मुलाकात करेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

तेजप्रताप के बुलावे को तेजस्वी ने ठुकराया- तेजप्रताप यादव ने छात्र जनशक्ति परिषद की तरफ से आयोजित जनशक्ति यात्रा में शामिल होने के लिए रविवार को इशारों इशारों में तेजस्वी को आफर दिया था, लेकिन वे नहीं पहुंचे। तेजप्रताप ने अपनी टीम के साथ गांधी मैदान से कदमकुआं चरखा समिति आवास तक मार्च किया। इस दौरान तेजप्रताप और छात्र जनशक्ति परिषद को लेकर ही नारे लगाए गए। या यूं कहें कि आरजेडी ने तेजप्रताप की तरफ से आयोजित कार्यक्रम से दूरी बना ली। तेजप्रताप यादव सोमवार को पैदल मार्च के दौरान राबड़ी देवी के आवास के सामने से ही निकले। लेकिन इस दौरान उन्होंने राबड़ी देवी से मुलाकात तक नहीं की। वे आपने समर्थकों के साथ अपने आवास से सीधे गांधी मैदान पहुंच गए। हालांकि तेजप्रताप यादव ने यह जरूर कहा कि उन्होंने फोन पर मां राबड़ी देवी से बात की है और उनका आशीर्वाद लेकर निकले हैं। गौरतलब है कि, तेजप्रताप यादव को लेकर पार्टी और परिवार में सबकुछ ठीक ठाक नहीं चल रहा है। शिवानंद तिवारी ने तेजप्रताप यादव के पार्टी में बने रहने पर सवाल खड़ा कर दिया था। तेजप्रताप इस बयान से संभले भी नहीं थे, कि पार्टी की तरफ से उपचुनाव के लिए जारी स्टार प्रचारकों की लिस्ट से लालू के बड़े लाल को आउट कर दिया गया। लगातार घट रहे राजनीतिक घटनाक्रम और तेजप्रताप यादव के तेवर देखने के बाद रविवार की शाम राबड़ी देवी पटना पहुंची थी। पटना एयरपोर्ट से वो सीधे तेजप्रताप के स्टैंड रोड आवास पहुंचीं। लेकिन तेजप्रताप यादव इससे पहले ही घर से निकल गए थे। राबड़ी देवी के इंतजार के बाद भी उनकी तेजप्रताप यादव से मुलाकात नहीं हो पाई थी।

कांग्रेस ने तोड़े कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य समेत दो विधायक

देहरादून । उत्तराखंड में एक विधायक खोने के बाद सोमवार को कांग्रेस ने सत्तारूढ़ भाजपा पर बड़ा झटका देते हुए कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य समेत दो विधायक तोड़ लिए। आर्य के साथ उनके पुत्र व नैनीताल से विधायक संजीव आर्य ने कांग्रेस में वापसी की।

सोमवार को कांग्रेस ने अनुसचित जाति के इन क्षत्रपों को तोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर संदेश दिया। इससे पहले पार्टी पंजाब में अनुसूचित जाति के चरणजीत सिंह चन्नी की मुख्यमंत्री पद पर ताजपोशी कर चुकी है। कांग्रेस ने बीते दिनों भाजपा के हाथों अपना एक विधायक गवां दिया था। उत्तरकाशी जिले के पुरोला से विधायक रहे राजकुमार कांग्रेस का हाथ छिटककर भाजपा में आ चुके हैं। भाजपा के इस प्रहार से तिलमिलाई कांग्रेस ने बड़ा प्रहार प्रतिद्वंद्वी पार्टी पर किया है। 2022 के चुनाव से पहले कांग्रेस के इस कदम को पार्टी का जवाबी मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। एक कैबिनेट मंत्री और एक विधायक को कांग्रेस ने अपने पाले में खींचकर उत्तराखंड में सियासी जंग को रोचक बना दिया है। चुनाव तक यह जंग ज्यादा रोमांचक होती दिखाई पड़ सकती है। कैबिनेट मंत्री यशपाल आर्य छह बार के विधायक तो हैं ही, राज्य में अनुसूचित जाति की सियासत में उनका बड़ा कद है। आर्य वर्तमान में ऊधमसिंह नगर जिले की बाजपुर सुरक्षित सीट से विधायक हैं।

कांग्रेस में अहम पदों पर रह चुके हैं आर्य- यशपाल आर्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लंबे समय तक अध्यक्ष रह चुके हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने कांग्रेस को छोड़कर भाजपा का दामन थामा था। आर्य उस वक्त भी पिछली कांग्रेस सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। यशपाल के पुत्र संजीव आर्य नैनीताल सुरक्षित सीट से विधायक हैं। उनकी घर वापसी से कांग्रेस में भी उत्साह महसूस किया जा रहा है। खासतौर पर नैनीताल और ऊधमसिंह नगर जिले में आर्य का सियासी प्रभाव माना जाता है।

बीते दिनों उछला था आर्य की नाराजगी का मुद्दा- कैबिनेट मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण विभागों का जिम्मा संभाल रहे यशपाल आर्य कुछ समय से भाजपा से नाराज बताए जा रहे थे। उनकी नाराजगी की जानकारी सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कुछ दिन पहले उनके आवास पर जाकर मुलाकात की थी। इसके बाद आर्य ने मीडिया से बातचीत में नाराजगी की चर्चाओं को खारिज कर दिया था।

आर्य के जाने में किसान आंदोलन की भूमिका- बताया जा रहा है कि किसान आंदोलन और उत्तरप्रदेश के लखीमपुर खीरी प्रकरण के बाद ऊधमसिंहनगर जिले की सियासत गर्मा रखी है। बाजपुर विधानसभा सीट पर किसानों के असर को देखते हुए आर्य ने भाजपा को बाय-बाय करने का मन बनाया। यही वजह है कि मान-मनुहार के बाद भी उन्होंने अपने पुत्र के साथ सोमवार को कांग्रेस का दामन थाम लिया।

असाधारण प्रतिभा वाले छात्रों को मिलेगा दून स्कूल में पढ़ाई का मौका

देहरादून । जरूरतमंद पृष्ठभूमि से नाता रखने वाले देशभर के कुशाग्र एवं असाधारण छात्रों को प्रतिष्ठित द दून स्कूल में पढ़ाई का मौका मिलेगा। इसके लिए स्कूल ने द दून स्कूल स्कालरशिप एग्जाम शुरू किया है। इच्छुक छात्र को इस परीक्षा को पास करने के बाद स्कूल की प्रवेश परीक्षा भी पास करनी होगी। अंत में स्कूल की कमेटी इंटरव्यू लेगी। तीनों चरणों में खरा उतरने वाले को स्कूल में दाखिले मिलेगा। अगर छात्र प्रतिभावान है, लेकिन फीस चुकाने में सक्षम नहीं है तो स्कूल छात्र को पूर्ण स्कालरशिप पर पढ़ाई करवाएगा। द दून स्कूल में सातवीं से 12वीं तक सवा 500 छात्र पढ़ाई करते हैं। हर साल यहां सातवीं में 74 से 80 एवं आठवीं में 14 से 20 सीटों के लिए लिखित प्रवेश परीक्षा एवं इंटरव्यू होता है। दून स्कूल की ओर से शुरू की जा रही स्कालरशिप के लिए अक्टूबर में पहले चरण की परीक्षा होगी। इस परीक्षा को पास करने वाले छात्रों को दिसंबर में होने वाली मुख्य प्रवेश परीक्षा में शामिल होने का मौका दिया जाएगा। डेवलपमेंट एंड एल्युमिनाई रिलेशन एंड कम्यूनिकेशन आफिसर कृतिका ने बताया कि तीनों चरण पास करने वाले छात्रों को उनकी जरूरत के अनुसार स्कालरशिप दी जाएगी। यह जरूरी नहीं कि हर छात्र की पूरी फीस माफ हो, छात्र की पारिवारिक पृष्ठभूमि एवं क्षमता को देखने के बाद स्कूल की कमेटी तय करेगी कि किस छात्र को कितनी स्कालरशिप देनी है। बताया कि स्कूल में पहले से भी कई जरूरतमंद छात्रों को स्कालरशिप दी जा रही हैं, लेकिन स्कालरशिप परीक्षा शुरू करने का उद्देश्य यही है कि देश के असाधारण छात्रों को स्कूल से पढ़ाई का मौका मिल सके।

चार केंद्रों पर हुई परीक्षा- सत्र 2022-23 में स्कालरशिप के तहत दाखिलों के लिए पहले चरण की परीक्षा दो अक्टूबर को उत्तर भारत के चार केंद्रों पर हुई। परीक्षा में 200 छात्रों ने हिस्सा लिया। स्कालरशिप का लाभ देश सेवा में जुटे सैनिक परिवारों तक भी पहुंचे, इसके लिए सैनिक स्कूलों में भी केंद्र बनाए गए थे। दून में आर्मी पब्लिक स्कूल, श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में टिंडेल बिस्कोई स्कूल एवं आर्मी पब्लिक स्कूल, गुवाहटी में आर्मी पब्लिक स्कूल नारंगी कैंट एवं रायल ग्लोबल स्कूल, तेजपुर में आर्मी पब्लिक स्कूल तेजपुर कैंट एवं तेजपुर साइंस एकेडमी में परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। हालांकि कोरोना काल एवं परीक्षा का पहला साल होने के चलते पूरे देश में परीक्षा का आयोजन नहीं हो सका। अगले साल से परीक्षा पूरे देश में करवाए जाने की तैयारी है।

मौन व्रत के लिए लखनऊ के गांधी प्रतिमा स्थल पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता, प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में होगा धरना

लखनऊ । प्रियंका गांधी के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता गांधी प्रतिमा स्थल पर जुटने लगे। कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू भी उनके साथ मौजूद रहे। वहीं कुछ ही देर में कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा भी पहुंचेंगी। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजनीति को लेकर बेहद सक्रिय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सोमवार को लखनऊ में बड़े अभियान पर उतरेंगी। वाराणसी में रविवार को किसान न्याय रैली को संबोधित करने वाली उत्तर प्रदेश में कांग्रेस की प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा अब सोमवार को लखनऊ के हजरतगंज में जीपीओ पार्क प्रांगण में गांधी प्रतिमा के पास दिन में एक बजे से मौन व्रत पर बैठेंगी।

लखनऊ में सोमवार को जीपीओ पार्क में प्रियंका गांधी वाड्रा का दिन में एक बजे से मौन व्रत पर बैठने का कार्यक्रम है। उनके साथ उत्तर प्रदेश तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य तथा पार्टी के विधायक व सांसद भी केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा की बर्खास्तगी की मांग को लेकर मौन व्रत पर रहेंगे। इससे पहले प्रियंका गांधी का राजभवन के बाहर दस बजे से मौन व्रत पर बैठने का कार्यक्रम था। लखनऊ में प्रियंका गांधी के मौन व्रत कार्यक्रम से पहले ही पुलिस काफी सजग हो गई है। कांग्रेस के प्रदर्शन से पहले यहां पर पुलिस फोर्स तैनात है। गांधी प्रतिमा के आसपास अधिक संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद है। यहां पर कांग्रेस प्रदर्शन को देखते हुए गांधी फोर्स लगाई गई। पुलिस के जवान भी गांधी प्रतिमा पर मौजूद हैं। कांग्रेस के मीडिया संयोजक अशोक सिंह ने बताया कि प्रियंका वाड्रा पार्टी के नेताओं के साथ हजरतगंज के जीपीओ पार्क में गांधी प्रतिमा के नीचे मौन व्रत धारण करेंगी।

लखीमपुर खीरी में तीन अक्टूबर को सिंह में चार किसान सहित आठ लोगों की मृत्यु के मामले में कांग्रेस की मांग मंत्री की बर्खास्तगी की है। मंत्री के पुत्र आशीष मिश्रा मोनू की शनिवार को गिरफ्तारी के बाद अब कांग्रेस की मांग मंत्री की बर्खास्तगी की है। लखनऊ में जीपीओ पार्क के पास महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे कांग्रेस के नेताओं का मौन व्रत दिन में एक बजे से होगा। पहले यह दस बजे से प्रस्तावित था। इस दौरान प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ ही उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा विधायक अजय कुमार लल्लू, कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता अराधना मिश्रा मोना तथा विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह भी मौन व्रत धरना पर बैठेंगे। यह सब राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से अजय कुमार मिश्रा को मंत्री को पद से हटाने की मांग करेंगे। माना जा रहा है कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल को यह लोग अपनी मांग का ज्ञापन भी सौपेंगे लखीमपुर की घटना में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री की बर्खास्तगी की मांग को लेकर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने सभी प्रदेश कांग्रेश कमेटियों को 11 अक्टूबर को राजभवन या केंद्र सरकार के कार्यालयों के बाहर मौन व्रत धारण करने के लिए पत्र भेजा था।

जस्टिस राजेश बिंदल ने ली इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुय न्यायाधीश पद की शपथ, सीएम योगी आदित्यनाथ ने दी बधाई

लखनऊ । जस्टिस राजेश बिंदल ने सोमवार को उत्तर प्रदेश राजभवन में इलाहाबाद हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद तथा गोपनीयता की शपथ ली। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उनको पद तथा गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राजभवन के गांधी हाल में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्य न्यायाधीश को भी बधाई दी।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश राजेश बिन्दल को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के राजभवन के गांधी सभागार में शपथ दिलाई। इस मौके पर राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनको बधाई भी दी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल दिन में 11 बजे उनको राजभवन में शपथ दिलाई। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उनके मंत्रिमंडल के सहयोगी तथा वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

कलकत्ता हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल को इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने की है। इस आशय की अधिसूचना भारत सरकार के अपर सचिव राजिंदर कश्यप ने जारी की है। मुख्य न्यायमूर्ति राजेश बिंदल का जन्म 16 अप्रैल 1961 को हरियाणा के अंबाला में हुआ था। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से विधि स्नातक करने के बाद सितंबर 1985 से वे पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट में विधि कार्य शुरू किया। वकालत करने के दौरान वे हरियाणा राज्य की ओर से सतलज यमुना विवाद में बनी इडी ट्रिब्यूनल में हरियाणा सरकार के पक्षकार थे। इसके साथ ही प्रोविडेंट फंड, आयकर विभाग व अन्य महत्वपूर्ण विभागों की तरफ से हाईकोर्ट में सरकार का पक्ष रखते थे।

उन्होंने 22 मार्च 2006 को पंजाब व हरियाणा हाई कोर्ट में जज के रूप में शपथ ली। यहां से स्थानांतरण होने के पहले उन्होंने लगभग 80000 वादों का निस्तारण किया था। पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट से स्थानांतरित होकर जम्मू कश्मीर हाई कोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने। इसके बाद लद्दाख व जम्मू कश्मीर के एक साथ कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के पद पर थे। जम्मू कश्मीर से स्थानांतरण के बाद उन्होंने पांच जनवरी 2021 को कलकत्ता उच्च न्यायालय में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश का पद भार संभाला। इसके बाद 29 अप्रैल 2021 को कोलकाता हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश बनाए गए।

लखीमपुर खीरी हिंसा में दर्ज दूसरी एफआइआर में किसानों को कुचलने का जिक्र नहीं, अराजक तत्वों पर आरोप

लखीमपुर खीरी । उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में चौंकाने वाली बात सामने आई है। भारतीय जनता पार्टी के नेता सुमित जायसवाल की ओर से दर्ज कराई गई एफआइआर में किसानों को कुचलने का जिक्र नहीं किया गया है। आरोप लगाया गया है कि अराजक तत्वों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठी डंडों से हमले के बाद पथराव किया था। प्राथमिकी में किसानों के गाड़ी से कुचले जाने अथवा केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री अजय मिश्र के बेटे आशीष मिश्र के कार में मौजूद होने संबंधी कोई जिक्र नहीं है। दर्ज की गई दूसरी प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि किसानों में असामाजिक तत्व शामिल थे, जिन्होंने एसयूवी सवार भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला बोला था। हालांकि एफआइआर में यह जिक्र नहीं है कि गाड़ी में केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी का बेटा आशीष था या नहीं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात उपद्रवी के खिलाफ हत्या व खतरनाक हथियारों से हमला करने की धारा में एफआइआर दर्ज की है।

भाजपा नेता सुमित जायसवाल का दावा है कि वह उन भाजपा कार्यकर्ताओं में शामिल थे, जो उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का स्वागत करने जा रहे थे। सुमित के मुताबिक वह भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ महिंद्रा थार गाड़ी से काले शरण चौक जा रहे थे, जिसे हरिओम चला रहे थे। इसी बीच अराजकतत्वों ने हमला बोल दिया। चालक हरिओम और उसमें सवार शुभम मिश्र को कार से बाहर खींचकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। वहीं, किसी तरह सुमित ने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। हालांकि हरिओम और उनके दोस्त शुभम की अराजकतत्वों ने हत्या कर दी, जिसकी जानकारी सुमित को इंटरनेट मीडिया के जरिए हुई।

एफआइआर में सुमित जायसवाल की शिकायत के अनुसार पत्रकार रमन कश्यप, कार चालक हरिओम और भाजरा कार्यकर्ता शुभम मिश्र, श्याम सुंदर की प्रदर्शनकारियों ने पीट-पीट कर हत्या कर दी। हालांकि पत्रकार के परिवारीजन का दावा किया है कि वह वाहन से कुचल कर मारे जाने वाले लोगों में शामिल है। एफआइआर में कहा गया कि किसानों के प्रदर्शन में मौजूद खराब तत्वों ने लाठी, डंडे और पत्थर वाहन पर मारे, जिससे चालक घायल हो गया और उसने कार सड़क किनारे रोक दी। इसके बाद उन प्रदर्शनकारियों ने हरिओम को कार से बाहर निकाला और उस पर डंडों और तलवारों से वार किया। हमारे ऊपर पत्थर बरसाए गए। हमने वहां से भागने की कोशिश की और इस दौरान उन लोगों ने मेरे मित्र शुभम मिश्रा को पकड़ लिया और उसके साथ मार पीट की।

भाजपा के प्रयागराज महानगर अध्यक्ष ने कश्मीर में हिंदुओं की हत्या दुर्भाग्यपूर्ण बताया

प्रयागराज। कश्मीर में फिर एक बार हिंदुओं की हत्या का दौर शुरू हो चुका है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को इसे लेकर सख्त कदम उठाने चाहिए। विपक्षी दल के नेताओं को भी इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए। यह विषय राजनीति का नहीं देश की एकता और अखंडता का है। सनातन परंपरा को बचाने का है। यह बातें भाजपा के प्रयागराज महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कही।

कहा- सनातन धर्मियों पर आंच नहीं आएगी- उन्होने कहा कि भाजपा कुर्सी की राजनीति नहीं करती है। इस दल के लिए सब से पहले देश है। देश पर आंच नहीं आने देंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता इसके लिए समर्पित है। सरकार भी जल्द ही कुछ ठोस कदम उठाएगी। विपक्ष को अनायास बयानबाजी से बचना चाहिए। वह भी ऐसा कदम उठाए जिससे वैश्विक परिदृश्य पर संदेश जाए कि हम एक हैं। सनातन परंपरा और संस्कृति पर आंच नहीं आने देंगे। सनातन धर्मियों पर भी कोई आंच नहीं आएगी। बोले कि सत्ताधारी दल से जुड़ाव के नाते यह मैं कह सकता हूं कि 90 के दशक की स्थितियां नहीं आने पाएंगी। अब अनुच्छेद 370 खत्म हो गया है। कश्मीर के नागरिकों की रक्षा के लिए कन्याकुमारी तक के लोग आगे आएंगे। किसी भी तरह की विवशता को आड़े नहीं आने देंगे। इस आतंकवाद के लिए जिम्मेदार लोगो को सख्त सजा दी जाएगी। अभी वक्त है सुधर जाएं।

अपनी हरकतों से बाज आएं। जरूरत पड़ेगी तो सरहद पार कर भी आतंकवाद का मुंह तोड़ जवाब दिया जाएगा। इससे पहले भी इस तरह के कदम उठाए जा चुक हैं। यदि समय रहते नहीं माने तो और भी गंभीर कार्रवाइयां होंगी। पूरी दुनिया देखेगी।

सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का लिया संकल्प- भाजपा किसान मोर्चा की कार्य समिति की बैठक जिला कार्यालय में हुई। विशिष्ट अतिथि काशी क्षेत्र किसान मोर्चा के मीडिया प्रभारी ज्ञानेश जोशी रहे। उन्होंने संगठन की एकजुटत पर बल दिया।

इस अवसर पर मोर्चा के महानगर अध्यक्ष राजेश सिंह पटेल, महामंत्री सनी सिंह ने केंद्र सरकार की नीतियों को जन जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। बैठक में उदित शुक्ला, संजय सिंह, प्रदीप कुमार, लाल चंद कुशवाहा, प्रदीप कुमार गुप्ता, सुशील मिश्रा आदि मौजूद रहे।

तेज प्रताप ने छोटे भाई तेजस्वी को बुलाया, पिता लालू यादव का दिया वास्ता, पर नहीं बनी बात

पटना। लोकनायक जय प्रकाश की जयंती के मौके पर समस्तीपुर के हसनपुर से राजद के विधायक तेजप्रताप यादव ने आज पटना में जनशक्ति यात्रा निकाली। गांधी मैदान से वाहनों के काफिले के साथ वह जेपी गोलंबर पहुंचे। इससे पहले उन्होंने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को भी यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि उनका इंतजार रहेगा। उन्होंने इस खास आयोजन को अपने पिता लालू प्रसाद यादव के नाम से जोड़ा है। बावजूद इसके तेजस्वी और राजद की ओर से इस पर कोई कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई। इस दौरान वे अपनी मां राबड़ी देवी के आवास के ठीक सामने से गुजरे, लेकिन मां से नहीं मिले। राबड़ी रविवार को ही पटना आई थीं और सबसे पहले तेज प्रताप से मिलने उनके आवास पर गई थीं, हालांकि दोनों के बीच मुलाकात अब तक नहीं हो सकी है।

तेज प्रताप के आवास पर जाकर लौट गई

थीं राबड़ी देवी

ने कहा कि जेपी आंदोलन की तरह वह एलपी (लालू प्रसाद) आंदोलन भी करने जा रहे हैं। राबड़ी देवी से जुड़े सवाल पर तेज प्रताप यादव ने कहा कि जल्द ही वे अपनी मां से मुलाकात करेंगे, उनसे आशीर्वाद लेने जाएंगे। रविवार को पटना आने के बाद राबड़ी देवी सीधे तेज प्रताप यादव के आवास पर गईं, लेकिन मां-बेटे के बीच मुलाकात नहीं हो सकी। बताया जा रहा है कि तब तेज प्रताप अपने सरकारी आवास पर मौजूद नहीं थे।

काफी देर इंतजार के बाद भी मुलाकात नहीं होने पर राबड़ी अपने आवास पर लौट गई थीं।

अपनी ताकत दिखाने की कोशिश में जुटे तेज प्रताप

लालू परिवार और राजद में साइड कर दिए गए तेज प्रताप ह्वह्य जनशक्ति यात्रा के बहाने आज पटना की सड़कों पर अपनी ताकत दिखाने की कोशिश की। राजद की बैठकों और कार्यक्रमों में अब उन्हें बुलाया तक नहीं जा रहा। कुछ दिनों से राजद के प्रदेश कार्यालय में भी जाना उन्होंने छोड़ दिया है। राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने कह दिया था कि तेज प्रताप ने खुद ही अपना रास्ता पार्टी से अलग चुन लिया है। उन्हें पार्टी का चुनाव चिह्न इस्तेमाल करने से मना किया गया है और यह बात उन्होंने खुद ही स्वीकार की है। इससे पहले राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने तेज प्रताप कौन है कहकर खलबली मचा दी थी।

राम मंदिर तक श्रद्धालुओं को पहुंचाएंगे राम, भक्ति, श्रद्धा और धर्म का पथ, नामकरण के साथ शुरू हुआ मार्गों का पुनर्विकास

अयोध्या । राममंदिर तक श्रद्धालुओं को पहुंचाने के लिए रामनगरी में चार मार्ग तैयार किए जाएंगे। सुविकसित होने के साथ मार्गों का नाम भी आध्यात्मिक होगा। इनके नाम राम, भक्ति, श्रद्धा एवं धर्म पथ होंगे, जिनसे होकर श्रद्धालु अपने आराध्य श्रीराम के भव्य मंदिर तक पहुंच सकेंगे। विजन डॉक्यूमेंट में इन मार्गों के विस्तार की रूपरेखा पहले ही शामिल कर ली गई है, लेकिन विस्तृत कार्य योजना बनने के दौरान इन मार्गों के लिए प्रस्तावित नाम सामने आए हैं। ये मार्ग विजन डॉक्यूमेंट में शामिल उन योजनाओं में से हैं, जिन पर पहले चरण में प्राथमिकता पर कार्य होना है। शासन से मिले दिशा-निर्देशों के उपरांत अयोध्या विकास प्राधिकरण अब योजनाओं के क्रियान्वयन पर केंद्रित हो गया है।

रामनगरी को हाईवे और मंदिर से जोड़ने के लिए, जिन चार मार्गों को प्रस्तावित किया गया है उनमें सआदतगंज व रामघाट से नयाघाट, सुग्रीव किला व श्रृंगारहाट से राममंदिर तक मार्ग शामिल हैं। कंसल्टेंट एजेंसी ली एसोसिएट्स एवं ईवाई के विशेषज्ञ योजनाओं को तराशने में लगे हैं। विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विशाल सिंह ने बताया कि धर्मार्थ कार्य विभाग से इन मार्गों का पुनर्विकास कराया जाएगा। इन मार्गों को सुंदर बनाने के लिए लैंडस्केपिंग के साथ डिजाइनर लाइटों आदि का प्रबंध होगा। बिजली के तार भूमिगत होंगे। सुग्रीव किला और श्रृंगारहाट से राममंदिर की ओर जाने वाला मार्ग नो-व्हीकिल जोन होगा। इस मार्ग पर श्रद्धालु पैदल ही यात्रा करेंगे। सिर्फ इमरजेंसी वाहनों को ही अनुमति प्रदान की जाएगी। सआदतगंज से नयाघाट और रामघाट से नयाघाट तक जाने वाले दोनों मार्गों पर वाहन के साथ लोग पैदल भी चल सकेंगे। यह चार प्रमुख मार्ग विकसित किए जा रहे हैं, जिनसे होकर श्रद्धालु रामनगरी और राममंदिर तक पहुंचेंगे। नयाघाट पर एक चौराहा भी विकसित करने की योजना पर विचार चल रहा है।

शहाबुद्दीन को हराने वाले पूर्व सांसद की बहू हारी मुखिया का चुनाव, सिवान में राजद नेता के घर खुशी का माहौल

हसनपुरा (सिवान)। बिहार में राजद के बाहुबली के तौर पर मशहूर सिवान के तत्कालीन सांसद मो. शहाबुद्दीन को लोकसभा चुनाव में हराने वाले पूर्व सांसद और भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव की बहू राजद के एक नेता के छोटे भाई की पत्नी से पंचायत के मुखिया का चुनाव हार गईं। सिवान के हसनपुरा प्रखंड की लहेजी पंचायत से भाजपा नेता की बहू शोभा कुमारी पिछली बार मुखिया का चुनाव जीती थीं, लेकिन इस बार वह 550 मतों के अंतर से हार गईं। उन्हें राजद के जिला सचिव जयप्रकाश यादव के छोटे भाई की पत्नी रीता देवी ने पराजित किया। रीता देवी को 1788 मत मिले जबकि शोभा कुमारी को 1238 मत प्राप्त हुए।

पूर्व सांसद के भतीजे की पत्नी हैं शोभा- शोभा कुमारी पूर्व सांसद के भतीजा अर्जुन यादव की पत्नी है। इसके पहले पूर्व सांसद ओमप्रकाश यादव के बड़े पिता देवनंदन चौधरी चार बार, शोभा कुमारी एक बार मुखिया पद पर रह चुकी हैं। सिवान जिले के इस बार के पंचायत चुनाव में बड़ा उलट-फेर देखने को मिला है। जहां गायघाट पंचायत में जनवितरण प्रणाली विक्रेता टुनटुन सिंह की पत्नी सीमा देवी ने पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सह निवर्तमान मुखिया रागिनी देवी के पति विनय कुमार पांडेय को पराजित कर दिया है। सीमा देवी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी विनय पांडेय को 500 से अधिक वोटों के अंतर से पराजित किया।

चार मुखिया को दोबारा जीत का सेहरा, छह नए चेहरे- हुसैनगंज प्रखंड क्षेत्र की 15 पंचायतों में रविवार को हुए मतगणना में नौ पंचायतों के परिणाम घोषित होने तक हबीबनगर पंचायत से हरेराम यादव, छाता पंचायत से नीतीश कुमार, मचकना पंचायत से से समित कुमार और हथौड़ा पंचायत से विजय चौधरी सहित चार पुराने मुखिया के सिर जीत का सेहरा बंधा है। सिधवल पंचायत से संदेश साह ने निवर्तमान मुखिया जितेंद्र शर्मा को पटखनी देते हुए पहली बार जीत हासिल की है। मड़कन पंचायत से निवर्तमान मुखिया जैनब खातून को हराकर ऋतु देवी ने कब्जा जमाया है।

वहीं छपियां से ललिता देवी को पराजित कर पूर्व प्रखंड प्रमुख वीरेंद्र चौधरी की पुत्रवधू आरती कुमारी ने कब्जा जमाया है। वहीं रसूलपुर पंचायत से पहली बार नीलम देवी ने जीत हासिल की है। इसके पूर्व इस पंचायत का नाम चांप था जो अब नगर परिषद में चला गया है। इसके पूर्व इस पंचायत की मुखिया निवर्तमान प्रखंड प्रमुख राजाराम साह की पत्नी अजिता देवी थीं। खरसंडा पंचायत से पहली बार शफी अहमद ने की जीत हासिल की है।

मोतिहारी में दहेज के लिए ससुराल वालों ने मारपीट कर महिला को घर से निकाला

मोतिहारी । मुफस्सिल थाना क्षेत्र के ढेकहां लक्ष्मण टोला में ससुराल वालों के द्वारा दहेज के लिए विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना को लेकर विवाहिता चंपा कुमारी ने पुलिस को आवेदन देकर पति शिव कुमार प्रसाद, ससूर लक्ष्मण प्रसाद, सास सुंदरी देवी समेत सात लोगों को आरोपित किया है। प्राथमिकी के लिए दिए आवेदन में कहा है कि मेरे पिता ने आपने सामर्थ के अनुसार दान-दहेज देकर मेरी शादी शिव कुमार प्रसाद के साथ की थी। शादी के कुछ दिनों बाद तक सब ठीक चल रहा था। उसके बाद आरोपितो के द्वारा दो लाख रुपये और बाइक की मांग की जाने लगी। मेरे माता पिता द्वारा असर्मथाता जताने पर उनके द्वारा मारपीट भी की जाने लगा। एक बार तो पूरे शरीर पर मिट्टी का तेल छिड़क कर जलाने का भी प्रयास किया गया। इसी क्रम में शनिवार को मेरे साथ मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। अरेराज। गोवंदिगंज थाना क्षेत्र के भेलानारी गांव में फेसबुक पर कमेंट को लेकर हुई मारपीट मामले में रविवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है। थानाध्यक्ष सरफराज अहमद ने बताया कि राजनीतिक पोस्ट को लेकर फेसबुक पर कमेंट किया गया था। इसको लेकर भेलानारी गांव में कुछ युवक ने सरेया गांव के सुबोध पांडेय के साथ मारपीट की थी। स्वजन उन्हें मोतिहारी में इलाज करा रहे हैं। मामले में सुबोध के पिता शशिकांत पांडेय ने थाने में आवेदन देकर सरेया गांव के मुखिया पति बाबर ड्क्षसह के इशारे पर मारपीट करने की बात बताई है। आवेदन पर भेलानारी गांव के प्रशांत कुमार ड्क्षसह, राहुल ड्क्षसह, निर्भय ड्क्षसह, नवीन ड्क्षसह सहित अन्य अज्ञात लोगों पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नक्सलियों के रडार पर हैं मुंगेर के कई पंचायत, पांचवे और छठे चरण में बड़े कारनामे की तैयारी

मुंगेर । जिले के पांचवें और छठे चरण का चुनाव नक्सल प्रभावित इलाकों में है। अक्टूबर और नवंबर के बीच यहां मतदान होगा। इस बार पंचायत चुनाव में नक्सली बड़ा कारनामा करने की तैयारी में हैं। नक्सलियों के शीर्ष नेताओं ने गोलबंदी भी शुरू कर दी है। हालांकि, नक्सलियों के मूवभेंट पर पुलिस की नजर है। धरहरा और हवेली खडग्पुर प्रखंड नक्सल प्रभावित क्षेत्र हैं। यहां तीन दर्जन से ज्यादा नक्सल प्रभावित बूथ हैं। चुनाव जैसे खास मौके पर नक्सली दबदबा बनाने के लिए उपस्थिति दर्ज कराते रहते हैं। कुछ दिन पूर्व पहले धरहरा में नक्सलियों और पुलिस के साथ मुठभेड़ भी हुई थी। नक्सल प्रभावित बूथों पर पारा मिलिट्री फोर्स की तैनाती की जाएगी।

तीन सप्ताह पहले हुई मुठभेड़

धरहरा प्रखंड के लड़ैयाटांड थाना क्षेत्र में जंगल के रास्ते नक्सलियों के जमावड़े की सूचना 20 सितंबर की रात पुलिस को मिली थी। पंचायत चुनाव को लेकर ही नक्सलियों के जमावड़े की सूचना मिली थी। एसटीएफ और पुलिस को इस बात की जानकारी लग गई और उनके मनसूबे पर पानी फेर दिया।

पुलिस और नक्सलियों के बीच 50 राउंड से ज्यादा गोलियां चली थी। एएसपी अभियान राजकुमार राज ने बताया कि नक्सलियों के खिलाफ जंगलों और पहाड़ी क्षेत्रों लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है। पंचायत चुनाव में नक्सलियों के मनसूबों को किसी भी सूरत में कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

हाल के दिनों में कई गिरफ्त में-

धरहरा प्रखंड के मथुरा, गौरैया, न्यू पैसरा, घटवारी, सखोल कोल क्षेत्र जंगलों और पहाड़ों से घिरा होने के कारण नक्सलियों के लिए यह जगह काफी मुफीद है। हाल के दिनों में कई नक्सली पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं। 31 जुलाई को धरहरा क्षेत्र से हार्डकोर नक्सली गणेश ठाकुर को पकड़ा गया, वांटेड नक्सली नंदन मंडल की गिरफ्तारी अगस्त के पहले सप्ताह में हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

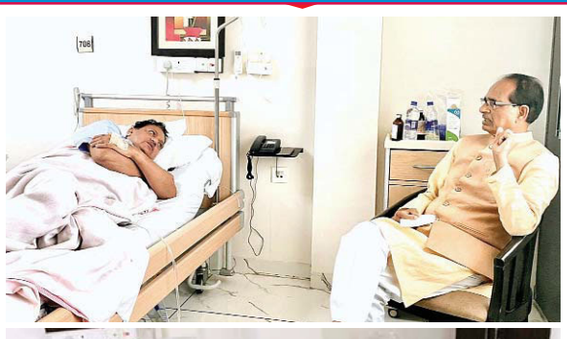

सीएम और गृहमंत्री ने मंत्री भदौरिया की कुशलक्षेम जानी

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने सोमवार को प्रदेश के सहकारिता एवं लोक प्रबंधन मंत्री अरविंद भदौरिया की कुशलक्षेम जानी। मंत्री श्री भदौरिया वाइरल फीवर होने के बाद राजधानी भोपाल के बंसल अस्पताल में भर्ती हैं।

उपचुनाव वाले क्षेत्रों में तीन नए पुलिस अफसर तैनात

भोपाल । राज्य सरकार ने प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा उपचुनाव वाले क्षेत्रों में उप पुलिस अधीक्षक स्तर के तीन नए पुलिस अफसर तैनात किए हैं। आदेश के तहत आशुतोष पटेल उप पुलिस अधीक्षक महिला अपराध प्रकोष्ठ होशंगाबाद को एसडीओपी निवाड़ी पदस्थ किया गया है। इसी तरह सुश्री ज्योति उमठ एसडीओपी आगर को एसडीओपी कन्नौद और बृजेश कुमार श्रीवास्तव कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक कानून व्यवस्था इंदौर को नगर पुलिस अधीक्षक बुरहानपुर पदस्थ किया गया है। यहां बता दें कि निवाड़ी क्षेत्र के तहत पृथ्वीपुर में विधानसभा उपचुनाव हो रहे हैं। उपचुनाव वाले तीन विधानसभा क्षेत्रों में पृथ्वीपुर भी शामिल है। इसी तरह कन्नौद और बुरहानपुर खंडवा संसदीय क्षेत्र का हिस्सा है, जहां कि उपचुनाव हो रहा है।

शिवराज सिंह 20 अक्टूबर को पन्ना के दौरे पर

भोपाल । मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान 20 अक्टूबर को पन्ना के दौरे पर रहेंगे। श्री चौहान पन्ना के बलदाऊ जू, किशोर जू, जगन्नाथ स्वामी जू सहित समस्त मंदिरों के दर्शन कर धार्मिक पर्यटन की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा करेंगे। श्री चौहान प्राणनाथ मंदिर पहुंचकर शरद पूर्णिमा महोत्सव में शामिल भी होंगे। श्री चौहान को प्राणनाथ मंदिर के मुख्य पुजारी देवकरण गांधी जी महाराज ने मुख्यमंत्री निवास पहुंचकर पन्ना पधारने के लिए आमंत्रित किया है। इस अवसर पर श्री 108 प्राणनाथ जी मंदिर ट्रस्ट पन्ना के महाप्रबंधक डीबी शर्मा, सचिव चंद्र किशन त्रिपाठी, न्यासी तिलक राज शर्मा और श्री सौरभ दुबे उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान से ट्रस्ट द्वारा पन्ना में मेडिकल कॉलेज खोलने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में तत्काल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के निर्देश संबंधित को दिए हैं।

15 करोड़ से दतिया में बनेंगी दो सड़कें : डॉ. मिश्रा

भोपाल । गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बताया है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा दतिया में दो सड़कों के निर्माण के लिए 15 करोड़ 29 लाख रुपए से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति दे दी गई है। उन्होंने कहा है कि जिले में दो और पक्की सड़कों के निर्माण से क्षेत्रवासियों के लिए आवागमन सुगम हो जाएगा। जिले में आधारभूत संरचनाओं को सुदृढ़ीकृत किया जा रहा है। प्रदेश सरकार समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री डॉ. मिश्रा ने कहा कि प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो जाने से जल्द ही 14 करोड़ 8 लाख 56 हजार की राशि से ग्राम धोर्रा व्हाया चूना घाट, चौकी से मगरोरा नेशनल हाईवे न्यू रोड तक साढ़े 11 किमी की सड़क बनाई जाएगी। इसी प्रकार ग्राम बसई से भैरारेश्वर तक 1.12 किमी का पहुंच मार्ग एक करोड़ 20 लाख की राशि से निर्मित होगा।

हरदा में सुकमा नदी पर बनेगा ढाई करोड़ का पुल : पटेल

भोपाल । प्रदेश के किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री कमल पटेल ने बताया है कि हरदा जिले की सुकमा नदी पर पुल और पहुंच मार्ग जल्द ही निर्मित होगा। उन्होंने कहा है कि हरदा जिले के ग्राम आदमपुर एवं ग्राम जुगरिया के मध्य गुल्लासा-हंडिया मार्ग सुकमा नदी पर 2 करोड़ 65 लाख से अधिक राशि का पहुंच मार्ग सहित पुल निर्मित होगा। पहुंच मार्ग और पुल बन जाने से सुकमा नदी के आसपास के क्षेत्रवासियों को आवागमन में होने वाली असुविधा से निजात मिल सकेगी। श्री पटेल ने बताया है कि उक्त कार्य के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। उन्होंने इसके लिए लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव का आभार व्यक्त किया है।

कमलनाथ आज खंडवा में करेंगे चुनाव प्रचार

भोपाल । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ खंडवा संसदीय उपचुनाव के लिए मंगलवार को यहां पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगे। पार्टी सूत्रों के अनुसार श्री कमलनाथ यहां पार्टी प्रत्याशी राजनारायण सिंह पुरनी के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। इसके पहले वे यहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर चुनाव संबंधी रणनीति पर भी चर्चा कर सकते हैं।

विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति की हुई बैठक

भोपाल । मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्य सुविधा समिति की बैठक सोमवार को विधानसभा सचिवालय में हुई। बैठक में विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, सभापति शैलेंद्र जैन, प्रमुख सचिव एपी सिंह सहित सदस्य (सदस्य सुविधा) तथा अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन, संसदीय कार्य विभाग के अलावा मंत्रालय के अधिकारी एवं विधानसभा के अधिकारी समलित हुए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने की योजना की गतिविधियों की समीक्षा

प्रदेश में नए शिक्षण सत्र में 350 सीएम राइज स्कूल होंगे शुरू

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि सीएम राइज स्कूल एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसके क्रियान्वयन के लिए योग्य शिक्षकों का चयन किया जा रहा है। शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए शिक्षक प्रशिक्षण का कार्य भी पूरी गंभीरता से किया जाए। प्रथम चरण में प्रदेश में अप्रैल 2022 से प्रारंभ होने वाले शिक्षण-सत्र में कक्षा एक से 12वीं तक शिक्षण व्यवस्था वाले 350 सीएम राइज स्कूल प्रारंभ होंगे। इसके लिए आवश्यक बजट व्यवस्था भी कर ली गई है। मुख्यमंत्री चौहान आज सीएम राइज स्कूल योजना के तहत प्रारंभ की गई गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री चौहान ने योजना से संबंधित विशेषताओं पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री चौहान ने विद्यालयों के प्राचार्यों के लिए तैयार की गई हैंड बुक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन स्कूलों में लैब, कम्प्यूटर और लायब्रेरी की व्यवस्था की जा चुकी है, वहां अप्रैल 2022 से सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किये जाएंगे। इस क्रम में भोपाल के रशीदिया विद्यालय को मॉडल सीएम राइज स्कूल के रूप में विकसित किया गया है। मुख्यमंत्री शीघ्र ही इसका अवलोकन भी करेंगे। चौहान ने कहा कि शिक्षकों के प्रशिक्षण और भवनों के निर्माण तथा अन्य व्यवस्थाओं को समय पर पूरा किया जाए। आगामी शिक्षण-सत्र से विद्यालयों के प्रारंभ होने का कार्य शुरू हो जाएगा। लक्ष्य यह हो कि दो वर्ष में सभी विद्यालय प्रारंभ हो जाएं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सीएम राइस स्कूलों के स्थापना के संबंध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की।

प्राचार्यों को दिया जाएगा विशेष दक्षता प्रशिक्षण

प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी ने बताया कि सीएम राइज स्कूल योजना में 22 हजार 254 शिक्षकों के आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। उत्कृष्ट शिक्षा के लिए विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित शिक्षकों का साक्षात्कार आयोजित कर चयन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 9 हजार 200 सुविधायुक्त सीएम राइज स्कूल प्रारंभ किए जाने हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में 25-30 किलोमीटर परिधि में इनकी व्यवस्था होगी। इन स्कूलों में एक ही शिक्षण परिसर में केजी से लेकर 12वीं तक की कक्षाओं के बच्चे पढ़ेंगे। सीएम राइज स्कूल के प्राचार्यों को स्कूल विकास के नेतृत्व, अनुकरणीय शिक्षण अधिगम प्रक्रियाओं के नेतृत्व, शिक्षकों के विकास और सशक्तिकरण, समुदाय से जुड़ाव और प्रशासनिक प्रक्रियाओं तथा संसाधनों के प्रबंधन की दृष्टि से दक्ष बनाया जाएगा। प्राचार्य प्रशिक्षण नवम्बर माह से प्रारंभ होगा। इसके बाद राजधानी में इनका राज्य स्तरीय ओरिएंटेशन और भारतीय प्रबंध संस्थान में प्रशिक्षण भी होगा। यही नहीं इन प्राचार्यों को अन्य राज्य के स्कूलों का भ्रमण भी करवाया जाएगा। प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्रीमती पल्लवी जैन गोविल ने जनजातीय क्षेत्रों में भी सीएम राइज स्कूल खोले जाने के संबंध में प्रचलित कार्यवाही की जानकारी दी।

वैक्सीन का दूसरा डोज ही सुरक्षा की गारंटी

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन का दूसरा डोज ही सुरक्षा की गारंटी है। कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है, इसलिए लोगों को इससे बचने के लिए सजग रहने की जरूरत है। श्री चौहान मुख्यमंत्री निवास से जिले के प्रभारी अधिकारियों के साथ कोविड नियंत्रण एवं टीकाकरण की वर्चुअल समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि टीकाकरण ही इससे बचाव का प्रभावी उपाय है। जिन्होंने वैक्सीन का प्रथम डोज लगवा लिया है वे दूसरा डोज अवश्य लगवाएं।

सीएम ने की कोविड नियंत्रण एवं टीकाकरण की समीक्षा

सीएम ने कहा कि प्रभारी अधिकारी कोरोना से बचाव और टीकाकरण की प्रभावी कार्य-योजना बनाएं। टीके का दूसरा डोज सभी को लग जाए, इसके लिए गंभीरता से कार्य करें। अपने जिले की परिस्थितियों के हिसाब से जिला कलेक्टर से समन्वय कर तीन दिवस में कार्य-योजना तैयार करें। इस कार्य-योजना की पुनः समीक्षा कर टीकाकरण का लक्ष्य निर्धारित किया जाएगा।

महाअभियान चलाकर लगाया जाएगा दूसरा डोज

श्री चौहान ने कहा कि कोविड नियंत्रण के लिए महाअभियान चलाकर वैक्सीन का दूसरा डोज लगवाया जाएगा। जिस तरह प्रथम डोज लगवाने के लिए सभी ने सक्रियता से कार्य किया है, उसी तरह दूसरा डोज लगाने के लिए भी पूरी गंभीरता से कार्य करें। वैक्सीन के दूसरे डोज का प्रतिशत बढ़ाने के लिए भरसक प्रयास करें। अभी प्रदेश में 30 प्रतिशत लोगों को दूसरा डोज लग चुका है जो देश के 29 प्रतिशत औसत से थोड़ा अधिक है। हमारा प्रयास हो कि प्रथम डोज लगवा चुके सभी व्यक्तियों को दूसरा डोज लग जाए। टीके के प्रथम एवं दूसरे डोज के अंतर की पूर्ति करने का भी प्रयास करें।

प्रथम डोज का प्रतिशत भी बढ़ाएं

श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश में 89 प्रतिशत लोगों को वैक्सीन का प्रथम डोज लग चुका है। प्रथम डोज लगाने में हम देश में अग्रणी हैं जो देश के 73 प्रतिशत औसत से अधिक है। प्रथम डोज के प्रतिशत को भी बढ़ाने के प्रयास करें और इसे 90 प्रतिशत तक ले आएं।

यूपीएससी में चयन के लिए हम रास्ता आसान बनाएंगे

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में चयन के लिए हम रास्ता आसान बनाएंगे। बच्चे जो भी विषय पढ़ना चाहेंगे उसके लिए व्यवस्था की जाएगी। लक्ष्य यह है कि मप्र से अधिक संख्या में बच्चे यूपीएससी के लिए चयनित हों।

सीएम ने की चयनित युवाओं के सम्मान समारोह की तैयारियों की समीक्षा

मुख्यमंत्री चौहान सोमवार को सीएम हाउस सभाकक्ष में यूपीएससी में चयनित युवाओं के लिए 13 अक्टूबर को होने वाले सम्मान समारोह की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। समारोह में लोक सेवा आयोग और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थी भी मौजूद रहेंगे। चौहान ने कहा कि इस वर्ष यूपीएससी में चयनित 37 विद्यार्थी जुनून, कड़ी मेहनत और मजबूत संकल्प का प्रतीक हैं। ये विद्यार्थी अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरक हैं। यूपीएससी के साथ ही प्रतियोगी परीक्षाओं के जितने भी तरह के अवसर हैं, राज्य सरकार विद्यार्थियों को अच्छे संस्थानों और महत्वपूर्ण सेवाओं के लिए तैयार करेगी। बैंक, सेना या अन्य क्षेत्रों की प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेषज्ञ शिक्षकों और प्रशिक्षकों से विद्यार्थियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जायेगा। विशेषज्ञों के माध्यम से विद्यार्थियों को जब टिप्स प्राप्त होंगे तो उन्हें अपनी उम्मीदों को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों से चर्चा कर यह जानकारी प्राप्त की जाए कि वे किस तरह का प्रशिक्षण चाहते हैं। साथ ही यह प्रयास भी हो कि परीक्षा में अंतिम रूप से भी विद्यार्थी चयनित हो जाएं। इसके लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं।

किसानों को समय पर मिले योजनाओं का लाभ

एपीएस ने की ग्वालियर-चंबल संभाग के खरीफ कार्यक्रम की समीक्षा

भोपाल (एजेंसी)। कृषि उत्पादन आयुक्त (एपीसी) शैलेंद्र सिंह ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि के लिए उन्हें समय रहते योजनाओं का लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए।

श्री सिंह ने सोमवार को यहां मंत्रालय में ग्वालियर-चंबल संभाग के खरीफ कार्यक्रम और रबी तैयारियों की वर्चुअल समीक्षा में उक्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती-किसानी के साथ उद्यानिकी और पशुपालन के लिये भी प्रोत्साहित करने के लिये विभागीय अधिकारियों को पाबंद किया जाए। संचालक कृषि श्रीमती प्रीति मैथिल नायक ने कलेक्टरों से रबी की फसलों के लिए प्रदेश स्तर से जारी किए गए निर्देशों के संबंध में विस्तार से चर्चा की। बैठक में एमडी मंडी बोर्ड विकास नरवाल

सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी और ऑनलाइन ग्वालियर-चंबल संभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति शामिल हुए। एपीसी श्री सिंह ने कृषि, उद्यानिकी एवं पशुपालन संबंधी जिलेवार दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने ताकीद किया कि समय पर किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज मिले, किसान क्रेडिट कार्ड संबंधी समस्त लाभ मिले और अनुदान संबंधी योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलाया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने किसानों को आधुनिक खेती से अधिकतम लाभ अर्जित कराने के लिए कृषि विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों से समय-समय पर जरूरी मार्गदर्शन दिलाने को कहा है। इससे किसान अधिक से अधिक उपज प्राप्त कर आर्थिक रूप से सशक्त होंगे। उन्होंने कहा कि किसानों को खेती-किसानी के साथ उद्यानिकी फसलों और पशुपालन के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इससे भी किसानों की आय में वृद्धि होगी। एपीसी श्री सिंह ने फूड प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना और ग्वालियर-चंबल संभाग में दुग्ध समितियों का गठन कर नए मिल्क रूट स्थापित करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निराश्रित पशुओं को गौ-शालाओं में रखने के लिए अभियान चलाएं।

नवमी को सीएम करेंगे 40 लाख लाड़ली लक्ष्मियों से संवाद

भोपाल (एजेंसी)। नवरात्र की नवमी 14 अक्टूबर को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रदेश की 40 लाख लाड़ली लक्ष्मियों से संवाद करेंगे। प्रदेश में वृहद स्तर पर हो रहे इस आयोजन से पार्टी कार्यकर्ता भी जुड़ेंगे।

इस अभियान को लेकर पार्टी तैयारियों में जुटी हुई है। यह जानकारी चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक एवं प्रदेश के नगरीय विकास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने दी। भूपेंद्र सिंह ने सोमवार को चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक के बाद बैठक के निर्णयों से मीडिया को अवगत कराया। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि खंडवा लोकसभा और रैगांव, पृथ्वीपुर और जोबट विधानसभाओं के उपचुनाव में भाजपा का सघन चुनाव प्रचार चल रहा है। खंडवा लोकसभा की सभी विधानसभाओं एवं उपचुनाव वाली तीन विधानसभाओं में भी मंडल एवं बूथ स्तर तक चुनाव केंद्रित कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री चौहान एवं पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा सम्मेलन एवं कार्यक्रमों का शुभारंभ कन्यापूजन के साथ करते हैं।

वरिष्ठ नेता विजयादशमी को दिलाएंगे जीत का संकल्प

श्री सिंह ने बताया कि 15 अक्टूबर विजयादशमी पर खंडवा लोकसभा और रैगांव, पृथ्वीपुर एवं जोबट विधानसभा में कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी का ध्वज लगाएंगे और उपचुनाव में विजय का संकल्प लेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेतागण कार्यकर्ताओं को उपचुनाव में जीत का संकल्प दिलाएंगे।

छेड़छाड़ का जवाब देने महिला कांग्रेस सिखाएगी बेटियों को जूडो कराटे

भोपाल (एजेंसी)। छेड़छाड़ होने पर अब तक बेटियां चुप रह जाती थीं लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। छेड़छाड़ करने वाले को मुहतोड़ जवाब देने के लिए वे आत्म रक्षा के दांव पेंच सीखेंगी और इसमें उनकी मदद करेगी प्रदेश महिला कांग्रेस।

दशहरा से शुरू होगा प्रशिक्षण

महिला कांग्रेस आगामी 15 अक्टूबर विजय दशमी (दशहरा) पर्व से कन्या पूजन के साथ -बेटियों को आत्मरक्षार्थ स्वावलंबी बनाने के लिए जूडो कराटे प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ करने जा रही है। अभियान के तहत बेटियों को जूडो कराटे की बारीकियों से अवगत कराकर आत्मरक्षा का गुर सिखाया जाएगा। जानकारी देते हुए प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अर्चना जायसवाल ने बताया हम सदियों से दशहरा पर्व पर कन्या पूजन करते आ रहे हैं, वर्तमान में बेटियों पर अत्याचार और अमानवीय घटनाएं बहुत बढ़ गई हैं। केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार बेटी बचाओ का झूठा नारा देकर जनता के बीच दिखावा करती आ रही है।

बेटियों के साथ आए दिन दुष्कर्म की घटनाएं हो रही हैं, जिन्हें रोकने सरकार पूरी तरह असफल है। हम चाहते हैं कि बेटियां स्वयं सशक्त बनें। इसलिए महिला कांग्रेस पूरे मध्यप्रदेश मे कन्या पूजन के साथ-साथ शक्ति स्वरूप बेटियों को निडर एवं आत्मविश्वास बढ़ाने जूडो कराटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ करने जा रही है। प्रदेश के हर जिला, शहर में शिविर लगाकर बेटियों को प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षित कराया जाएगा ।

पन्ना में रेत उत्खनन में दलित एवं पिछड़ों की जमीन का हो रहा उपयोग

दिग्विजय सिंह ने लिखी मुख्यमंत्री को चिट्ठी

भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के पन्ना जिले में हो रहे रेत उत्खनन को लेकर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखा है और इस बात से अवगत कराया है कि उक्त उत्खनन से करोड़ों रुपए की रायल्टी का नुकसान हो रहा है, साथ ही इसमें बड़े-बड़े राजनेताओं एवं अधिकारियों की मिलभगत भी है।

दिग्विजय ने पत्र में लिखा है कि इस उत्खनन में गरीब और भोले भाले अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के छोटे-छोटे किसानों की जमीनों से करोड़ों रुपए की रेत निकाली जा रही है। अजयगढ़ जनपद पंचायत के अध्यक्ष भरत मिलन पांडेय ने बताया कि रेत खनन घोटाले में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के रेत माफिया शामिल हैं। जो पन्ना जिले की अमानगंज तहसील से प्रतिदिन एक हजार डंपर रेत निकालकर दोनों प्रदेशों के शहरों और कस्बों में बिना रॉयल्टी के बेच रहे हैं। दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री से निवेदन किया है कि शासन स्तर से वरिष्ठ अधिकारियों का दल गठित कर पन्ना जिले में हो रहे रेत घोटाले की जांच कराई जाए। अवैध खनन बंद कराए जाएं। वहीं जिन दलित और वंचित वर्ग के किसानों का शोषण किया गया है। उनकी जमीनें तत्काल रेत माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराई जाए।

रिटायर आईएएस और न्यायाधीश से लेकर राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसर मैदान में

अगले विधानसभा चुनाव में अनुपातिक प्रतिनिधित्व के लिए पिछड़ों की गोलबंदी

भोपाल (एजेंसी)।

मध्यप्रदेश में आरक्षण के बहाने एकजुट होते पिछड़े जनसंख्या अनुपात को ताकत बनाकर राजनीतिक क्षेत्र में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व की भूमिका तैयार कर रहे हैं। हाल के दिनों में इनकी एक बैठक ने साफ संकेत दिए हैं कि अगले विधानसभा चुनाव में प्रमुख सियासी दलों को उनकी भागीदारी का पैमाना सुनिश्चित करना होगा।

इसके लिए रिटायर आईएस से लेकर सेवानिवृत्त न्यायाधीश और राज्य प्रशासनिक सेवा के अफसरों सहित अनेक पदों से अवकाश प्राप्त अधिकारी राजनीतिक दलों की गोलबंदी में जुट गए हैं। पिछड़े वर्गों के संगठनों का भी दावा है कि अनुपातिक प्रतिनिधित्व के लिए भाजपा और कांग्रेस जैसे दलों के शीर्ष नेतृत्व को भी अवगत करा दिया गया है। स्पष्ट कहा गया है कि अगर अगले विधानसभा चुनाव में पिछड़ों की जनसंख्या के अनुपात में टिकट पर भागीदारी सुनिश्चित नहीं हुई तो इन दोनों ही पार्टियों को बड़ा नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। करीब एक साल बाद प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव के जैसे-जैसे दिन कम हो रहे हैं वैसे ही पिछड़े वर्गों में आने वाली सभी जातियों को एकजुट करने का अभियान भी छेड़ा गया है। दो दिन पहले भोपाल में हुई एक बैठक ने पूरी तस्वीर साफ की है कि अगले विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों को अनुसूचित जाति, जनजाति की तरह पिछड़े वर्ग के लिए भी सीटों का निर्धारण मजबूरन करना होगा। क्योंकि इसी तर्क पर इनकी मांग भी है कि उनकी जनसंख्या सर्वाधिक है। नतीजतन प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी आवश्यक हो गया है।

पिछड़े वर्गों के संगठनों ने कहा, जनसंख्या के अनुपात में नहीं है राजनीतिक भागीदारी

कई रिटायर अधिकारी अप्रत्यक्ष तौर पर मैदान में

जानकारों की मानें तो अगले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर पिछड़े वर्ग संगठन के बैनर तले अखिल भारतीय सेवा से लेकर राज्य प्रशासनिक और न्यायिक सेवा से रिटायर हुए अनेक अधिकारी अप्रत्यक्ष तौर पर अभी से राजनीतिक दलों में गोलबंदी की तैयारी कर रहे हैं। इनमें सेवानिवृत्ति के बाद कांग्रेस से नजदीकी बना चुके अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग संगठन में महत्वपूर्ण पद पाने वाले बीके बाथम का नाम प्रत्यक्ष तौर पर पहले ही सामने आ चुका है। पिछले वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भी बाथम का कांग्रेस पार्टी द्वारा भरपूर उपयोग किया गया था। उपचुनाव में भी पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा श्री बाथम के अनुभवों का लाभ लिया गया था। इसके अलावा रिटायर पूर्व कमिश्नर एवं आईएएस अधिकारी अजय सिंह गंगवार, वीएस निरंजन आईएफएस आजाद सिंह डबास, सेवानिवृत्त न्यायाधीश रमेशचंद्र चौरसिया, एके सिंह, सेवानिवृत्त डिप्टी कलेक्टर महेंद्र सिंह, आरएन सिंह, आईएफएस गुरु प्रसाद वर्मा, पीसीसीएफ गिरधर राव महेंद्र यादवेंदु, पीडब्ल्यूडी से सेवानिवृत्त हुए चीफ इंजीनियर बीपी पटेल, प्रो. कालिका प्रसाद यादव सहित अनेक लोग शामिल हैं। संगठनों से प्राप्त जानकारी है कि ऐसे अधिकारियों की आर्थिक समृद्धि और बौद्धिक बल का लाभ लेकर पिछड़ों के संगठन राजनीतिक दलों पर दबाव बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं। पिछड़े वर्ग से आने वाले उद्योगपतियों व्यवसायियों और जमींदारों को भी एकजुट किया जा रहा है।

भाजपा व कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को बता चुके स्थिति : महेंद्र सिंह

कुर्मी समाज से वास्ता रखने वाले एवं डिप्टी कलेक्टर पद से वीआरएस लेकर पिछड़े वर्ग के संगठनों का प्रतिनिधित्व कर रहे महेंद्र सिंह का कहना है कि संख्या के अनुपात में राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए हम पहले ही भाजपा एवं कांग्रेस जैसे दलों में शीर्ष नेतृत्व को अवगत करा चुके हैं। महेंद्र सिंह का कहना है कि जब अजा-जजा वर्ग में सीटों का आरक्षण निश्चित किया गया है तों पिछड़े वर्ग की आबादी भी 52 प्रतिशत है। इस वर्ग को भी संख्या के अनुपात में राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। श्री सिंह का कहना है कि अगर ऐसा नहीं होता है तो अगले विधानसभा चुनाव में पिछड़ा वर्ग विरोधी कदम रखते हुए अलग पार्टी बना कर सियासी मैदान में कूदेगा। जिसका नुकसान भी दोनों ही दलों को उठाना पड़ेगा।

सुनिश्चित हो 50 फीसदी भागीदारी : कुमवशी

मप्र पिछड़ा वर्ग संगठन के अध्यक्ष केपी कुमवशी का कहना है कि प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में राजनीतिक भागीदारी के लिए पूरी ताकत से कार्य हो रहा है। इनका कहना है कि कम से कम 50 फीसदी भागीदारी सुनिश्चित होना चाहिए। राजनीतिक क्षेत्र में एससी के लिए 35 और एसटी के लिए 47 सीट रिजर्व हैं। इसी प्रकार का निर्धारण ओबीसी के लिए भी होना चाहिए। इनका कहना है कि मौजूदा समय में पिछड़े वर्ग से भाजपा और कांग्रेस में 52 विधायक हैं। जनसंख्या के अनुपात में यह संख्या बहुत ही कम है। जबकि 1993 में महाजन कमीशन की जो अनुशंसा लागू हुई थी। उसके अनुसार 50 फीसदी कोटा निश्चित नहीं किया गया है।

श्रीदेवी के गाने पर

रश्मि देसाई

का थ्रोबैक वीडियो वायरल, फैन्स को याद आई दिव्या भारती

रश्मि देसाई (Rashami Desai) का नाम उन एक्ट्रेसेस में शुमार है, जिन्होंने अपने दम पर अपने लिए एक बड़ा मुकाम बनाया है। रश्मि देसाई न सिर्फ एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं, जबकि एक दमदार डांसर भी हैं। इस बीच रश्मि देसाई का एक थ्रोबैक डांस वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

श्रीदेवी के गाने पर रश्मि का डांस

दरअसल सोशल मीडिया रश्मि देसाई का एक डांस वीडियो फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। ये एक थ्रोबैक वीडियो है, जिस में रश्मि, बॉलीवुड की दिवंगत दिग्गज अदाकारा श्रीदेवी के गाने प्यार प्यार करते करते पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। याद दिला दें कि ये फिल्म जुदाई का गाना है। जुदाई में श्रीदेवी के साथ ही अनिल कपूर और उर्मिला मातोंडकर अहम भूमिकाओं में थे।

डांस मूव्स पर फिदा हुए फैन्स

रश्मि देसाई के इस वीडियो को फैन्स खूब पसंद कर रहे हैं। एक ओर जहां उनके मूव्स को फैन्स किलर बता रहे हैं तो वहीं रश्मि की एनर्जी की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक फैन ने लिखा कि उन्होंने श्रीदेवी से भी बढ़िया डांस किया है तो वहीं एक दूसरे फैन को रश्मि के एक्सप्रेशन्स देख दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती की याद आ गई।

इंस्टा पर खूब एक्टिव रहती हैं रश्मि

गौरतलब है कि रश्मि देसाई इंस्टाग्राम पर खूब एक्टिव रहती हैं। रश्मि के फोटोज- वीडियोज अक्सर सोशल मीडिया पर वायरल होते हैं। रश्मि के इंस्टा पर 4.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं, जबकि वो खुद 510 लोगों को फॉलो करती हैं। रश्मि देसाई ने एक ओर जहां भोजपुरी सिनेमा में दर्शकों का दिल जीता तो वहीं टीवी की दुनिया में भी रश्मि एक बड़ा नाम हैं।

अक्षय कुमार को राखी बांधना चाहती थीं कैटरीना कैफ, बताई थी यह वजह

अक्षय कुमार (Akshay Kumar) और कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) की जोड़ी एक हिट जोड़ी मानी जाती है. इन दोनों का साथ होना मतलब फिल्म का खूब कमाना. फैंस को इनकी कैमिस्ट्री इतनी पसंद आती है कि लोग भर-भर कर इन्हें प्यार देते हैं. स्क्रीन पर कमाल की दिखने वाली ये जोड़ी कैटरीना कैफ की वजह से भाई-बहन की जोड़ी में तब्दील होने वाली थी और इस बात का खुलासा खुद एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में किया था.

राखी बांधना चाहती थीं कैटरीना

वेलकम, दे दना दन, सिंह इज किंग और तीस मार खान जैसी सुपरहिट फिल्मों में काम कर चुकीं कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) अपने लुक्स के चलते अक्सर चर्चा में रहती हैं. ये सभी फिल्में कटरीना के करियर में मील का पत्थर साबित हुई थी. कैटरीना के साथ इन फिल्मों में अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे. दोनों की जोड़ी इन फिल्मों में कमाल की लगी थी. लेकिन आपको जानकर हैरानी होगी कि फिल्म तीस मार खान के सेट पर कटरीना कैफ, अक्षय कुमार को राखी बांधना चाहती थीं.

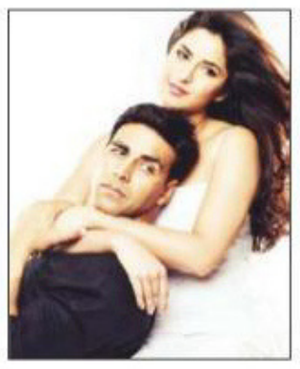

कपिल ने पूछा था सवाल

टीवी शो द कपिल शर्मा शो(The Kapil Sharma Show) के होस्ट कपिल शर्मा ने कैटरीना कैफ (Katrina Kaif) से पूछा था, तीस मार खान का गाना शीला की जवानी जब शूट हो रहा था तो आपने अक्षय कुमार को कहा था कि मैं आपको राखी बांधना चाहती हूं. क्या आपको राखी का मतलब नहीं पता था या आपको अक्षय कुमार (Akshay Kumar) की मासूमियत का अंदाजा नहीं था. शो में मौजूद सभी लोग कपिल शर्मा के इस सवाल पर हंसने लगते हैं.

अक्षय करते हैं कैटरीना की रक्षा

कैटरीना (Katrina Kaif) मुस्कुराते हुए जवाब देती हैं, मुझे राखी का बिल्कुल मतलब पता था. रक्षा बंधन का मतलब होता है कि भाई आपकी पूरी रक्षा करते हैं. अक्षय कुमार मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं. ये मेरी कई जगह सुरक्षा करते हैं. इसलिए मैंने ऐसा कह दिया था. कपिल शर्मा कहते हैं, ऐसा ही मेरे साथ भी हो चुका है. शो के बीच में सोनाक्षी सिन्हा ने भी मुझे ऐसा ही करने के लिए कह दिया था और वो मुझे राखी बांधना चाहती थीं.

लाइलाज बीमारी Keratosis-Pilaris की शिकार हुईं यामी गौतम, खुद बयां किया दर्द

एक्ट्रेस यामी गौतम (Yami Gautam) ने खुलासा किया है कि वह केराटोसिस पिलारिस (Keratosis-Pilaris) नामक त्वचा की स्थिति से पीड़ित हैं. उन्होंने कहा कि वह किशोरावस्था के दौरान इस रोग से पीड़ित हुई थी. इसका कोई इलाज नहीं है. यामी ने ट्विटर पर अपनी त्वचा को दिखाते हुए कई तस्वीरों को साझा किया.

फोटो के कैप्शन में बताई सारी बात

फोटो शेयर करते हुए, यामी गौतम (Yami Gautam) ने लिखा, नमस्कार दोस्तों, मैंने हाल ही में कुछ फोटो के लिए शूटिंग की है. जब वे केराटोसिस-पिलारिस नामक मेरी त्वचा की स्थिति को छिपाने के लिए पोस्ट-प्रोडक्शन (एक सामान्य प्रक्रिया) के लिए जाने वाली थीं, तो मैंने सोचा, कि मैं इस तथ्य को स्वीकार क्यों नहीं कर लेती. इसके साथ मैं सहज हूं.

क्या होता है केराटोसिस पिलारिस

केराटोसिस पिलारिस एक ऐसी स्थिति है जो त्वचा पर खुरदुरे पैच और छोटे, मुंहासे जैसे धक्के बनाती है. यामी ने कहा, मैंने आपके साथ अपनी सच्चाई साझा करने का साहस दिखाया है. मुझे अपने फॉलिकुलिटिस को एयरब्रश करने या अंडर-आई को चिकना करने या कमर को थोड़ा और आकार देने का मन नहीं था. मैं जैसी दिख रही थी वह बेहतर और सुंदर थी.

अब डरों से डरेंगी नहीं लड़ेंगी

उन्होंने खुलासा किया कि वह कई सालों से इससे निपट रही है और अब उन्होंने इससे जुड़े अपने सभी डरों को दूर करने का फैसला किया है. यामी ने बताया कि मैंने अपनी किशोरावस्था के दौरान इस त्वचा की स्थिति विकसित की थी, और इसका अभी भी कोई इलाज नहीं है. मैंने कई वर्षों से इससे निपट रहीं हूं, और आज आखिरकार, मैंने अपने सभी डर और असुरक्षाओं को दूर करने का फैसला किया. मेरे हिसाब से मेरे फैन अभी भी मुझे प्यार करेंगे और मेरी कमियों को तहे दिल से स्वीकार करेंगे.

राजकुमार राव और कृति सेनन

की हम दो हमारे दो का टीजर रिलीज, अब मम्मी- डैडी को गोद लेगा हीरो

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव (rajkummar rao) और एक्ट्रेस कृति सेनन (Kriti sanon) के फैन्स के लिए एक अच्छी खबर है। दोनों सितारे अब फिल्म हम दो हमारे दो (Hum Do Hamare Do) में एक साथ नजर आएंगे, जिसका टीजर (Hum Do Hamare Do Teaser) कुछ देर पहले ही सोशल मीडिया पर सामने आया है।

कैसा है टीजर

दरअसल कुछ देर पहले ही हम दो हमारे दो का टीजर रिलीज किया गया है। टीजर की शुरुआत में स्त्री, लुका छुपी, बाला और मिमी का जिक्र होता है। फिर परेश रावल की आवाज के साथ सवाल पूछा जाता है- अब हमारा हीरो क्या करेगा? इसके बाद स्क्रीन पर कृति नजर आती हैं, जो राजकुमार से कहती हैं- अपने मम्मी पापा को घर ले आना, बात खत्म करनी है, लाइफ शुरू करते हैं।.

अब हीरो गोद लेगा....

हम दो हमारे दो के टीजर में इसके बाद परेश रावल कहते सुनाई देते हैं- अब हीरो गोद लेगा, किसे मम्मी और डैडी को। इसके बाद फिल्म के कुछ अन्य सीन्स और कलाकारों को दिखाया जाता है। टीजर के आखिर में बताया जाता है कि फिल्म दिवाली के खास मौके पर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

क्या है स्टार कास्ट

बता दें कि फिल्म हम दो हमारे दो में एक ओर जहां राजकुमार राव और कृति सेनन की जोड़ी बनेगी तो वहीं दूसरी ओर फिल्म में परेश रावल, रत्ना पाठक शाह और अपारशक्ति खुराना भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। याद दिला दें कि इससे पहले राजकुमार और कृति की जोड़ी फिल्म बरेली की बर्फी में नजर आई थी।

धोनी सबसे हटकर हैं : साव

एजेंसी ■ दुबई

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी साव दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी की फिनिशिंग (मैच को सफलतापूर्वक खत्म करना) क्षमताओं से अभिभूत हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के महान कप्तान को करीब से देखने का मौका मिला। धोनी ने रविवार को दिल्ली की टीम के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग के क्वालीफायर मुकाबले में मुश्किल परिस्थितियों में छह गेंद में 18 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को फाइनल में पहुंचाया। उनकी इस आक्रामक पारी से चेन्नई सुपर किंग्स ने चार विकेट से जीत दर्ज की और नौवीं बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचने में सफल रही। मैच के आखिरी ओवर में चेन्नई को जीत के लिए 13 रन चाहिए थे और टॉम कुरेन गेंदबाजी कर रहे थे। कुरेन ने पहली गेंद में मोईन अली को आउट किया। दूसरी और तीसरी गेंद पर धोनी के बल्ले से चौका निकाला अगली गेंद वाइड, फिर धोनी ने एक और चौका लगाया और टीम फाइनल में पहुंच गई। साव ने फ्रेंचाइजी से जारी विज्ञप्ति में कहा, एमएस धोनी सबसे हटकर हैं, यह बात सभी जानते हैं। हमने उन्हें कई बार मैच फिनिश (खत्म करते हुए) करते हुए देखा है। उनके लिए ऐसा करना या हमारे लिए उन्हें ऐसा करते देखना कोई नई बात नहीं है। वह जब भी बल्लेबाजी करते है तो निश्चित रूप से एक खतरनाक खिलाड़ी होते है। साव ने कहा, मैं वहां मौजूद रहने और एक बल्लेबाज तथा कप्तान के रूप में उन्हें देखने का मौका मिलने को लेकर खुद को भाग्यशाली मानता हूं। उन्होंने मैच को हमारी पहुंच से दूर कर दिया। साव (34 गेंद में 60 रन) और कप्तान ऋषभ पंत (35 गेंद में 51 रन) की अर्धशतकीय पारियों से दिल्ली ने पांच विकेट पर 172 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था लेकिन चेन्नई की टीम ने 19.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। साव ने कहा कि कल (रविवार) रात की हार को पचा पाना उनके लिए मुश्किल है। उन्होंने कहा, फिलहाल हमें एक दूसरे का साथ देना है। चाहे हम जीते या हारे, पूरी टीम हमारे प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेती है। हम कोशिश करेंगे और अगले मैच में और मजबूत होकर वापसी करेंगे। टीम के लिए इस हार को पचा पाना मुश्किल है। उन्होंने कहा, हमारे पास फाइनल में क्वालीफाई करने का एक और मौका होगा और मुझे टीम में सभी पर भरोसा है। मुझे सच में विश्वास है कि हम अगले मैच में कुछ खास कर सकते हैं और फाइनल में जा सकते हैं।

> साव ने कहा कि कल (रविवार) रात की हार को पचा पाना उनके लिए मुश्किल है। उन्होने कहा, फिलहाल हमे एक दूसरे का साथ देना है। चाहे हम जीते या हारे, पूरी टीम हमारे प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेती है।

एक नजर

लाहिड़ी लास वेगास में संयुक्त 64वें स्थान पर रहे

लास वेगास। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी पहले दिन के अपने शानदार प्रदर्शन को आगे बरकरार रखने में नाकाम रहे और आखिर में उन्हें पीजीए टूर के श्रीनर्स चिल्ड्रन्स ओपन संयुक्त 64वें स्थान से संतोष करना पड़ा। लाहिड़ी ने पहले दिन 65 का शानदार स्कोर बनाया लेकिन इसके बाद अगले तीन दौर में उनका स्कोर 70-72 और 71 रहा। इस तरह से उनका कुल स्कोर छह अंडर रहा। कोरिया के सुंगजी इम ने अंतिम दौर में आठ होल के अंदर सात बर्डी जमाकर नौ अंडर 62 का कार्ड खेला और चार शॉट से जीत दर्ज की। उनका कुल स्कोर 24 अंडर 260 रहा। इस तरह से उन्होंने टूर्नामेंट के पिछले रिकार्ड की बराबरी की।

शुभंकर मैड्रिड में संयुक्त तीसरे स्थान पर, राफा को खिताब

मैड्रिड। भारतीय गोल्फर शुभंकर शर्मा अंतिम दौर में पांच अंडर 66 के स्कोर से यहां एसियोना ओपन डि एस्पाना टूर्नामेंट में संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे जो इस साल का उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस प्रदर्शन की बदौलत शुभंकर रेस टू दुबई तालिका में शीर्ष 60 में शामिल हो गए हैं।

शुभंकर ने 67, 64, 70 और 66 के स्कोर से कुल 17 अंडर का स्कोर बनाया। स्पेन के राफा कबरेरा बेलो ने अपने हमवतन एड्रि आर्नास को प्ले आफ में पछाड़कर यूरोपीय टूर खिताब के चार साल के सूखे को खत्म किया। शुभंकर ने मौजूदा सत्र में चौथी बार शीर्ष 10 में जगह बनाई। इससे पहले वह हिमरलैंड में संयुक्त आठवें, काजू क्लासिक में संयुक्त नौवें और बीएमडब्ल्यू पीजीए में भी संयुक्त नौवें स्थान पर रहे थे। इस प्रदर्शन से शुभंकर विश्व रैंकिंग में 255वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गोल्फर बन गए हैं। अनिर्बान लाहिड़ी 266वें स्थान पर हैं।

संक्षिप्त खबर

देवेंद्रो और सुरंजय की कोच के रूप में भारतीय मुक्केबाजी टीम में वापसी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता एम सुरंजय सिंह और एल देवेंद्रो सिंह को इस महीने होने वाली विश्व चैंपियनशिप से पहले पुरुषों की कोचिंग टीम में शामिल किया है। पटियाला में इस सप्ताह शुरू हो रहे राष्ट्रीय शिविर के लिए जिन 14 कोच को चुना गया है उनमें 29 वर्षीय देवेंद्रो और 35 वर्षीय सुरंजय भी शामिल हैं। विश्व चैंपियनशिप सर्बिया के बेलग्रेड में 24 अक्टूबर से शुरू होगी जिसमें 100 से अधिक देशों के लगभग 600 मुक्केबाज भाग लेंगे। कोचिंग स्टाफ में जो अन्य प्रमुख नाम हैं उनमें मुख्य कोच नरेंदर राणा, पूर्व जूनियर कोच एम एस ढाका, धर्मेन्द्र यादव तथा पूर्व मुक्केबाज दिवाकर प्रसाद और तोराक खारपान शामिल हैं। बीएफआई के महासचिव हेमंत कालिता ने पीटीआई से इसकी पुष्टि की। दिलचस्प बात यह है कि सुरंजय और देवेंद्रो दोनों को जूनियर स्तर पर ढाका ने कोचिंग दी थी। सुरंजय को इससे पहले 2017 में भी सहायक कोच नियुक्त किया गया था लेकिन उन्होंने निजी कारणों से तब यह जिम्मेदारी स्वीकार नहीं की थी। मणिपुर के इस पूर्व मुक्केबाज ने कहा, पिछली बार जब मुझे चुना गया था तो कुछ पारिवारिक परेशानियां थी। अभी सब ठीक है, पद संभाल लेंगे। देवेंद्रो भी इस नई भूमिका को लेकर उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, मैंने इतने वर्षों में जो कुछ सीखा है, आखिर में मुझे उसका उपयोग करने का मौका मिला है। मुझे उम्मीद है कि मैं अहम योगदान दूंगा। यह मेरे लिए सम्मान है। सुरंजय और देवेंद्रो अपने करियर के दौरान चोटों से जूझते रहे जिसके कारण उनका करियर लंबा नहीं खिंचा।

पर्थ टेस्ट के आयोजन के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है सीए: हॉकले

एजेंसी ■ सिडनी

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) के सीईओ निक हॉकले ने सोमवार को कहा कि बोर्ड अंतिम एशेज टेस्ट का आयोजन पर्थ में सुनिश्चित करने के लिए सक्रिय और रचनात्मक रूप से काम कर रहा है। उन्होंने साथ ही जोर देते हुए कहा कि खिलाड़ियों के परिवारों को पश्चिम आस्ट्रेलिया के इस शहर की यात्रा करने की स्वीकृति दी जाएगी। पर्थ को 14 जनवरी से पांचवें एशेज टेस्ट की मेजबानी करनी है लेकिन पश्चिम आस्ट्रेलिया सरकार की कोविड-19 से जुड़ी कड़ी पाबंदियों के कारण संदेह है कि इस मुकाबले का आयोजन किसी और शहर में हो सकता है। हॉकले ने सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड से कहा, क्रिकेट ऐसा खेल है जिसमें खिलाड़ी आपसी संपर्क में नहीं आते, हमने पिछले सत्र में दिखाया कि जैविक रूप से सुरक्षित माहौल के नियमों को मानने को लेकर हमारे क्रिकेटर काफी जिम्मेदार हैं। सीए को पिछले साल भारत के खिलाफ घरेलू श्रृंखला के दौरान भी इसी तरह की कोविड-19 से जुड़ी स्थिति का सामना करना पड़ा था लेकिन वे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुकाबलों का आयोजन कराने में सफल रहे। हॉकले ने कहा, जैविक रूप से सुरक्षित माहौल के बीच पर्थ स्टेडियम में एलीट स्तर के खेल के आयोजन के लिए अब काफी अनुभव है और अभी पश्चिम आस्ट्रेलिया सरकार से इसी मुद्दे पर विस्तार से चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा, यह नए स्टेडियम में पहला एशेज टेस्ट होगा, यह शानदार स्टेडियम है, हमें पता है कि पर्थ में लोग बड़ी संख्या में पहुंचेंगे। इस श्रृंखला को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही हैं। टेस्ट कप्तान जो रूट सहित इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों ने आस्ट्रेलिया में कोविड-19 से जुड़ी पाबंदियों के बीच परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा को लेकर चिंता जताई और कुछ तो दौरे से हटने पर भी विचार कर रहे हैं। एडीलेड, मेलबर्न और सिडनी की यात्रा करने में शायद कोई समस्या नहीं होगी लेकिन पश्चिम आस्ट्रेलिया की कड़ी सीमा पाबंदियां अड़चन पैदा कर सकती हैं। इंतजामों के बारे में पूछने पर हालांकि हॉकले ने कहा कि खिलाड़ियों के परिवार भी सिडनी से पर्थ की यात्रा कर पाएंगे। हॉकले ने दोहराया, हमारी प्रतिबद्धता है, पहली, हम दौरे का अंत सुरक्षित माहौल में करेंगे लेकिन साथ ही, दूसरी, यह दोनों टीमों के लिए शानदार अनुभव होगा, इसलिए कोई सुझाव नहीं है (कि पर्थ में परिवार टीमों के साथ नहीं होंगे।) उन्होंने कहा, हम पश्चिम आस्ट्रेलिया सरकार के साथ सक्रिरू रूप से सकारात्मक चर्चा कर रहे हैं।

छेत्री का यह 77वां अंतरराष्ट्रीय गोल है, जिससे उन्होंने पेले की बराबरी की।

उम्मीद है कि निकट भविष्य में खेलना और गोल करना जारी रखूंगा: छेत्री

एजेंसी ■ नई दिल्ली

करिश्माई भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी सुनील छेत्री ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल की संख्या के मामले में इस खेल के महानतम खिलाड़ियों में शामिल पेले की बराबरी करने के बाद उम्मीद जताई कि वह निकट भविष्य में देश के लिए खेलना और गोल करना जारी रखेंगे। सैंतीस साल के छेत्री ने सैफ चैम्पियनशिप में नेपाल के खिलाफ 83वें मिनट में गोलकर भारत को।-0 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। टूर्नामेंट में टीम की यह तीन मैचों में पहली जीत है जिससे वह प्रतियोगिता में बनी हुई है। छेत्री का यह 77वां अंतरराष्ट्रीय गोल है, जिससे उन्होंने पेले की बराबरी की। पिछले कुछ समय से भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई लेकिन छेत्री के खेल पर इसका असर नहीं दिखा है। छेत्री ने मैच के बाद पीटीआई-भाषा से कहा, मुझसे मेरी निरंतरता के बारे में पूछा जाता रहता है, काश मेरे पास कोई जवाब होता। लेकिन सच्चाई यह है कि मैंने कोई खाका तैयार नहीं किया है। यह हर एक दिन अपना सर्वश्रेष्ठ देने के बारे में है और मैं इस चीज के लिए शुक्रगुजार हूं कि इसमें कोई कमी नहीं आई है। छेत्री की उम्र को लेकर सवाल उठते रहे है लेकिन भारतीय कप्तान ने साफ किया कि उन्होंने भविष्य के बारे में ज्यादा नहीं सोचा है और शीर्ष स्तर पर खेलना जारी रखेंगे। छेत्री ने कहा, शायद आपको मेरी बात झूठ लगे लेकिन मैंने एक फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर अपने भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचा है। मैंने पहले भी कहा है कि मुझे सुबह उठना, अभ्यास करना और खेलना पसंद है। मैं इसका पूरा लुत्फ उठाता हूं और कभी भी इसे रोकना नहीं चाहता हूं। भारत के लिए 123 मैच खेल चुके छेत्री ने कहा, फुटबॉल के साथ मेरी भविष्य की योजना सचमुच मेरे अगले प्रशिक्षण सत्र की तरह होगी। मैं भाग्यशाली हूं कि मेरे चारों ओर एक सपोर्ट सिस्टम (समर्थन) है जो यह सुनिश्चित करता है कि मुझे किसी ऐसी चीज के बारे में सोचने या चिंता करने की जरूरत नहीं है जिसमें फुटबॉल शामिल नहीं है। इससे मुझे अपने जुनून को जीने में आसानी होती है।

इस गोल के साथ ही छेत्री सक्रिय फुटबॉल खिलाड़ियों में यूएई के अली मबखौत के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर है। उनके अधिक गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो (112) और लियोनेल मेस्सी (79) के नाम है। अंतरराष्ट्रीय और क्लब दोनों स्तरों पर एक शीर्ष-श्रेणी के स्ट्राइकर के रूप में खुद और टीम के लिए अनगिनत उपलब्धियों के बाद भी खेल में सर्वश्रेष्ठ करने की उनकी भूख बनी हुई है। उन्होंने कहा, यह काफी सरल है, अगर कोई ट्रॉफी है तो मैं उसे जीतना चाहता हूं। ऐसे बहुत कम खिलाड़ी होंगे जो अपनी ट्रॉफियों की संख्या से संतुष्ट होंगे, मैं उन से अलग नहीं हूं। भारतीय कप्तान ने कहा, व्यक्तिगत स्तर पर, मैं आंकड़ों और उपलब्धियों का बहुत बड़ा प्रशंसक नहीं हूं। लेकिन मुझे गलत मत समझिए, मैंने जो कुछ भी हासिल किया है उसके लिए मैं आभारी हूं। मेरे लिए हालांकि टीम के लिए जीत हासिल करना, चाहे वह देश के लिए हो या क्लब के लिए, से बड़ा कुछ भी नहीं है।

> छेत्री ने कहा, शायद आपको मेरी बात झूठ लगे लेकिन मैंने एक फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर अपने भविष्य के बारे में कभी नहीं सोचा है।

नारायण के चार विकेट से केकेआर ने आरसीबी को 138 रन पर रोका

एजेंसी ■ शारजाह

वेस्टइंडीज के स्पिनर सुनील नारायण के चार विकेट की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स ने सोमवार को आईपीएल एलिमिनेटर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को सात विकेट पर 138 रन पर रोक दिया। नारायण ने अपने पुराने फॉर्म का प्रदर्शन करते हुए 21 रन देकर चार विकेट लिए। विराट कोहली, एबी डिविलियर्स और ग्लेन मैक्सवेल के पास उनकी घूमती गेंदों का कोई जवाब नहीं था। वहीं स्पिनर वरूण चक्रवर्ती ने चार ओवर में 20 रन ही दिए और उनकी गेंदों पर एक भी चौका नहीं लगा। वहीं शाकिब अल हसन ने 24 रन दिए। केकेआर की स्पिन तिकड़ी ने 12 ओवर में सिर्फ 65 रन दिए और उनकी गेंदों पर चार ही चौके लगे। देवदत्त पडिक्कल ने 18 गेंद में 21 रन बनाकर और कप्तान कोहली ने 33 गेंद में 39 रन बनाकर आरसीबी को अच्छी शुरूआत दी। दोनों ने पहले पांच ओवर में 49 रन बनाए। केकेआर के कप्तान इयोन मोर्गन ने शाकिब से गेंदबाजी की शुरूआत कराई। कोहली और पडिक्कल ने शिवम मावी की गेंदों की धुनाई करते हुए पांच चौके जड़े। लॉकी फर्ग्युसन ने पडिक्कल को आउट करके इस साझेदारी को तोड़ा। आरसीबी के पिछले लीग मैच के नायक भरत धीमी पिच पर चल नहीं सके और 15 गेंद में नौ रन बनाकर आउट हो गए।

नारायण ने उन्हें पहला शिकार बनाया और कैच डीप में वेंकटेश अय्यर ने लपका। अधिकांश मैचों में अच्छी शुरूआत करने वाले कोहली पावरप्ले के बाद फिर लय से भटक गए। नारायण की फुल लैंग्थ गेंद पर स्लॉग स्वीप खेलने के प्रयास में वह अपना विकेट गंवा बैठे। डिविलियर्स (11) ने आईपीएल के इस सत्र का अपना सबसे खराब शॉट खेला और नारायण की आफ ब्रेक पर आउट हो गए। वहीं फॉर्म में चल रहे ग्लेन मैक्सवेल (15) को नारायण ने अपना अगला शिकार बनाया।

आरसीबी ने हसरंगा और चमीरा को श्रीलंकाई टीम से जुड़ने की अनुमति दी

एजेंसी ■ दुबई

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) ने सोमवार को आलराउंडर वाहिंदु हसरंगा और तेज गेंदबाज दुशमंता चमीरा को अगले सप्ताह होने वाले टी20 विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए श्रीलंका टीम से जुड़ने के लिए टीम का बायो बबल (जैव सुरक्षित वातावरण) छोड़ने की अनुमति दे दी। आरसीबी ने हसरंगा और चमीरा को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सत्र के दूसरे चरण के लिए आस्ट्रेलियाई एडम जंपा और डेनियल सैम्स की जगह टीम में रखा था। हसरंगा ने जहां दो मैच खेले वहीं चमीरा को एक मैच में भी अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली। ए दोनों आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच आईपीएल एलिमिनेटर के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। आरसीबी ने ट्वीट किया, वाहिंदु हसरंगा और दुशमंत चमीरा ने आरसीबी का बायो बबल छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें टी20 विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए श्रीलंकाई टीम से जुड़ना है। इसमें कहा गया है, हम उन दोनों को शुभकामनाएं देते हैं और आईपीएल 2021 के दौरान उनके पेशेवरपन और कड़े परिश्रम के लिए आभार व्यक्त करते हैं। श्रीलंका को विश्व कप में ग्रुप ए में रखा गया और वह क्वालीफायर्स में अपना पहला मैच 18 अक्टूबर को अबुधाबी में नामीबिया के खिलाफ खेलेगा।

पुरस्कार पुरस्कार विजेता हालांकि सिर्फ प्रशंसक ही नहीं बल्कि प्रत्एक मतदान समूह मे शीर्ष स्थान पर

प्रशंसकों की भागीदारी के बिना भी पुरस्कार विजेता नहीं बदलेंगे : एफआईएच सीईओ

एजेंसी ■ लुसाने

अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) वार्षिक पुरस्कारों में भारतीय खिलाड़ियों और कोच के पूरे दबदबे पर कुछ देशों की निराशा और गुस्से से निपटने के लिए एक कार्यसमिति का गठन करेगा। एफआईएच के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थिएरी वेल ने यह जानकारी देते हुए कहा कि अगर प्रशंसकों के मत को हटा दे तो भी विजेताओं की सूची पर कोई असर नहीं होगा। भारतीय खिलाड़ियों और कोच ने बीते बुधवार को एफआईएच वार्षिक पुरस्कारों के सभी प्रमुख वर्गों में जीत हासिल की। जिसके बाद ओलंपिक चैम्पियन बेल्जियम ने एफआईएस की मतदान प्रणाली पर सवाल उठाते हुए इसे विफल करार दिया। एफआईएच ने कहा कि वह पता लगाने की कोशिश करेगा कि कई संघों ने मतदान में हिस्सा क्यों नहीं लिया। हॉकी जगत के कई लोगों ने सवाल किया कि क्या प्रशंसकों को वैसे पुरस्कार के लिए मतदान करना चाहिए जिसमें खिलाड़ियों की तकनीकी दृष्टिकोण से परख की जाती है। पुरस्कार विजेता हालांकि सिर्फ प्रशंसक ही नहीं बल्कि प्रत्एक मतदान समूह में शीर्ष स्थान पर थे, जिसमें राष्ट्रीय संघ और मीडिया भी शामिल थे। एफआईएच की वेबसाइट पर जारी साक्षात्कार में वेल ने कहा, एफआईएच में हमारी समग्र रणनीति है कि हम जो कुछ भी करें उसके केन्द्र में खिलाड़ियों और प्रशंसकों को रखा जाए। ऐसे में, प्रशंसकों को अपने विचार व्यक्त करने का विकल्प देना जरूरी है। अगर आप इस संबंध में पूछ रहे हैं कि क्या वर्तमान प्रक्रिया सही है या नहीं, तो हमें निश्चित रूप से इसका विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी। इस पुरस्कार में राष्ट्रीय संघों के मतदान का प्रतिनिधित्व उनके संबंधित कप्तानों और कोच द्वारा किया गया। नतीजे में इसका हिस्सा कुल परिणाम का 50 प्रतिशत था, जबकि बाकी के मतों को प्रशंसकों एवं खिलाड़ियों (25 प्रतिशत) के साथ-साथ मीडिया (25 प्रतिशत) के मतदान पर बांटा गया था। इसमें यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि 42 सदस्यों वाली यूरोपीय ब्लॉक के केवल 19 संघों ने मत डाला, जबकि एशिया के 33 में से 29 संघों ने मतदान किया। वेल ने कहा, स्पष्ट रूप से हमें प्रशंसकों को किसी तरीके से खुद से जोड़ने की आवश्यकता है। इस मतदान के लिए उनका धन्यवाद। हमारे पास लगभग तीन लाख प्रशंसकों के साथ जुड़ने का अवसर होगा। अधिकांश प्रशंसक भारत से आ रहे हैं और यह सिर्फ भारत के लिए नहीं बल्कि हमारे खेल के समग्र विकास और पूरे हॉकी समुदाय के लिए अच्छा है। उन्होंने कहा , हमने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि सभी विजेताओं ने तीनों मतदान वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया है। अगर दूसरे शब्दों में कहें तो प्रशंसकों के मत को हटा दें तो भी विजेताओं की सूची में कोई बदलाव नहीं होगा। भारत के पांच खिलाड़ियों तथा पुरुष और महिला टीमों के मुख्य कोच ने विभिन्न वर्गों में सर्वाधिक मत पाकर शीर्ष पुरस्कार हासिल किए। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो ओलंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता था जबकि महिला टीम चौथे स्थान पर रही थी। गुरजीत कौर (महिला) और हरमनप्रीत सिंह (पुरुष) ने अपने वर्गों में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी (प्लेयर ऑफ द ईयर) का पुरस्कार हासिल किया। सविता पूनिया (सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, महिला), पीआर श्रीजेश (सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, पुरुष), शर्मिला देवी (सर्वश्रेष्ठ उदीयमान स्टार, महिला) और विवेक प्रसाद (सर्वश्रेष्ठ उदीयमान स्टार, पुरुष) के साथ-साथ भारत की महिला टीम के कोच सोर्ड मारिन और पुरुष टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड भी सर्वाधिक मत पाकर शीर्ष पर रहे।